शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 135 | गुवाहाटी | मंगलवार, 6 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मां के गर्भ को खेत की तरह नहीं देखा जा सकता — पेज 3

चीनी जासूसी जहाज युआन वांग-5 फिर हिंद महासागर क्षेत्र में लौटा, श्रीलंका में ... — पेज 4

इरफान सोलंकी प्रकरण : अली की पहचान और तलाश जारी — पेज 5

कबाड़ बेचकर उत्तर-पश्चिम रेलवे मालामाल, मिले 140.52 करोड़ — पेज 8

जी-20 : भारतीय संस्कृति को स्थापित करने का अवसर

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज साफ तौर पर कहा है कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात है। साथ ही साथ, उन्होंने यह भी कहा है कि यह भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति को विश्व में स्थापित करने के लिए बड़ा अवसर है। आपको बता दें कि 1 दिसंबर से भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। इसके तहत देशभर में कई कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

एक्जिट पोल : गुजरात में भाजपा की आसान जीत, हिमाचल में टक्कर

नई दिल्ली (हि.स.)। दो राज्य विधानसभाओं के एक्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता में वापसी होगी जबकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी भाजपा को बेदखल कर सकती है। अधिकतर टेलीविजन चैनलों ने चुनाव सर्वे करने वाली एजेंसियों के साथ मिलकर कहा है कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी की आसान जीत होगी। कांग्रेस पार्टी दूसरे स्थान पर रहेगी। गुजरात में सघन चुनाव प्रचार अभियान चलाने वाली आम आदमी पार्टी दहाई तक पहुंच सकती है। रिपब्लिक टीवी और पी मार्ग एक्जिट पोल के अनुसार भाजपा को राज्य में 128 से 148 तथा कांग्रेस को 30 से 42 सीटें मिल सकती हैं, जबकि आप के हिस्से में दो से 10 सीटें आ सकती हैं। जन की बात के अनुसार भाजपा को 117 से 140 तथा कांग्रेस को 34 से 51 सीट मिल सकती हैं। आप के हिस्से में 6-13 सीटें आने का अनुमान लगाया गया है। टीवी9 गुजरात का अनुमान है कि भाजपा को 125 से 130, कांग्रेस को 40 से 50 और आप को 3 से 5 सीटें मिलेंगी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के एक्जिट पोल में अधिकतर चैनलों ने भाजपा की सत्ता में वापसी का अनुमान लगाया है। हालांकि एक टीवी चैनल ने कांग्रेस को बढ़त दिलाई है। रिपब्लिक टीवी और पी मार्ग एक्जिट पोल के अनुसार भाजपा को राज्य में 34 से 39 तथा कांग्रेस को 28 से 33 सीटें मिल सकती हैं जबकि आप के हिस्से में एक सीट आ सकती है। टाइम्स नाउ ने भाजपा को 34 से 42 और कांग्रेस को 24 से 32 सीटें दी हैं। जी न्यूज के अनुसार भाजपा को 35 से 40 और कांग्रेस को 20 से 25 सीटें मिल सकती हैं। भाजपा की जीत के इन अनुमानों के विपरीत आजतक ने अनुमान लगाया है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव में भाजपा से आगे रहेगी। कांग्रेस को 30 से 40 जबकि भाजपा को 24 से 34 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस हर विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के साथ सत्ता की अदला-बदली करते रहे हैं। इस बार चुनाव में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा जोड़ो यात्रा के कारण प्रचार में भाग नहीं लिया। इसके बावजूद कांग्रेस के अपेक्षाकृत अच्छे प्रदर्शन का अनुमान लगाया गया है। गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणामों के संबंध में सभी सर्वे एजेंसियों का आम राय है कि भाजपा की सत्ता में एक बार फिर वापसी होगी। पार्टी गुजरात में पिछले 27 वर्षों से सत्तारूढ़ रही है। यदि एक्जिट पोल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सरकार लोगों के कल्याण लिए प्रतिबद्ध : सीएम

बंगाईगांव (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को राज्य के बुनियादी ढांचा के विकास के लिए राज्य के 11 जिलों में शुरू जाने वाली योजनाओं का बंगाईगांव जिला से शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार लोगों के कल्याण और राज्य के समग्र विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास में, राज्य के 11 जिलों को शामिल करते हुए कुल 15,000 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन के साथ आज से विकास के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद तक पाक से बातचीत संभव नहीं : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ तब तक बातचीत नहीं हो सकती है जब तक वह सीमापार आतंकवाद को जारी रखता है। जयशंकर ने जर्मनी की अपनी समकक्ष एनालेना बेयरबॉक की मौजूदगी में यह टिप्पणी की और कहा कि बर्लिन इस बात को समझता है। बेयरबॉक दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को भारत पहुंची। जयशंकर ने बेयरबॉक के साथ द्विपक्षीय सहयोग सहित क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के बाद जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ संयुक्त प्रेस संबोधन में जयशंकर ने कहा कि हमने अफगानिस्तान की स्थिति और पाकिस्तान के बारे में चर्चा की जिसमें सीमा पार आतंकवाद से जुड़ा विषय भी शामिल था। उन्होंने जोर दिया कि अगर सीमा पार से आतंकवाद -शेष पृष्ठ दो पर

रैगिंग मामला : मुख्य आरोपी ने किया अत्मसमर्पण

डिब्रूगढ़/गुवाहाटी। डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी रैगिंग मामले के मुख्य आरोपी राहुल छेत्री को सोमवार सुबह डिब्रूगढ़ पुलिस ने कोर्ट में पेश किया और पांच दिन की पुलिस रिमांड की मांग की। इससे पहले राहुल छेत्री ने तिनसुकिया जिले के लेखापानी में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। आनंद शर्मा की रैगिंग घटना के बाद राहुल पिछले 11 दिनों से गिरफ्तारी से बच रहा था। इस घटना ने पूरे असम को झकझोर दिया था। डिब्रूगढ़ के एसपी श्वेतांक मिश्रा ने कहा कि राहुल को पूछताछ के लिए डिब्रूगढ़ लाया गया है। हमने थोड़ी देर पहले ही उसे कोर्ट में पेश किया है। हमने कोर्ट से पांच दिन की पुलिस रिमांड मांगी है। एसपी ने कहा कि सोमवार सुबह राहुल छेत्री ने लेकपानी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और उसे पूछताछ के लिए डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन लाया गया। अब तक, राहुल के साथ पुलिस पांच अन्य को भी डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी रैगिंग की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार कर चुकी है। असम में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के प्रथम सेमेस्टर के छात्र आनंद शर्मा ने 26 नवंबर को विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्रों द्वारा क्रूर शारीरिक और मानसिक यातना सहन करने में असमर्थ होने के बाद पीएनजीबी छात्रावास की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। उसके बाद घायल आनंद का एक निजी अस्पताल में सफल ऑपरेशन हुआ था।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रु के गुण को भी ग्रहण करना चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

गुजरात चुनाव के द्वितीय चरण में 59 फीसदी वोटिंग

अहमदाबाद/नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 के लिए आज दूसरे चरण की वोटिंग भी शाम 5 बजे खत्म हो गई। चुनाव के इस फेज में 14 जिलों की 93 सीटों के लिए सोमवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ था। शाम 5 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार 59.111 फीसदी वोट पड़े। हालांकि अभी फाइनल प्रतिशत आना बाकी है, क्योंकि मतदान केंद्रों में एंट्री बंद हो गई है, लेकिन कैंपस के अंदर मौजूद लोगों की वोटिंग जारी है। औसत की बात करें तो सबसे ज्यादा 65.84 फीसदी मतदान साबरकांठा में और सबसे कम 53.16 फीसदी मतदान अहमदाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में वाहन से 93 लाख रुपए जब्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में रविवार को एक वाहन से 93.83 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। इसके एक दिन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि यह पैसा भाजपा के लिए जा रहा था। बनर्जी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पैसा, बंदूकें और गुंडे लाने के लिए भाजपा ने केंद्रीय बलों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के नेताओं से राजनीतिक रूप से लड़ें। सोमवार की दोपहर -शेष पृष्ठ दो पर

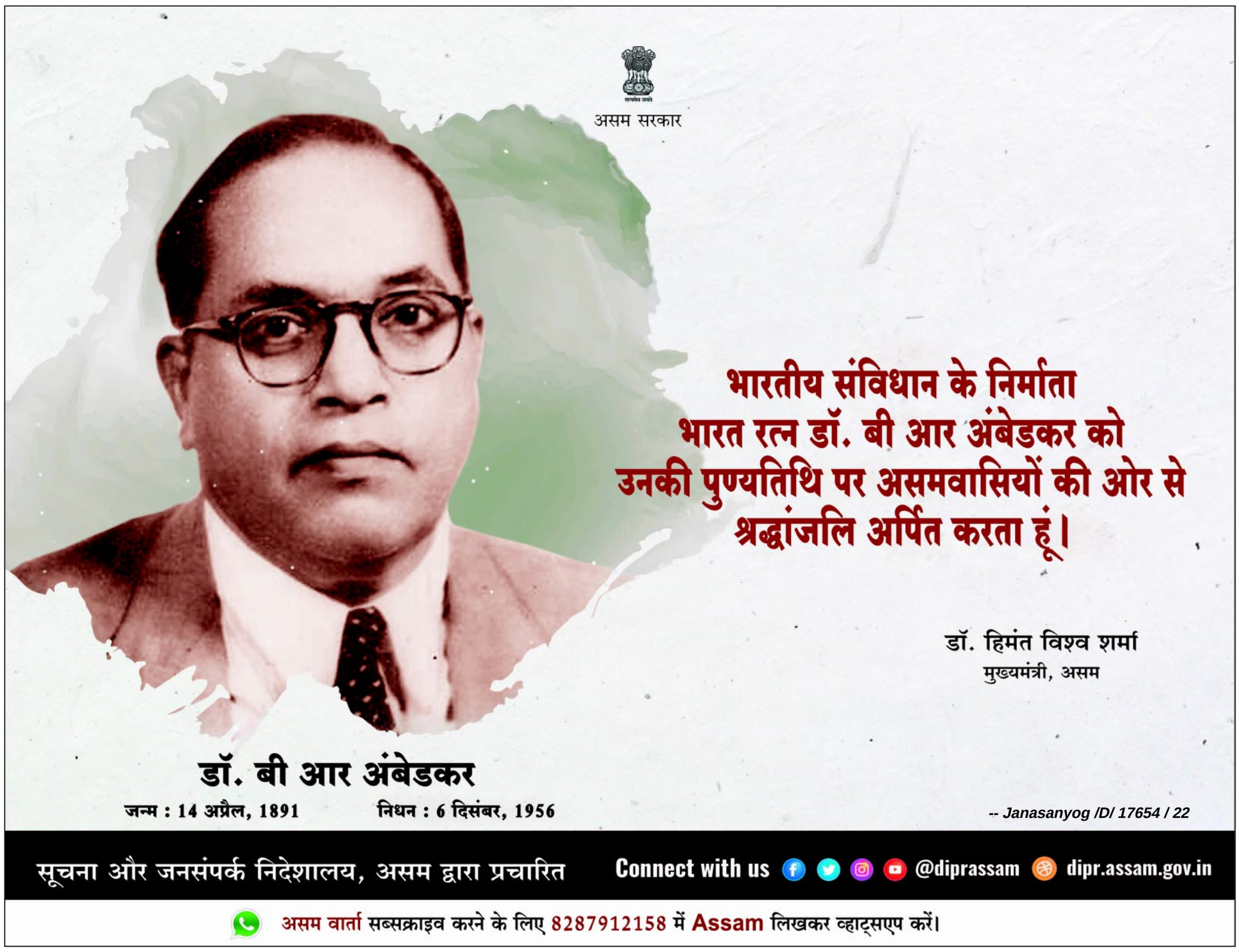

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

जबरन धर्म परिवर्तन संविधान के खिलाफ : एससी

नई दिल्ली। जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर समय-समय पर कानून बनाकर इस पर लगाम लगाने की मांग की जाती रही है। इस बीच, सोमवार को शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जबरन धर्न परिवर्तन को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि यह एक गंभीर मुद्दा है। इतना ही नहीं ये संविधान के खिलाफ भी है। दरअसल, वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने अपनी याचिका में धोखाधड़ी और डरा-धमकाकर होने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। याचिका में कहा है कि अगर इन पर रोक नहीं लगाई गई, तो जल्द ही भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र ने अदालत को बताया कि वह इस तरह के माध्यम से धर्म परिवर्तन पर राज्यों से जानकारी एकत्र कर रहा है। जस्टिस एम आर शाह और सी टी रविकुमार की पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मुद्दे पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। उन्होंने कहा कि वैधानिक शासन यह निर्धारित करेगा कि विश्वास में कुछ बदलाव के कारण कोई व्यक्ति परिवर्तित हो रहा है या नहीं। इस पर पीठ ने कहा कि इसे विरोध के रूप में न लें। यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है। आखिरकार यह हमारे संविधान के खिलाफ है। जब हर कोई भारत में रहता है, तो उन्हें भारत की संस्कृति के अनुसार कार्य करना पड़ता है। शीर्ष अदालत अब इस मामले की सुनवाई 12 दिसंबर को करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार यानी आज सुनवाई करते हुए केंद्र से उस याचिका पर विचार करने को कहा, जिसमें सभी राज्यों में मृतक अंगों के प्रत्यारोपण से संबंधित नियमों में एकरूपता की मांग की गई है। गिफ्ट ऑफ लाइफ एडवेंचर फाउंडेशन नामक संस्था ने यह याचिका दायर की है। याचिका में मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के विनियमन और निगरानी या 2014 के केंद्रीय नियमों के अनुरूप विभिन्न राज्यों में नियमों में एकरूपता लाने के लिए राज्य सरकारों को उचित दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। इस याचिका पर चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने सुनवाई करके हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण नियम, 2014 के साथ राज्यों में मृतक अंग प्रत्यारोपण के नियमों में एकरूपता की कमी की जांच तेजी से करे।

जी-20 को लेकर बैठक तैयारियों पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज दिल्ली में सर्वदलीय बैठक हुई है। यह बैठक जी-20 की तैयारियों की चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इसमें ममता बनर्जी समेत कई मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक के जी-20 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बैठक बुलाई थी। बैठक का एक वीडियो भी सामने आ गया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा महासचिव डी राजा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दिखाई दे रहे हैं। इस बैठक में उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए। आपको बता दें कि भारत ने 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पीएम मोदी की बैठक में तेलुगू देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे। जी-20 की भारत की अध्यक्षता को लेकर सरकार की योजनाओं और उससे जुड़े कार्यक्रम के बारे में एक प्रस्तुति भी दी जाएगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए 40 से ज्यादा दलों को आमंत्रित किया गया था। इस साल दिसंबर से देश के विभिन्न स्थानों पर 200 से अधिक जी-20 बैठकों की मेजबानी किए जाने की उम्मीद है। अगले साल नौ और 10 सितंबर को नयी दिल्ली में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होना है। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में जी-20 की कई बैठकें आयोजित की जाएंगी। जी-20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

बजरंग दल देशभर में निकालेगा शौर्य यात्रा

नई दिल्ली (हि.स.)। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दनोरिया दिल्ली प्रवास के दौरान करोल बाग में शौर्य यात्रा में शामिल हुए। यह शौर्य यात्रा करोल बाग 350 बस टर्मिनल से प्रारंभ होकर दुर्गा माता मंदिर, फैज रोड तक रही और दुर्गा माता मंदिर पहुंच कर विशाल सभा बन गई। रास्ते में जगह-जगह शौर्य यात्रा का स्वागत किया गया। पूरा फैज रोड जाम हो गया था। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दनोरिया ने इस अवसर पर उपस्थित बजरंगियों और मातृशक्ति को संबोधित करते हुए बताया कि बजरंग दल पूरे देश में 15 दिसंबर तक ऐसे ही 9000 प्रखंडों में शौर्य यात्रा निकालेगा। उन्होंने कहा जो श्री राम के मंदिर का विरोध करते थे, आज मंदिर बनना जिन्हे अच्छा नहीं लग रहा, वही राउल विंची कहते हैं, जय श्री राम कहने वाले माता सीता को नहीं पूजते, लगता है अभी तक राउल विंची पूरी तरह विकसित नहीं हुए हैं। बजरंग दल दिल्ली के संयोजक भारत बत्रा ने नीरज दनोरिया को इस अवसर पर तलवार भेंट कर उनका स्वागत किया।

मेरी पार्टी हर चुनाव लड़ेगी : अब्दुल्ला

श्रीनगर (हि.स.)। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि 2018 में पंचायत चुनाव का बहिष्कार करना बड़ी गलती थी और पार्टी को भविष्य में जम्मू-कश्मीर में हर चुनाव लड़ना चाहिए। अब्दुल्ला ने सरकार और सुरक्षा बलों को किसी भी चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करने के लिए कहा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम आने वाले किसी भी चुनाव का बहिष्कार नहीं करेंगे। इसके बजाय (हम) चुनाव लड़ेंगे और उन्हें जीतेंगे। अपने बेटे उमर अब्दुल्ला की इस घोषणा का जिक्र करते हुए कि वह तब तक चुनाव नहीं लड़ेंगे, जब तक जम्मू और कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश रहेगा। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मैं आपसे (उमर अब्दुल्ला) कह रहा हूं कि आपको चुनाव लड़ना होगा, क्योंकि अगर हमें उनसे लड़ना है तो हम सभी को मैदान में उतरकर चुनाव लड़ना होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा कुछ भी करेगी, यहां तक कि आपकी वफादारी को खरीदने का प्रयास भी करेगी लेकिन भगवान उनके सभी मंसूबों को विफल कर देगा। अब्दुल्ला ने सुरक्षा बलों और सरकार को जम्मू-कश्मीर के चुनावों में हस्तक्षेप नहीं करने की भी चेतावनी दी और कहा कि लोगों को तय करने दें कि किसे वोट देना है। उन्होंने ऐसा कुछ होने पर आंदोलन शुरू करने की धमकी भी दी और कहा कि इस पर आंदोलन शुरू करने वाले वे पहले व्यक्ति होंगे।

संसद का शीतकालीन सत्र कल से सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली: सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है जिसमें विभिन्न दलों के सदन के नेता हिस्सा लेंगे। इसमें बैठक में सदन का सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित करने, सत्र के दौरान विधायी कार्यो एवं इससे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा और यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में 17 बैठकें होंगी। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सत्र मंगलवार को शाम में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक करेंगे। इस बार उन्होंने पारंपरिक तौर पर सत्र से पहले आयोजित किए जाने वाले सर्वदलीय बैठक की बजाए कार्य मंत्रणा समिति की बैठक बुलाने का निर्णय किया है। पिछले सप्ताह सरकार ने शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले 16 विधेयकों की सूची जारी की थी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बैठक के लिए लोकसभा एवं राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं को निमंत्रण भेजा था। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मौजूद रहने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि संसद के आसन्न शीतकालीन सत्र में लिए जाने वाले संभावित विधायी कार्यों एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए लोकसभा एवं राज्यसभा में राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं। सत्र के दौरान ही आठ दिसंबर को हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणाम भी सामने आएंगे। ऐसे में शीतकालीन सत्र पर इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम की छाया भी देखने को मिलेगी। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी दलों के नेताओं का सहयोग मांगा है।

मैंने भी मूनलाइटिंग की, रेडियो शो होस्ट किया : सीजेआई

नई दिल्ली। देश में मूनलाइटिंग को लेकर चल रही बहस के बीच सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ ने भी मूनलाइटिंग करने की बात स्वीकार की है। पिछले हफ्ते गोवा को एक कार्यक्रम में देश के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि 20-22 साल की उम्र में वे मूनलाइटिंग करते थे। मैं उन दिनों वकील था और ऑल इंडिया रेडियो में भी कुछ शो होस्ट करता था। सीजेआई ने बताया कि कम लोग ही जानते हैं कि करियर के शुरूआती दिनों में मैं नौकरी के साथ रेडियो में भी काम करता था। वहां मैं प्ले इट कूल, डेट विद यू और संडे रिक्वेस्ट जैसे शो होस्ट करता था। म्यूजिक को लेकर आज भी मेरा प्रेम बरकरार है। मैं जिस क्षेत्र में हूं, उसमें म्यूजिक सुन पाना काफी मुश्किल होता है। इसीलिए मैं जब भी घर पर होता हूं तो म्यूजिक सुनता हूं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पिछले महीने ही भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की शपथ ली है। राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में स्थित बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने सीजेआई की कुर्सी पर बैठने से पहले अपने केबिन में तिरंगे को नमन भी किया। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर 2024 तक होगा। जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ देश के 16वें सीजेआई थे। जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ का कार्यकाल 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक, यानी करीब 7 साल रहा। उनके रिटायरमेंट के 37 साल बाद उनके बेटे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ उसी पद पर नियुक्त होंगे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ पिता के 2 बड़े फैसलों को एससी में पलट भी चुके हैं। वे बेबाक फैसलों के लिए चर्चित हैं। एक कंपनी में नौकरी करते हुए वहां बताए बिना दूसरी नौकरी करने को मूनलाइटिंग कहते हैं। लोग एक्स्ट्रा इनकम के लिए मूनलाइटिंग करते हैं। भारत में कोई ऐसा कानून नहीं है जो किसी व्यक्ति को एक साथ कई काम करने से रोंके। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी सर्वे के अनुसार आईटी सेक्टर से जुड़े लगभग आधे से अधिक लोग घर से काम करते हुए *मूनलाइटिंग* करते हैं।

असम लोकसेवा आयोग
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati- 781 022

No. 31PSC/E-3/2021-22

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the **Departmental (Promotion) Examination for the post of FAO/TO (Jr. Grade-II) in the cadre of Assam Finance Service under Finance (Estt.-B) Department** will be held on **22nd & 23rd December, 2022 at Guwahati centre only.** The Programme of the Examination, status of the applications and e-Admission certificates of candidates for the said examination will be uploaded in the website www.apsc.nic.in in due course. All candidates should check the status of their applications before downloading their e-Admission Certificate.

For any queries candidates can mail us at apsc-asm@nic.in .

Secretary
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 17668 / 22

पृष्ठ एक का शेष

जी-20 : भारतीय ...

ने अपने संबोधन में यह बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की जानकारी देते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कैसे कोविड-19 महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे संकटों के बीच भारत विगत वर्षों में विश्व की एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है और पूरी दुनिया इसकी सराहना भी कर रही है। रमन सिंह के मुताबिक अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने काशी-तमिल सम्मेलन के आयोजन का उल्लेख किया और इसे *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* का शानदार उदाहरण बताया। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में *स्नेह मिलन* का विचार प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने भाजपा नेताओं का आह्वान किया कि सीमा से लगे गांवों का दौरा करते रहें और वहां रहने वाले लोगों से मिलते रहें, ताकि उनमें देश से कटने वाली भावना विकसित ना हो। सिंह के अनुसार, मोदी ने कहा कि ऐसे गांवों को ऐसे स्थानों के रूप में विकसित किया जाए, जिनके प्रति पर्यटक आकर्षित हों। सिंह ने कहा कि दो दिवसीय बैठक के दौरान विभिन्न सामयिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और आगामी विधानसभा चुनावों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। आपको बता दें कि दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक सोमवार को शुरू को गया है। इसमें भाग लेने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे हैं। उन्होंने इस महत्वपूर्ण बैठक का औपचारिक उद्घाटन भी किया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस बैठक में मौजूद हैं। उन्होंने ही नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। मिल रही जानकारी के मुताबिक भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। उनके साथ आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया जाएगा। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योकि इसमें भाजपा आने वाले चुनाव के लिए रणनीति तैयार करेगी। अगले साल त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में चुनाव होने हैं। यही कारण है कि भाजपा ने अभी से ही इसको लेकर रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

एक्जिट पोल : गुजरात...

सही साबित होते हैं तो राज्य में भाजपा की यह लगातार सातवीं चुनावी विजय होगी। पिछले विधानसभा चुनाव (2017) में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। राज्य में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के कारण सौराष्ट्र क्षेत्र में भाजपा को भारी नुकसान हुआ था। राज्य में हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिगनेश मेवाणी का युवा नेतृत्व उभरा था, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को भी चुनौती दी थी। भाजपा पहली बार 100 के आंकड़े से नीचे 99 पर अटक गई थी। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के पहली बार बहुमत पाने की संभावना है। राज्य विधानसभा चुनावों में आप लगातार दो बार 2015, 2020 में भारी जीत हासिल कर चुकी है। दिल्ली नगर निगम पर भाजपा का पिछले 15 वर्षों से कब्जा रहा है। वर्ष 2012 में दिल्ली को तीन नगर निगमों में बांट दिया गया था जबकि इस वर्ष तीनों को फिर एक कर दिया गया। एकीकरण के बाद 250 वार्डों के लिए रविवार को मतदान हुआ था। अधिकतर एक्जिट पोल में दिल्ली नगर निगम में आप की आसान जीत का अनुमान लगाया गया है। आजतक के अनुसार आप को 149 से 171 सीटें मिल सकती है जबकि भाजपा को 69 से 91 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस के खाते में केवल 3 से सात सीटें आने का अनुमान है। टाइम्स नाउ ने आप को 146 से 156 तथा भाजपा को 84 से 94 सीटें दी हैं। कांग्रेस के हिस्से में 6 से 10 सीटें आ सकती हैं। जन की बात के अनुमान के अनुसार आप को 159-175, भाजपा को 70-92 और कांग्रेस को 4-7 सीटें मिलेंगी।

आतंकवाद तक पाक ...

जारी रहता है तो पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं हो सकती। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में मैंने जर्मनी की विदेश मंत्री के साथ चर्चा की और अपने संबंधों एवं सीमापार आतंकवाद की चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वास्तव में पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय स्तर पर संपर्क में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आतंकवाद के साथ बातचीत नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि जर्मन पक्ष इस बात को समझता है। गौरतलब है कि अक्तूबर में जर्मनी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावन भुट्टो जरदारी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में बेयरबॉक ने कश्मीर मुद्दे के समाधान पर संयुक्त राष्ट्र की संभावित भूमिका की बात कही थी। इस पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसके कुछ दिन बाद भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा था कि कश्मीर पर जर्मनी के रुख में बदलाव नहीं आया है। वहीं, जयशंकर ने सोमवार को कहा कि हमने हिन्द प्रशांत के विषय और ईरान के मुद्दे पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों पर जर्मनी की विदेश मंत्री के विचारों को सुनना काफी उपयोगी और फलदायक रहा।

सरकार लोगों के ...

एक पखवाड़ा कार्यक्रम शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के पहले दिन आज बंगाईगांव कॉलेज पहुंचे। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्रों ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कॉलेज के साथ-साथ छात्रों की सफलता की कामना की।

गुजरात चुनाव के...

में दर्ज किया गया। दूसरे फेज में 833 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। फर्स्ट फेज की तरह सेकेंड फेज में भी शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में वोटिंग का प्रतिशत ज्यादा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी की मां हीराबा मतदान के लिए व्हीलचेयर से पोलिंग बूथ तक पहुंचीं। 80 वर्ष से ज्यादा और अस्वस्थ सीनियर सिटिजंस के लिए घर से ही मतदान करने की सुविधा दी गई थी। इसके बावजूद 100 की हो चुकीं हीराबा खुद बूथ तक पहुंचीं और मतदान कर उन लोगों को संदेश दिया, जो आलस के चलते मतदान करने नहीं जाते। पीएम मोदी ने अहमदाबाद के राणिप इलाके में बने पोलिंग बूथ में मतदान किया। पीएम जब मतदान करने राणिप पहुंचे तो ढोल-नगाड़ों से उनका स्वागत किया गया। वहीं, पोलिंग बूथ में मतपेटी के पास एक महिला खड़ी थी तो उन्होंने अपनी बारी का इंतजार भी किया। वोटिंग के बाद पीएम ने बाहर आकर स्याही का निशान भी दिखाया। इस दौरान चारों तरफ मोदी-मोदी के नारे गूंजने लगे। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर वोट डालने से पहले रोड शो करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि गुजरात चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग में पीएम मोदी अहमदाबाद में वोट डालने गए, लेकिन उससे पहले 2.5 घंटे का रोड शो किया। चुनाव आयोग की क्या मजबूरी थी कि वह इस रोड शो पर खामोश है। ऐसा लगता है कि आयोग जानबूझकर दबाव में है।

बंगाल में वाहन ...

दिल्ली से कोलकाता के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे पता है कि यह हवाला का है। सारा पैसा भाजपा के लिए आ रहा है। वे केंद्रीय सुरक्षा बलों की मदद से पैसा, गुंडे और बंदूके ला रहे हैं, क्योंकि पुलिस भी जांच नहीं कर सकती है। बिन्नागुरी पुलिस चौकी के अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार शाम बनारहाट इलाके में एशियाई मार्ग (एएच-48) पर बिहार में रजिस्टर्ड एसयूवी को रोका। जलपाईगुड़ी के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत महतो ने बताया, तलाशी के दौरान वाहन की पिछली सीट के नीचे स्टेपनी में 93.83 लाख रुपए नकदी छिपा कर रखी हुई मिली। इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से चार बिहार के रहने वाले हैं, जबकि एक व्यक्ति पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि काली एसयूवी पैसे को बिहार से असम के गुवाहाटी ले जा रही थी। वहीं, बनर्जी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने उन्हें झूठा बताया।

उप्र : 71 जिलों में राज्य कर विभाग ने मारे छापे

लखनऊ (हि.स.)। कर चोरी के मामले में उत्तर प्रदेश के 71 जिलों में सोमवार को राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) की 248 टीमें संवेदनशील इलाकों में छापेमारी कर रही हैं। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार लगातार यह सूचनाएं मिल रही थीं कि की जिलों में व्यापारी बगैर बिल के माल की बिक्री करके भारी मात्रा में टैक्स चोरी कर रहे हैं। महकमे ने इसे संज्ञान में लिया, जिसके परिणामस्वरूप एसजीएसटी की 248 टीमें 71 जिलों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई में संलग्न हैं। पूरे ऑपरेशन पर राज्य जीएसटी मुख्यालय लगातार नजर बनाए हुए है। कार्रवाई की पल-पल की सूचना लगातार राज्य जीएसटी आयुक्त सीधे ले रही हैं। इस छापेमारी की कार्रवाई से प्रदेश में करों की चोरी करने वालों में दहशत का माहौल है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

क्षण में सुख क्षण दुख मिले, जग वियोग योग आय।
सहज योग सुख कवन है, सब दिन एक रहाय॥ 25॥

शब्दार्थ : (वियोग) विलग (योग) मिलना।

भाष्य : संसार में क्षण भर में दु:ख और क्षणभर में सुख मिलता है। सुख-दु:ख का बराबर योग-वियोग होता रहता है, परंतु सहज योग का वह कौन सुख है, जो सब दिन एक समान रहता है?

सागर छलकि आनन्द का, एक चिलू जल आय।
चिलू फुहारा जगत में, मगन भये सब पाय॥ 26॥

शब्दार्थ : (सागर) समुद्र (छलकि) उछलि (चिलू) अंजुलि।

भाष्य : आनंद-सागर जो छकर कर एक अंजुलि जल जगत में गिरता है, उसी एक चिल्लू-जल को पाकर संसार के सभी प्राणी मग्न हो रहते हैं।

अजमल के बयान पर हिमंत की प्रतिक्रिया, कहा–

मां के गर्भ को खेत की तरह नहीं देखा जा सकता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने एआईयूडीएफ सांसद बदरुद्दीन अजमल के महिलाओं तथा हिंदू समाज पर तीन दिन पहले दिए बयान को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि किसी मां की कोख को खेत की तरह नहीं देखा जा सकता। शर्मा ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को अजमल जैसे लोगों के बयानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए जो उनसे अधिक बच्चे पैदा करने को कहते हैं। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम महिलाओं को दिए संदेश में कहा कि परिवार को दो बच्चों तक सीमित रखें ताकि उन्हें अच्छी शिक्षा दे सकें। शर्मा ने बोंगईगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अजमल की टिप्पणियों पर पलटवार किया। यह क्षेत्र धुबरी के पास है जहां से अजमल लोकसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को, खासकर मुस्लिम महिलाओं को ऐसे लोगों के बयानों से प्रभावित नहीं होना चाहिए जिन्हें वोट के लिए उनकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुझे आपका वोट नहीं चाहिए, लेकिन अजमल की बात मत सुनिए। दो से अधिक बच्चे नहीं होने चाहिए ताकि आप उन्हें पढ़ा-लिखाकर बढ़ा करें और उच्च स्तर का खिलाड़ी, डॉक्टर और इंजीनियर बना सकें। एआईयूडीएफ अध्यक्ष अजमल ने शुक्रवार को एक मीडिया संस्थान को दिए साक्षात्कार में महिलाओं तथा हिंदुओं के साथ ही शर्मा के खिलाफ भी टिप्पणी की थी। उनकी इस टिप्पणी को लव जिहाद पर मुख्यमंत्री के बयान का जवाब माना जा रहा है। खबर के अनुसार अजमल ने हिंदुओं को कम उम्र में शादी की सलाह दी थी ताकि मुसलमानों की तरह अधिक बच्चे पैदा करें। अजमल की इस टिप्पणी की निंदा होने और पूरे राज्य में कई जगहों पर इसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद सांसद ने अगले दिन माफी मांगी और कहा कि वह अपने बयान से उठे विवाद को लेकर शर्मिंदा हैं और उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया क्योंकि उन्होंने किसी समुदाय पर निशाना नहीं साधा था। बोंगईगांव के कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के लिए विकास का एक पखवाड़ा योजना का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अजमल जैसे लोग सोचते हैं कि बोंगईगांव और धुबरी जैसे असम के निचले इलाकों में शिक्षा तथा विकास नहीं पहुंचेंगे और वे इन इलाकों की महिलाओं को ऐसा जता रहे हैं जैसे वे बच्चे पैदा करने की फैक्ट्री हैं। शर्मा ने कहा कि अजमल कहते हैं कि उपजाऊ जमीन पर बीज बोये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं उनसे पूछता हूं कि क्या हमारी माताओं के गर्भ खेत की तरह हैं?

चुराईबाड़ी में 40 लाख का गांजा जब्त

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज जिले में असम-त्रिपुरा सीमावर्ती चुराईबाड़ी में फिर से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया है। चुराईबाड़ी पुलिस ने छापेमारी में 40 पैकेटों में कुल 400 किग्रा गांजा जब्त किया है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 40 लाख रुपए आंका गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि त्रिपुरा के अगरतला से आए एक ट्रक को संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई तो ट्रक में भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। गांजा को ट्रक के गुप्त चैंबर में छिपाकर रखा गया था। इस पर पुलिस ने चालक रूबेल मियां को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार ड्राइवर का घर त्रिपुरा के सिपाहीजाला बताया गया है। पुलिस के अनुसार पता चला है कि गांजा अगरतला के खैरपुर से लोड किया गया था और उसे असम की राजधानी गुवाहाटी ले जाया जाना था। पुलिस ने इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अजमल का फोन नंबर असम के मुख्यमंत्री का हेल्पलाइन नंबर : सांसद गोगोई

गोलाघाट (हि.स.)। एआईयूडीएफ के प्रमुख एवं सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल का फोन नंबर असम के मुख्यमंत्री का हेल्पलाइन नंबर है। बदरुद्दीन अजमल का इस्तेमाल तब किया जाता है जब मुख्यमंत्री खतरे में होते हैं। मुख्यमंत्री ने रात में फोन किया और बदरुद्दीन को मुख्य मुद्दे से दूर ले जाने के लिए कुछ कहने को कहा। उसके तुरंत बाद असम के लोग मुख्यमंत्री और बदरुद्दीन का नाटक देखकर समस्याओं को भूल गए। यह टिप्पणी कोलियाबोर लोकसभा क्षेत्र से सांसद गौरव गोगोई ने की। गोगोई ने गोलाघाट जिला के बोकाखात निर्वाचन क्षेत्र के बनगांव चाय बागान में एक जनसभा में यह टिप्पणी की। सांसद ने यह आरोप उस घटनाक्रम के संदर्भ में लगाया है, जिसमें मौलाना अजमल ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए बेहद गंभीर टिप्पणी की थी। जिसको लेकर पूरे राज्य में भाजपा समेत अन्य पार्टियां अजमल की आलोचना कर रही हैं। सांसद की विकास निधि से बनगांव चाय बागान में एक एंबुलेंस प्रदान की गई। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि इस सरकार ने ऊपरी असम को ज्यादा महत्व नहीं दिया है। गोलाघाट जिला में सरकार चिकित्सा सेवा के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस नेता गोगोई ने जिले में खराब स्वास्थ्य सुविधाओं का आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में मदद करने के लिए यह एंबुलेंस प्रदान करने की बात कही है।

अर्द्धनग्न अवस्था में मिली महिला, दो संदिग्ध हिरासत में

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के मार्घेरिटा थानांतर्गत नामदांग कलियारी की कोना बस्ती में 50 वर्षीय एक महिला को अर्धनग्न अवस्था में मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई। महिला को सोमवार की सुबह स्थानीय लोगों ने देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। महिला को मार्घेरिटा सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे उन्नत चिकित्सा के लिए डिब्रूगढ़ मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया है। महिला की पहचान सुकू माया तमांग के रूप में की गई है। पुलिस ने घटना के संबंध में संदेह के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोयले की अवैध तस्करी को लेकर हजारों अज्ञात लोग वृहत्तर मार्घेरिटा क्षेत्र में देखे जा रहे हैं। कोयला खनन सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए आने वाले लोग इलाके में डेरा डाले हुए हैं। नामदांग में ऐसे ही एक शिविर के पास एक महिला की पीट-पीटकर मूर्छित किए जाने की घटना को लेकर पूरे इलाके में सनसनी व्याप्त है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि महिला के होश में आने के बाद पूरी स्थिति साफ हो पाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिला के मरनै में रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रदीप दास (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि मरनै के नेपाली खूटी से घर जाते समय राजमार्ग-46 पर बीती रात प्रदीप दास बाइक से जा रहा था। तभी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। परिणामस्वरूप, बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एनएच पर दो वाहनों में भिड़ंत, 3 घायल

धेमाजी (हि.स.)। धेमाजी जिला के सिलापथार कस्बे से अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिला के अलंग जा रहे बोलेरो पिकअप और आईटेन कार के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि सिलापथार से मुर्गी और खाद्य पदार्थ लेकर आलंग जा रही बोलेरो पिकअप वाहन (एएस-07सी-8528 और जोनाई से आ रही आई टेन कार (एएस-06आर-0783) के बीच बीती देर रात को आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। डिमौ पुल के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-515 पर टक्कर के बाद बोलेरो वाहन सड़क पर पलट गई। जिसके चलते राजमार्ग पर काफी देर तक यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। वाहन चालक सहित कुल तीन लोगों को गंभीर हालत में असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने रास्ता साफ किया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दिया है।

सोनारी में जंगली हाथियों ने चार घरों को किया क्षतिग्रस्त

चराइदेव (हि.स.)। जिला मुख्यालय सोनारी इलाके में जंगली हाथियों के आतंक से स्थानीय नागरिकों में दहशत बनी हुई है। रविवार रात जंगली हाथियों ने सोनारी के नाफुक चाय बागान में घुस कर चार घरों को ध्वस्त कर दिया। बताया गया कि अभयपुर संरक्षित वनांचल से भोजन की तलाश में निकले हाथियों के झुंड ने नाफुक चाय बागान के 2 नंबर में घुसकर चार घरों को ध्वस्त कर दिया। हाथियों के झुंड ने मुनू बाक्ती, प्रहलाद बाक्ती, जिबरियाल नंदा और आदाम कुमार के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने के लिए वन विभाग के खिलाफ गुस्से के इजहार किया है। लोगों का कहना है कि वन विभाग अगर समय रहते ठोस कदम उठाता तो इस तरह की घटनाएं नहीं घटतीं। जंगली हाथियों के उपद्रव से लोगों में दहशत बनी हुई है।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के सामागुड़ी के बरदल मिकिरगांव में बीती रात जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार इस बार बाघ के हमले में नहीं, बल्कि जंगली हाथियों के हमले में एक शख्स गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल व्यक्ति की पहचान बरदल मिकिरगांव के बिसोहरी लोहार के रूप में हुई है। बीती रात को अंधेरे में घर के पीछे जाते समय जंगली हाथियों ने लोहार पर हमला कर दिया। घायल लोहार को गंभीर हालत में सामागुड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे नगांव सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। फिलहाल लोहार की सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना को लेकर गांव वालों ने वन विभाग के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त की है।

चार करोड़ की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। जिले के बोकाजन पुलिस ने रविवार रात को ओल्ड लाहरीजान में एक वाहन से लगभग 4 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने वाहन जब्त कर तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बोकाजान अनुमंडल पुलिस अधिकारी जॉन दास के नेतृत्व में ओल्ड लाहरीजान के पहरा तलासी चौकी के प्रभारी पुलिस अधिकारी जितेन गोगोई ने बिना नंबर प्लेट वाले मैजिक गोल्ड वाहन में छुपाकर लाई जारी हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार 39 साबुनदानी में छुपाकर लायी गई कुल 511.79 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। पुलिस ने वाहन को सीज कर तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित हेरोइन को छुपाकर नगालैंड के डिमापुर से ला रहे थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान नगांव जिला के दुलाल उद्दीन और दूसरे की पहचान सराफत अली के रूप में हुई है।

मिट्टी के कटाव को लेकर हैलाकांदी में दहशत

हैलाकांदी (निसं)। जिले में लगभग 50 परिवार डर और चिंता में दिन गुजार रहे हैं क्योंकि कटखल नदी का तटबंध बड़े पैमाने पर मिट्टी के कटाव के कारण टूटने के कगार पर है।माटीजुरी और उसके आस-पास के गांवों के स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में हैलाकांदी से लगभग 8 किमी दूर, मटिजुरी में कटखल नदी के बांध के किनारे बड़े पैमाने पर मिट्टी का कटाव हुआ है।स्थानीय लोगों ने कहा कि कुछ दिनों पहले तटबंध का करीब 200 मीटर हिस्सा धंसने से इलाके में कम से कम चार घर और एक सड़क नदी में समा गई थी और इससे लोगों में दहशत फैल गई थी। बड़े पैमाने पर मिट्टी के कटाव के कारण असम के हैलाकांदी जिले में कई परिवारों में दहशत हैयहां तक कि स्थानीय लोग डर में जी रहे हैं और अनिश्चित भविष्य की ओर देख रहे हैं, उनका आरोप है कि संबंधित अधिकारी उनकी दुर्दशा से बेखबर हैं।जल संसाधन विभाग लोगों की समस्याओं के बारे में कम से कम चिंतित है और कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। विभाग के इस उपेक्षापूर्ण रवैये से लोगों में डर पैदा हो रहा है और अगर जल्द ही तटबंध की मरम्मत और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो इसका परिणाम एक बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन के रूप में सामने आ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि माटीजुरी के अलावा, हैलाकांदी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत निमाईचंदपुर, राज्येश्वरपुर, रतनपुर, और बसदाहर सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में और हैलाकांदी शहर से 10-15 किलोमीटर के भीतर बांध की हालत खराब है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द तटबंध की मरम्मत के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अलावा, निवासियों ने मांग की कि हाल ही में बांध के ढहने से जिन लोगों के घर गिरे हैं, उन्हें सरकार द्वारा पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने मामले पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा के हस्तक्षेप की भी मांग की। माटीजुरी, निमाइचंदपुर, राज्येश्वरपुर, रतनपुर और बसदाहर की संयुक्त आबादी लगभग 50 परिवारों की है, जिसमें लगभग 200-300 लोग शामिल हैं।फखरूल इस्लाम बरभुइया, शकर हुसैन लस्कर, शेडवान हुसैन लस्कर, और जैदुल आलम बरभुइया, जिन्होंने हाल ही में कटखल के तटबंध के धंसने के बाद अपना घर खो दिया था, ने कहा कि वे घटना के बाद से खुले में रह रहे हैं और असम सरकार से मदद मांग रहे हैं।इस बीच, हैलाकांदी एआईयूडीएफ के विधायक जाकिर हुसैन लस्कर ने कहा कि वह इस मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे और जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

महानगर के वशिष्ठ इलाके में भीषण आग

गुवाहाटी। महानगर के बशिष्ठ स्थित अमृत नगर इलाके में सोमवार को आग लग गई। गुवाहाटी के वशिष्ठ अमृत नगर में घनी आबादी वाले नेपालीबस्ती इलाके में आग लग गई। आग में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाडयिां मौके पर पहुंची। स्थानीय पुलिस भी पहुंची।गुवाहाटी पुलिस ने कहा कि दमकल की गड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

जुरिया में शराब और ड्रग्स के विरुद्ध लोगों ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के जुरिया इलाके में स्थानीय नागरिकों ने सोमवार की सुबह अवैध शराब की दुकान और मादक पदार्थ के तस्करों के घर में जमकर तोड़फोड़ की। जुरिया के कदमनी टाउन बेपारी बस्ती में लोगों ने शराब और मादक पदार्थ के खिलाफ उच्छेद अभियान चलाया। यह अभियान विशेष रूप से महिलाओं द्वारा चलाया गया। इस अभियान में करीब 500 से अधिक लोग एकजुट होकर नशे के कारोबारियों पर टूट पड़े। महिला टीम ने बेपारी बस्ती में शराब और अवैध नशे के अड्डों के खिलाफ अभियान चलाया। मादक पदार्थ के तस्कर असीकुल रहमान के घर को महिलाओं ने पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान ड्रग्स का सेवन करने वाले एक व्यक्ति को भी महिलाओं ने पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने असीकुल के घर से मादक पदार्थों के कारोबार में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न वस्तुओं को भी जब्त किया। बाद में उन्होंने जब्त सामान को जला दिया। स्थानीय लोगों ने बताया है कि असीकुल रहमान पहले भी कई मामलों में आरोपित रह चुका है। उधर, पकड़े गए नशेड़ी के पास से लोगों ने कांसे के बर्तन भी बरामद किए। लोगों को संदेह है कि बरामद बर्तन मठ-मंदिर का पात्र हो सकता है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने नशेड़ी को अपनी कस्टडी में ले लिया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन करने में जुटी हुई है।

अजायुछाप ने शुरू किया आमरण अनशन

नगांव (हि.स.)। असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (अजायुछाप) ने सोमवार को अपनी मांगों को लेकर स्थानीय लोगों के साथ आमरण अनशन आरंभ किया है। अजायुछाप का कहना है कि नगांव जिला के उरीगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2003-04 में फोर लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए पानी की कीमत पर जमीन खरीदी थी। वर्तमान में बची हुई जमीन को प्राधिकरण दूसरे राज्यों के लोगों को विभिन्न व्यवसाय संचालित करने के लिए दे रहा है। इससे स्थानीय लोगों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। अजायुछाप का कहना है कि वर्तमान में फोर लेन हाईवे बनने के बाद उरीगांव में बाईपास चौक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा खरीदी गई जमीन को ओडिशा के व्यापारियों को शॉपिंग मॉल और पेट्रोल पंप बनाने के लिए सौंप दी गई है। अजायुछाप ने कहा है कि स्थानीय व्यवसायियों के अस्तित्व एवं भविष्य को सुरक्षित करने और एकतरफा निर्णय का विरोध करते हुए गणतांत्रिक आंदोलन कर जिला प्रशासन को इस संबंध में ज्ञापन भी सौंपा गया था।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

नगांव (हि.स.)। जिले के जुरिया पुलिस ने जुरिया के नागबांधा में ड्रग्स तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से तीन साबुनदानी में छुपाकर तस्करी की जा रही 35.36 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि गिरफ्तार लोगों की पहचान नारमारी के बाबुल और कदमनी के अबुबकर सिद्दीकी के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर प्रतिबंधित ड्रग्स का कारोबार इलाके चला रहे थे। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

एचआईवी : अप्रैल में 2269 मामले मिले

गुवाहाटी, चार दिसंबर (भाषा) असम में अप्रैल से 2269 लोग एचआई वी से संक्रमित हो चुके हैं। यह बीते दो सालों में काफी ज्यादा संख्या है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एएसएसीएस) के मुताबिक, इस साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच 5,57,747 नमूनों की जांच की गई जिनमें से 2269 लोग ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस यानी एचआईवी से संक्रमित पाए गए। उसने कहा कि इनमें से 131 गर्भवती महिलाएं हैं। 2021-22 में, राज्य में कुल 2,366 एचआईवी मामलों का पता चला था, जबकि 2020-21 में 1,288 मामले मिले थे। एएसएसीएस के सहायक निदेशक राजीब शर्मा ने कहा कि 'एनएसीओ एचआईवी अनुमान रिपोर्ट' 2021 के अनुसार, असम में 25,073 लोग एचआईवी के संक्रमण के साथ जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से 45 फीसदी महिलाएं हैं और तीन फीसदी बच्चों को भी एचआईवी है।

मदर्स प्राइड का वार्षिक समारोह यूरेका 2.0 संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद, शारीरिक तथा बौद्धिक विकास होने से आगे चलकर भविष्य में वह किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को उजागर कर सकता हैं। यह बाते मुख्य अतिथि रेव फादर सेबेस्टियन मैथ्यू ने लाचित नगर स्थित मदर्स प्राइड गुवाहाटी के वार्षिक समारोह यूरेका 2.0 में कहीं। उन्होंने कहा की इस तरह के वार्षिक कार्यक्रमों से बच्चों का मनोबल बढ़ता हैं। पान बाजार स्थित डान बास्को स्कूल के प्रेक्षागृह में आयोजित मदर्स प्राइड द्वारा आयोजित यूरेका 2.0 नामक रंगारंग समारोह का उद्घाटन डॉन बॉस्को के प्रिंसिपल रेव फादर सेबेस्टियन मैथ्यू ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वाइस प्रिंसिपल रेव फादर जोसेफ, रेव फादर विंसेंट रेक्टर, जेम्स एंथोनी, एमडी सबा अल अहमद, समाजसेवी मनोहर अचंतानी, मदर्स प्राइड की प्राचार्य रेहा अचंतानी सहित अन्य गणमन्य लोग मौजूद थे। तत्पश्चात प्राचार्य रेहा अचंतानी ने अपना स्वागत संबोधन दिया जिसमें उन्होंने नन्हे-मुन्नों का हौसला अफजाई किया। उन्होंने कहा की कोविड के कारण 3 साल बाद इस समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने फैशन शो, बिहू नृत्य, योगा और कई अन्य नृत्यों और तुकबंदी के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने भाषण सुनाए जिससे सभी अवाक रह गए। इस मौके पर मुकेश अचंतानी ने बताया की मदर्स प्राइड देश के सबसे पसंदीदा प्री स्कूल में से एक हैं और ग्रूमिंग टॉडलर्स में कई छोटे-छोटे बच्चों को पोषित किया है। हमारे यहां सिर्फ एकेडमिक ग्रोथ की नहीं है बल्कि बच्चे के ओवरऑल डेवलपमेंट किया जाता हैं ताकि भविष्य में वे एक अच्छे नागरिक बन सके।

चीनी जासूसी जहाज युआन वांग-5 फिर हिंद महासागर क्षेत्र में लौटा, श्रीलंका में डाले था डेरा

- अमेरिका और भारत के विरोध पर भी तीन माह से हिंद महासागर क्षेत्र में सक्रिय हैं चीनी 'स्पाई शिप'
- भारत में करीब 750 किमी. दूर तक आसानी से निगरानी करने में सक्षम है युआन वांग-5 चीनी जहाज

नई दिल्ली, (हि.स.)। श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट पर लगभग पांच माह तक डेरा डालने के बाद चीनी जासूसी जहाज युआन वांग-5 फिर हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में लौटा है। आईओआर में चीन के जासूसी जहाज की एंट्री भारत के लिए खतरे की घंटी है। महज तीन महीने में दूसरी बार चीनी जासूसी जहाज की आवाजाही भारत और अमेरिका के विरोध जताने के बावजूद हो रही है। चीन के दो जासूसी जहाज युआन वांग-6 और युआन वांग-5 तीन माह से हिंद महासागर क्षेत्र में चक्कर लगा रहे हैं। चीन अपने जहाज युआन वांग-6 और युआन वांग-5 को 'रिसर्च शिप' कहता है, यानी एक ऐसा नौसैनिक जहाज जिसका काम समुद्र में वैज्ञानिक अनुसंधान करना है। भारत और अमेरिका इन्हें 'स्पाई शिप' मानते हैं, यानी एक ऐसा जहाज दो दूसरे देशों की जासूसी करने के लिए तैनात किया जाता है। युआन वांग 5 नाम का चीनी नौसैनिक जहाज 16 अगस्त को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचा था। उस समय भी भारत और अमेरिका ने विरोध जताकर श्रीलंका से चीनी जहाज को अपने यहां ठहरने की इजाजत न देने को कहा था, क्योंकि चीन का ये जासूसी जहाज सैटेलाइट की मदद से भारत की मिसाइल रेंज और न्यूक्लियर प्लांट पर नजर रख सकता है। इसके बावजूद श्रीलंका ने चीनी जहाज को अपने यहां लंगर डालने की इजाजत दे दी। दरअसल, हंबनटोटा पोर्ट के लिए चीन ने श्रीलंका को 1.5 अरब डॉलर का कर्ज दिया था, जिसे नहीं चुकाने पर चीन ने इस पोर्ट को श्रीलंका से 99 साल की लीज पर लिया है। यही वजह है कि भारत और अमेरिका के विरोध जताने के बावजूद श्रीलंका चीनी जहाज को हंबनटोटा पोर्ट पर लंगर डालने से नहीं रोक पाया। हंबनटोटा पोर्ट से तमिलनाडु के कन्याकुमारी की दूरी करीब 451 किलोमीटर है। चीन का यह जहाज इतना ताकतवर है कि भारत में करीब 750 किमी. दूर तक आसानी से निगरानी कर सकता है। युआन वांग 5 सैटेलाइट और इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइलों को ट्रैक करने में भी सक्षम है। हिंद महासागर में भारत का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) 200 समुद्री मील तक फैला हुआ है। पिछले माह चीन के एक और जासूसी जहाज युआन वांग-6 के हिंद महासागर क्षेत्र में आने की जानकारी मिलने पर भारतीय नौसेना ने ईईजेड में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देने के लिए जाल बिछाया था। भारतीय कानून किसी भी विदेशी जहाज को बिना अनुमति के सर्वेक्षण, अनुसंधान या अन्वेषण करने से रोकता है। चौकन्नी भारतीय नौसेना के चलते युआन वांग-6 ने भी श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट पर शरण ली थी। महज तीन महीने में दूसरी बार युआन वांग-5 ने हिंद महासागर क्षेत्र में प्रवेश किया है। नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने नौसेना दिवस से एक दिन पहले सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत हिंद महासागर के सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रहा है, जिसमें चीनी नौसेना के जहाजों की आवाजाही भी शामिल है। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बहुत सारे चीनी जहाज काम करते हैं। इस समय चीनी नौसेना के लगभग 4 से 6 जहाज और कुछ शोध पोत हिंद महासागर में हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में मछली पकड़ने के चीनी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में संचालित होते हैं। उन्होंने बताया कि हिंद महासागर क्षेत्र में लगभग 60 अन्य अतिरिक्त क्षेत्रीय बल हमेशा मौजूद रहते हैं। हम सभी घटनाक्रमों पर पैनी नजर रखते हैं।

सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र के दो मंत्रियों का कर्नाटक दौरा टलाः देवेन्द्र फडणवीस

मुंबई, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद के संबंध में पूर्व नियोजित राज्य के दो मंत्रियों का कर्नाटक दौरा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रियों का कर्नाटक दौरा विचार विमर्श के बाद तय किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में मंगलवार को भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिन है। इसलिए राज्य के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण दिन है और इसकी तैयारी की जा रही है। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के मद्देनजर मंगलवार को ही महाराष्ट्र के दो मंत्री चंद्रकांत पाटिल और शंभूराजे देसाई कर्नाटक के बेलगावी में जाने वाले थे, लेकिन कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए दोनों मंत्रियों का कर्नाटक दौरा स्थगित कर दिया गया है। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। यह विवाद न तो महाराष्ट्र सरकार हल कर सकता है और ना ही कर्नाटक सरकार। इसलिए इस विवाद पर दोनों राज्यों को अनायास बयान जारी करने से बचना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। देश के किसी भी कोने में जाने से कोई किसी को रोक नहीं सकता। किसी भी तरह का अनुचित न हो इसे देखते हुए महाराष्ट्र के मंत्रियों का मंगलवार का पूर्व नियोजित टाला गया है।

डेटा की सुरक्षा करना सीमाओं की हिफाजत करने जैसा महत्वपूर्ण : सीतारमण

-वित्त मंत्री ने डीआरआई के 65वें स्थापना दिवस समारोह का किया शुभारंभ

अजय त्यागी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व खुफिया निदेशालय के 65वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि डेटा की सुरक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि सीमाओं की सुरक्षा करना। वित्त मंत्री ने सोमवार को राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राजस्व खुफिया निदेशालय के दो दिवसीय 65वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर किया। सीतारमण ने विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए भारत में तस्करी रिपोर्ट 2021-22 का अनावरण भी किया, जो संगठित तस्करी के रुझान, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग का विश्लेषण करती है। सीतारमण ने राजस्व खुफिया अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डेटा की सुरक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि सीमाओं की सुरक्षा करना। वित्त मंत्री ने वर्ष 2022 के लिए डीआरआई वीरता का पुरस्कार सुश्री मिशाल क्वीनी डी कोस्टा, उप निदेशक, डीआरआई और बिपुल बिस्वास, एसआईओ, डीआरआई को दो अलग-अलग नशीले पदार्थों के मामलों में संदिग्धों को पकड़ने में उनकी बहादुरी के अनुकरणीय कार्य के लिए प्रदान किया गया है। इस अवसर पर सीतारमण के साथ वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के अध्यक्ष विवेक जौहरी भी मौजूद रहे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ एशिया प्रशांत क्षेत्र के 22 सीमा शुल्क प्रशासकों को भी आमंत्रित किया गया है। डीआरआई के स्थापना दिवस कार्यक्रम के इस में आठवें क्षेत्रीय सीमा शुल्क प्रवर्तन की बैठक भी होगी। डीआरआई, तस्करी विरोधी मामलों पर देश की सर्वोच्च खुफिया और प्रवर्तन एजेंसी है, जो 4 दिसंबर, 1957 को अस्तित्व में आई। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और देश में निदेशालय की 12 क्षेत्रीय इकाइयां, 35 क्षेत्रीय इकाइयां और 15 उप-क्षेत्रीय इकाइयां हैं।

दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग मामले पर सुनवाई 8 दिसंबर से संभव नहीं

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली और केंद्र के बीच अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 8 दिसंबर से सुनवाई मुश्किल दिखाई दे रही है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान बेंच के एक सदस्य जस्टिस कृष्ण मुरारी के अस्वस्थ होने के चलते सुनवाई टल सकती है। आज सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने मामला बड़ी बेंच में भेजने की अर्जी दाखिल की। दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इसका विरोध किया। चीफ जस्टिस ने कहा कि जब मामला पांच जजों की बेंच में लगेगा, तभी इस बिंदु पर चर्चा होगी। इस मामले में दिल्ली सरकार के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि इस साल की शुरूआत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना की नियुक्ति के साथ समस्या और भी विकट हो गई है। वे दिल्ली सरकार के काम-काम को पूरे तरीके से बाधित कर रहे हैं। हलफनामे में कहा गया है कि मंत्रियों के फोन करने के बावजूद नौकरशाहों ने बैठकों में भाग लेना बंद कर दिया। इतना ही नहीं अधिकारियों ने मंत्रियों के फोन उठाने बंद कर दिए हैं। हलफनामे में कहा गया है कि अधिकारी या तो देरी करते थे या मंत्रियों के विभागों तक फाइल ही नहीं भेजते थे। अधिकारियों ने मंत्रियों के आदेशों और निदेर्शों की भी अवहेलना की और चुनी हुई सरकार के साथ उदासीनता के साथ व्यवहार किया। उपराज्यपाल उन अफसरों को दंडित कर रहे हैं, जो चुनी हुई सरकार के साथ सहयोग कर रहे हैं। कोर्ट ने 6 मई को इस मामले को 5 जजों की संविधान बेंच को रेफर कर दिया था। दिल्ली सरकार अधिकारियों पर पूर्ण नियंत्रण की मांग कर रही है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि यह मसला 2021 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली अधिनियम में हुए संशोधन से भी जुड़ा है। केंद्र ने दोनों मसलों पर साथ सुनवाई करने की मांग की थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले को संविधान पीठ को सुनवाई के लिए रेफर करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 14 फरवरी, 2019 को दिल्ली में अफसरों पर नियंत्रण के मसले पर सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने विभाजित फैसला सुनाया था। जस्टिस एके सिकरी और जस्टिस अशोक भूषण की बेंच ने अलग-अलग फैसला सुनाया था, इसलिए इस मसले पर विचार करने के लिए बड़ी बेंच को रेफर कर दिया गया।

ताजमहल निर्माण के बारे में गलत जानकारी दिए जाने का दावा, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल निर्माण के बारे में अब तक गलत जानकारी दिए जाने का दावा करने वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी इमारत की आयु का पता लगाना कोर्ट का काम नहीं है। जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को इसके लिए ज्ञापन दे सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 21 अक्टूबर को ताजमहल के वास्तविक इतिहास के अध्ययन के लिए एक जांच कमेटी गठित करने की मांग करनेवाली याचिका खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इस मामले की जांच और अध्ययन के लिए ताजमहल के 22 कमरों को सील किया जाए।

राज्य में कहां-कहां नहीं है पर्याप्त लाइटिंग, जांचने के लिए हाईकोर्ट ने दिया समिति गठित करने का आदेश

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण अंचल तक कहां-कहां बिजली की कमी है अथवा पर्याप्त संख्या में लाइटिंग नहीं लगी है यह जांचने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने सोमवार को यह निर्देश दिया है। दरअसल अधिवक्ता सुष्मिता साहा दत्त ने एक जनहित याचिका लगाई थी जिसमें दावा किया था कि राज्य के कई हिस्सों में सड़कों पर चौराहों पर पर्याप्त लाइटिंग नहीं है जिसकी वजह से कई जगहों पर दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं। इस पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य विद्युत आपूर्ति और वितरण विभाग से रिपोर्ट मांगी थी और पूछा था कि राज्य में कहां-कहां अभी तक बिजली नहीं पहुंची है। रिपोर्ट हाल ही में राज्य सरकार की ओर से पेश की गई थी जिसमें बताया गया था कि राज्य में अभी भी कई ऐसी सड़कें हैं जहां पर्याप्त मात्रा में लाइटिंग नहीं है। यह भी दावा किया गया है कि कई जगहों पर सड़कों पर लाइटिंग लगाए जा रहे हैं। इसी की जांच के लिए न्यायालय ने चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी अथवा उनके प्रतिनिधि, जिला पुलिस अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि, विद्युत वितरण विभाग के आंचलिक जनरल मैनेजर और अधिवक्ता नीलाद्री साहा को रखा गया है। दो महीने के भीतर इस समिति को अपनी रिपोर्ट देनी है। सबसे पहले पुरुलिया से समीक्षा शुरू होगी। उस रिपोर्ट को देखने के बाद बाकी जिले में काम शुरू होगा। आगामी 30 जनवरी को मामले की अगली सुनवाई होनी है।

एम्स के बाद दिल्ली का एक और अस्पताल साइबर हैकिंग का शिकार

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स कुछ दिनों पहले साइबर हैकिंग का शिकार हुआ था। अब दिल्ली में एक और अस्पताल में हैंकिंग का मामला सामने आया है। दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में साइबर अटैक का दावा किया जा रहा है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार सफदरगंज के साइबर हैकिंग समस्या को ठीक कर लिया गया है और सफदरगंज अस्पताल पर ये अटैक ज्यादा प्रभावी नहीं था। सफदरगंज अस्पताल की तरफ से निदेशक डॉक्टर बी एल शेरवाल ने बयान जारी करते हुए कहा कि साइबर अटैक ज्यादा प्रभावी नहीं रहा है। अस्पताल के कुछ तकनीकी हिस्सा प्रभावित हुआ। जिसकी वजह से एक दिन के लिए सर्वर डाउन हो गया था। उन्होने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और एनआईसी की टीम की मदद से सभी तकनीकी दिक्कतों को ठीक कर लिया गया है और सारी डिजिटल व्यवस्थाएं अब व्यवस्थित ढंग से चल रही है। इसके अलावा डॉ शेरवाल ने सभी डाटा सुरक्षित होने की भी पुष्टि की है। दिल्ली एम्स की तरह यह रैनसमवेयर अटैक जैसा नहीं था। कुछ समयों के लिए केवल सर्वर डाउन रहा। राजधानी दिल्ली के सबसे बेहतर चिकित्सा संस्थानो में सफदरगंज अस्पताल की गिनती होती है यहां पर बड़ी हस्तियों के साथ-साथ दिल्ली एनसीआर के ज्यादातर लोग इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल में ज्यादातर कामकाज मैनुअल मोड में होते हैं अभी यहां इलाज व अन्य मेडिकल व्यवस्था पूरी तरह से डिजिटल मोड पर निर्भर नहीं है। इसलिए इस साइबर अटैक से ज्यादा दिक्कतें नही हुई समय रहते अस्पताल प्रशासन द्वारा तकनीकी समस्याओं को ठीक कर लिया गया है।

इस बार क्रिसमस व न्यू ईयर के जश्न के लिए हिमाचल प्रदेश में रिकार्ड पर्यटक आने की संभावना

शिमला (ईएमएस)। क्रिसमस व न्यू ईयर के जश्न के लिए दस दिनों में हिमाचल में रिकार्ड संख्या में पर्यटकों के आने की संभावना है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हिमाचल प्रदेश पर्यटन निगम सहित निजी होटलों में एडवांस में काफी कमरे बुक हो गए हैं। 20 दिसम्बर के बाद के लिए एचपीटीडीसी के होटलों में करीब 70 प्रतिशत कमरे बुक हो गए हैं। इसके अलावा निजी होटलों सहित बी एंड बी और होम स्टे आदि इकाइयों में एडवांस बुकिंग में तेजी आई है। सर्दी का सीजन के शुरू होने के बाद से प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विशेषकर शिमला सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर वीकेंड पर ऑक्यूपैंसी 70 प्रतिशत रही है। पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ व नई दिल्ली से अधिकतर पर्यटक हिमाचल का रुख कर रहे हैं लेकिन क्रिसमस व न्यू ईयर के लिए अन्य राज्यों से भी लोगों के आने की उम्मीद है।

बताया जा रहा है कि अभी तक शिमला में एडवांस बुकिंग के जरिए होटलों में 30 से 35 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। क्रिसमस व न्यू ईयर के स्वागत को पर्यटन उद्योग से जुड़े लोग तैयारियों में जुट गए हैं। होटलों में स्पेशल डाइन एंड डांस प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए स्पेशल पैकेज तैयार किए गए हैं। इसके तहत गाना डिनर आदि की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। शिमला के होटलों में ठहराव के लिए होटल प्रबंधन ने विशेष प्रबंध करने का निर्णय लिया है। टूरिज्म इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एमके सेठ ने कहा कि इस बार पर्यटन सीजन अच्छा रहने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर में हवा फिर खराब गंभीर स्तर पर पहुंचा प्रदूषण

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बीच केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग ने रविवार को दिल्ली-एनसीआर में अधिकारियों को चरणबद्ध कार्रवाई कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत गैर-जरूरी निर्माण कार्य पर रोक लगाने का निर्देश दिया। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार को शाम चार बजे 407 रहा। एक्यूआई को 201 और 300 के बीच खराब 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 4 नवंबर के बाद गंभीर श्रेणी में पहुंचा है जब एक्यूआई 447 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 14 नवंबर को अधिकारियों को जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत दिल्ली-एनसीआर में लागू प्रतिबंधों को हटाने का निर्देश दिया था जिसमें गैर-जरूरी निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध भी शामिल था। इस कार्ययोजना के तहत सभी निजी निर्माण गतिविधियों पर रोक है। निर्माण के अलावा रेल सेवाओं या रेल संचालन मेट्रो परियोजनाओं हवाईअड्डा परियोजनाओं आईएसबीटी परियोजनाओं राष्ट्रीय सुरक्षा या रक्षा से संबंधित परियोजनाओं राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित परियोजनाओं को छोड़कर विध्वंस गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस अवधि के दौरान स्वच्छता परियोजनाओं राजमार्गों सड़कों फ्लाईओवर ओवर ब्रिज बिजली पारेषण और पाइपलाइन बिछाने की भी अनुमति है। इस दौरान फुटपाथों और रास्तों और केंद्रीय किनारों को पक्का करने सहित सड़क निर्माण या मरम्मत कार्य की अनुमति नहीं है लेकिन निर्माण परियोजनाएं जिनमें नलसाजी कार्य आंतरिक सजावट विद्युत कार्य और बढ़ईगीरी से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं को अधिसूचना के अनुसार जारी रखने की अनुमति है।

नौसेना दिवस पर हुआ 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' और समुद्र में रोशन हुए जहाज

- विशाखापत्तनम के समुद्री तट पर हुए रंगारंग कार्यक्रम में भारत ने दिखाई समुद्री ताकत
- शंकर महादेवन ने 'कॉल ऑफ द ब्लू वाटर्स' नामक नया नौसेना गीत गाकर जोश भरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। पाकिस्तान के साथ 1971 में युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में भारत की उपलब्धियों को याद करने के लिए रविवार को नौसेना दिवस मनाया गया। पहली बार राष्ट्रीय राजधानी के बाहर विशाखापत्तनम के समुद्री तट पर हुए रंगारंग कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों, हेलीकॉप्टरों ने अपनी समुद्री क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन बीटिंग रिट्रीट, सूर्यास्त समारोह और लंगरगाह में जहाजों को रोशन करने के साथ हुआ। नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार की मेजबानी में हुए कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। इस वर्ष भारत ने अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'अमृत काल' की शुरूआत की है, तो नौसेना ने 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' के माध्यम से भारत की लड़ाकू शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन किया। नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों, हेलीकॉप्टरों ने अपनी समुद्री क्षमता दिखाई। नौसेना की पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी नौसेना कमान के विशेष बलों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन बीटिंग रिट्रीट, सूर्यास्त समारोह और लंगरगाह में जहाजों की रोशनी के साथ हुआ। राष्ट्रीय राजधानी के बाहर पहली बार मनाये गए नौसेना दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी नौसेना का 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' देखा। केंद्र और राज्य सरकारों के कई गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन के दौरान नौसेना के इतिहास पर 'ए डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन-सिग्नलिंग पावर एंड पार्टनरशिप' किताब का विमोचन और अनावरण भी किया गया। इसके अलावा इस आयोजन की याद में एक नेवी टेलीफिल्म, नेवी वेलनेस एंड वेलफेयर एसोसिएशन पर फिल्म दिखाई गई। समारोह में गीतकार प्रसून जोशी के लिखे गीत को शंकर महादेवन ने गाकर 'कॉल ऑफ द ब्लू वाटर्स' नामक नया नौसेना गीत भी जारी किया। भारतीय नौसेना के लिए आज का नौसेना दिवस इसलिए और भी विशेष हो गया, क्योंकि इस अवसर पर नए राष्ट्रपति के मानक, नए भारतीय नौसेना क्रेस्ट और सीएनएस मानक का अनावरण किया गया। नए 'प्रेसिडेंट स्टैंडर्ड' को राष्ट्रपति मुर्मू के पहली बार विशाखापत्तनम आने पर नौसेना गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, सशस्त्र बलों, राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा विशाखापत्तनम शहर के आम नागरिक भी मौजूद थे। विशाखापत्तनम के तीन लाख से अधिक नागरिकों ने आरके बीच पर नौसेना का 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' देखा।

इरफान सोलंकी प्रकरण: अली की पहचान और तलाश जारी

-हिरासत में सपा नेत्री का भाई, पुख्ता प्रमाण जुटाने में लगी पुलिस

कानपुर, (हि.स.)। सीसामऊ विधासनसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को भगाने वालों की तलाश पुलिस कर रही है। इसी क्रम में पुलिस के पास अब एक महत्वपूर्ण नाम अली का आया है। उसकी पहचान और गिरफ्तारी करने के बाद ही इस मामले में इरफान सोलंकी एवं उनके भाई के खिलाफ दोष सिद्ध कर पाएगी। पुलिस अली की तलाश में सपा नेत्री नूरी शौकत के भाई अशरफ को रविवार रात हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उसने कई आरोपों को माना है, लेकिन कुछ को उसने मना कर दिया। पुलिस सूत्रों की मानें तो शहर से भागने में सपा विधायक का सहयोग करना स्वीकार किया है। पुलिस उसके खिलाफ और पुख्ता साक्ष्य जुटा रही है। उसके बाद गिरफ्तारी करेगी। आठ नवंबर को जाजमऊ थाने में इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान समेत 55 अज्ञात पर आगजनी, रंगदारी व अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद विधायक उनका भाई रिजवान घर छोड़कर फरार हो गए थे। जांच

के दौरान पुलिस को सुराग लगा कि विधायक अशरफ अली के नाम से फर्जी आईडी बनाकर हवाई यात्रा की। इतना ही नहीं व फर्जी आईडी से एक होटल में भी रात गुजारी। पुलिस ने सुराग रस्सी के दौरान सपा नेत्री नूरी शौकत, उसके चालक अम्मार इलाही, विधायक के रिश्तेदार अख्तर व अनवर को गिरफ्तार करके जेल भेज था। पुलिस आयुक्त कार्यालय में शुक्रवार को विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान ने आत्मसमर्पण किया था। पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने अब विधायक के भागने में सहयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। अशरफ अली को हिरासत में लिया है। इरफान ने अशरफ की ही पहचान का प्रयोग करते हुए हवाई यात्रा की थी। उसी के नाम व पते के आधार कार्ड पर अपनी फोटो लगाकर पूरा खेल किया। अशरफ से गहनता से पूछताछ जारी है। पुलिस जल्द इस मामले में खुलासा करेगी। पुलिस ने दावा किया है कि अशरफ अली के आधार कार्ड को स्कैन कर इरफान ने अपनी फोटो लगाई। जिसका प्रयोग करके एयरपोर्ट में प्रवेश करने, होटल बुक करने व टिकट बुकिंग किया । यह आधार कार्ड अब तक पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। न्यायालय ने भी इस पर सवाल खड़े किए थे। हालांकि पुलिस को होटल में लगाए गए आधार की स्कैन की हुई एक कॉपी मिली है। बरामद कापी में फोटो बहुत स्पष्ट नहीं दिखाई दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रयास जारी है। उम्मीद है कि जल्द आधार कार्ड की मूल प्रति बरामद कर ली जाएगी। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर का कहना है कि एफआईआर में कुल नौ आरोपी नामजद हैं। इनमें छह जेल जा चुके हैं। अशरफ पुलिस हिरासत में है। नूरी का रिश्तेदार इशरत भी नामजद है जो वह फरार है। एक अली नाम का शख्स भी नामजद है।

थाने में दर्ज मुकदमे के मुताबिक नूरी के साथ अली ही इरफान को दिल्ली तक छोड़ने गया था, लेकिन यह साफ नहीं हो सका है कि आखिर अली है कौन? ये भी बात आ रही है कि फर्जी आधार बनाने में अली की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उसने अपने किसी करीबी को नूरी के घर पर बुलाया था। उसी ने आधार तैयार किया था। केस में सभी आरोपियों के नाम बढ़ेंगे। अशरफ अली को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। आरोपितों के खिलाफ अधिक से अधिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आधार कार्ड की मूल कॉपी बरामद नहीं हुई है। ये स्पष्ट है कि अशरफ अली के आधार पर इरफान ने अपनी फोटो लगाई थी। इस आधार को बरामद करने का प्रयास जारी है।

यूपी विधान सभा शीतकालीन सत्रः सदन में मुलायम सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधान सभा के शीतकालीन सत्र के पहली दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव लगभग 83 वर्ष के थे। वह 10 बार विधानसभा के सदस्य और एक बार एमएलसी रहे। वह कई बार मंत्री, तीन बार मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भी रहे। वह लोकसभा सदस्य भी चुने गए। केंद्र की देवगौड़ा सरकार में रक्षा मंत्री भी रहे। उनका निधन प्रदेश और देश के लिए बड़ी क्षति है। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की अनुपस्थिति में समाजवादी पार्टी के विधायक

व विधानसभा में मुख्य सचेतक मनोज पांडेय ने भी श्रद्धांजलि व्यक्त की। इनके अलावा कांग्रेस की नेता आराधना मिश्रा मोना, बसपा नेता उमाशंकर सिंह, अपना दल एस के नेता व कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर और निषाद पार्टी अध्यक्ष डा. संजय निषात समेत अन्य नेताओं ने भी श्रद्धांजलि व्यक्त की। सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार की सुबह 9:30 बजे कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में सदन में पेश होने वाले अनुपूरक बजट के प्रस्ताव को रखा गया। कैबिनेट ने इस प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी।

सुरक्षा, विकास व सुशासन के लिए मतदान करें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी लोकसभा, रामपुर व खतौली विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से सुरक्षा, विकास व सुशासन के लिए मतदान करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि ह्यहर वोट अमूल्य है। पहले मतदान-फिर जलपान!

अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें: भूपेन्द्र चौधरी - भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा है कि मतदान

आपका हक है और जिम्मेदारी भी। इसलिए मैनपुरी लोकसभा एवं रामपुर व खतौली विधानसभा उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने गुजरात के मतदाताओं, विशेषकर युवा साथियों से अपील की है कि प्रदेश के विकास की निरंतरता सुनिश्चत करने के लिए अत्यधिक संख्या में मतदान करें। उन्होंने कहा कि गुजरात ने लोकतंत्र को समृद्ध व परिपक्व बनाने में सदैव भूमिका निभाई है, आप सब इस परंपरा के वाहक हैं।

हार की डर से प्रशासन के दुरूपयोग का दुष्प्रचार कर रही सपा : केशव प्रसाद

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि सपा हार के डर से उपचुनाव वाली तीनों सीटों पर गुंडागर्दी और प्रशासन के दुरूपयोग का दुष्प्रचार कर रही है। उन्होंने मैनपुरी लोकसभा, खतौली एवं रामपुर विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से अपील की है कि अपने क्षेत्र के विकास व समृद्धि के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य करें। केशव ने ट्वीट किया कि याद रहे, पहले मतदान, फिर जलपान। केशव मौर्य ने कहा है कि चुनाव आयोग बूथ कब्जा एवं फर्जी मतदान रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करे। गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 के अंतर्गत आज द्वितीय चरण के

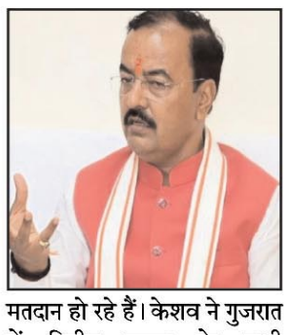

मतदान हो रहे हैं। केशव ने गुजरात में द्वितीय चरण के सभी विधानसभाओं के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि आपका वोट महत्वपूर्ण है, यह गुजरात के विकास और समृद्धि की दिशा तय करेगी। आप अपने मतदान केंद्र पर वोट अवश्य करें। आज, उत्तर प्रदेश में भी लोकसभा व विधानसभा उपचुनाव के मतदान हो रहे हैं।

मराठी अभिनेता रंजीत कावले ने महारानी लक्ष्मी बाई के जन्मस्थली पर शीश नवाया

वाराणसी, (हि.स.)। मराठी फिल्मों के अभिनेता रंजीत कावले सोमवार को वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई के जन्मस्थली भदैनी पहुंचे । यहां अभिनेता ने महारानी के विशाल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद उनके चरणों में शीश नवाया। मराठी फिल्म मातंगी के अभिनेता एवं परशुराम सीरियल के सह निमार्ता रंजीत कावले ने बताया कि विश्वनाथ कॉरिडोर पर बनने वाले सीरियल बाबा विश्वनाथ की शूटिंग का लोकेशन देखने के लिए साथी निमार्ता दिलीप सोनकर के साथ काशी आये है। हम लोगों ने वीरांगना के जन्मस्थली को भी देखा। जागृति फाउंडेशन के महासचिव रामयश मिश्र ने बताया

कि 19 नवंबर से वीरांगना के जन्मस्थली पर अखंड दीप जलाया जा रहा है। यह दीप महारानी के स्मृति में अखंड रूप से अब जलता रहेगा। दिलीप सोनकर ने बताया कि सीरियल की शूटिंग बनारस में ही होगी और इसे दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा। इसको लेकर सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से बातचीत भी चल रही है और केंद्र और राज्य सरकार का सहयोग भी मिल रहा है। इस दौरान रंगकर्मी अष्टभुजा मिश्र, विनय योगी, निखिल कार्तिक, धीरज विश्वकर्मा आदि भी मौजूद रहे।

जेल से छूटने के बाद नाहिद हसन ने ली विधान सभा सदस्यता की शपथ

-उप्र विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को दिलायी शपथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सहारनपुर की कैराना विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक नाहिद हसन को विधान सभा की सदस्यता की शपथ दिलायी। नाहिद हसन ने विधान सभा अध्यक्ष महाना के समक्ष उपस्थित होकर शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण के इस कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष ने उन्हें संविधान, विधान सभा कार्य संचालन नियमावली भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष ने नाहिद हसन को बधाई देते हुए

कहा कि वह विधान सभा में एक जागरूक एवं सफल विधायक के रूप में कामयाब हों और जीवन में यशस्वी हों। सदन में होने वाले वाद-विवाद में हिस्सा लेकर अपने क्षेत्र की जनता के जनहित की समस्याओं के निराकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व अन्य लोग मौजूद रहे। दरअसल नाहिद हसन और उनकी मां पूर्व सांसद तबस्सुम हसन समेत 40 लोगों के खिलाफ 21 फरवरी 2021 को गैंगस्टर के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस गंभीर मामले में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले 15 जनवरी को नाहिद हसन की गिरफ्तारी की गयी। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कैराना की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में लेकर मुजफ्फरनगर जेल भेज दिया गया था। इस बीच 28 सितंबर 2022 को उन्हें मुजफ्फरनगर जेल से निकालकर चित्रकूट जेल में शिफ्ट किया गया था। तीन दिसम्बर को चित्रकूट जेल से वह बाहर आए। इसके उपरांत सोमवार को उन्होंने विधान सभा सदस्यता की शपथ ली।

71 जिलों में राज्य कर विभाग ने मारे छापे

लखनऊ, (हि.स.)। कर चोरी के मामले में उत्तर प्रदेश के 71 जिलों में सोमवार को राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) की 248 टीमें संवेदनशील इलाकों में छापेमारी कर रही हैं। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार लगातार यह सूचनाएं मिल रही थीं कि की जिलों में व्यापारी बगैर बिल के माल की बिक्री करके भारी मात्रा में टैक्स चोरी कर रहे हैं। महकमे ने इसे संज्ञान में लिया, जिसके परिणामस्वरूप एसजीएसटी की 248 टीमें 71 जिलों में एक साथ

छापेमारी की कार्रवाई में संलग्न हैं। पूरे ऑपरेशन पर राज्य जीएसटी मुख्यालय लगातार नजर बनाए हुए है। कार्रवाई की पल-पल की सूचना लगातार राज्य जीएसटी आयुक्त सीधे ले रही हैं। इस छापेमारी की कार्रवाई से प्रदेश में करों की चोरी करने वालों में दहशत का माहौल है।

महापौर ने जीवन ज्योति से सटे इंटरलॉकिंग मार्ग का किया शिलान्यास

प्रयागराज, (हि.स.)। जीवन ज्योति हॉस्पिटल से सटे इंटरलॉकिंग मार्ग का शिलान्यास प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने हॉस्पिटल की निदेशक व प्रसिद्ध आई०वी०एफ० विशेषज्ञ डॉ वंदना बंसल, एडवान्स्ड लैप्रोस्कोपी व कैंसर सर्जन डॉ अर्पित बंसल व पार्षद संग सोमवार को किया। कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी के विधायक निधि से हुए इन कार्यों का शिलान्यास करते हुए महापौर अभिलाषा गुप्ता ने कहा कि यह सार्थक प्रयास शहर के सुंदरीकरण के लिए हो रहा है। इसके अंतर्गत पौधरोपण, क्यारी व रेलिंग आदि

का कार्य भी प्रस्तावित है। इस पहल का स्वागत करते हुए डॉ वंदना बंसल ने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय प्रयास है, शहर को और सुंदर और स्वच्छ करने के लिए। हम महापौर के आभारी हैं जो हमेशा तत्पर रहती हैं विकास कार्यों के लिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हॉस्पिटल के कर्मचारियों व पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं ने महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का स्वागत किया।

कंस्ट्रक्शन साइट पर सुरक्षा गार्ड ने मजदूर को मारी गोली

रांची, (हि.स.)। पिठोरिया थाना क्षेत्र के केला बगान स्थित निमार्णाधीन टाना भगत ब्वॉयज हॉस्टल के कंस्ट्रक्शन साइट पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने मजदूर को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात की है। मामले में पिठोरिया पुलिस ने बताया कि सुरक्षा गार्ड और मजदूर के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि सुरक्षा गार्ड ने अपने हथियार से मजदूर को गोली मार दी। सुरक्षा गार्ड फरार है। पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि मजदूर और सुरक्षा गार्ड का नाम और पता अभी नहीं चल पाया है कंस्ट्रक्शन साइट पर कुछ मजदूर मौजूद थे। वे सभी नये होने के कारण दोनों का नाम बता पाने में असमर्थ हैं। वहीं ठेकेदार से पूछताछ के बाद ही मृतक और गार्ड की जानकारी मिल पायेगी।

कुमार राजा बने रांची जिला महानगर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष

रांची, (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने झारखंड के विभिन्न जिलों के नए अध्यक्ष के नामों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नए जिला अध्यक्षों के नाम की सूची जारी की है। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कुमार राजा को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि राकेश किरण महतो को रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष बनाया गया है। इसी प्रकार रामगढ़ का जिला अध्यक्ष शांतनु

मिश्रा, हजारीबाग का शैलेंद्र कुमार यादव, कोडरमा का नारायण बरनवाल, गिरिडीह का धनंजय कुमार सिंह, देवघर का उदय प्रकाश, जामताड़ा का हरी मोहन मिश्रा, धनबाद का संतोष कुमार सिंह, बोकारो का उमेश प्रसाद गुप्ता को बनाया गया है। इसके अलावा जमशेदपुर का आनंद बिहारी दुबे, चाईबासा का चंद्रशेखर दास, सरायकेला खरसावां का विशु हेंब्रम, खूंटी का रवि मिश्रा, सिमडेगा का डेबिड तिर्की, गुमला का चैतू उरांव, लोहरदगा का शुगर भगत, लातेहार का मुनेश्वर उरांव, गढ़वा का श्रीकांत तिवारी, चतरा का प्रमोद कुमार दुबे और पलामू का जिला अध्यक्ष जयेश रंजन पाठक को बनाया गया है।

ईडी के सहायक निदेशक के खिलाफ पंकज मिश्रा की याचिका पर अगली सुनवाई 15 को

रांची, (हि.स.)। अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित पंकज मिश्रा की ओर से ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को लेकर दायर याचिका पर सोमवार को ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसम्बर को होगी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि बीते तीन दिसम्बर को पंकज मिश्रा ने ईडी के सहायक निदेशक के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में रांची

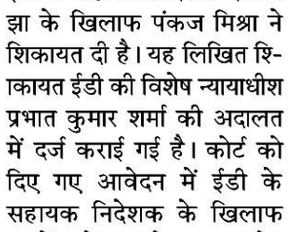

ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा के खिलाफ पंकज मिश्रा ने शिकायत दी है। यह लिखित शिकायत ईडी की विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत में दर्ज कराई गई है। कोर्ट को दिए गए आवेदन में ईडी के सहायक निदेशक के खिलाफ तथ्यों को छुपाने का आरोप लगाया गया था। आवेदन में कहा गया है कि ईडी जिस मामले को आधार बना कर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केस किया है, वह मामला बरहड़वा थाना कांड संख्या 85/20 है, जिसमें पुलिस ने मुकदमा को खत्म कर दिया था। लेकिन ईडी ने तथ्य छुपाकर पीसी दाखिल की है। इस मामले में पंकज मिश्रा के अलावा मंत्री आलमगीर आलम को निर्दोष पाया गया था और न्यायालय ने भी पंकज मिश्रा के खिलाफ संज्ञान नहीं लिया था। लेकिन ईडी के सहायक निदेशक ने ईडी कोर्ट से यह जानकारी छुपाई है। पंकज मिश्रा 85/20 में अभियुक्त नहीं हैं।

मानव कल्याण के लिए भागवत कथा का अनुसरण जरूरी : चन्दन

नवादा, (हि.स.)। श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन हुई भगवान श्री कृष्ण के बाल लीलाओं की अद्भुत कथा शहर के बरेब दुधौली गायत्री परिवार की ओर से आयोजित की गई। नवादा के सांसद चंदन सिंह ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की लीला अनुकरणीय नहीं बल्कि आत्म चिंतनीय है ।भगवान ने अपने भक्तों को आनंद देने के लिए विभिन्न प्रकार की लीलाएं की है। उन्होंने कहा कि समाज में कथा से भक्ति भाव का समावेश होता है इस कारण हर इंसान के विचार शुद्ध होते हैं तथा समाज में शांति विराजमान होती उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से नवादा संसदीय क्षेत्र केहर लोगों की सुख समृद्धि की भी कामना की है। श्रीमद्भागवत कथा एवं नौ कुंडिय गायत्री महायज्ञ के पांचवें दिन बनारस से आए हुए सुप्रसिद्ध प्रवचन कर्ता डॉ. मनोहर मिश्र जी महाराज के मुखारबिंद से सुनाई गई ।भगवान श्री कृष्ण के बाल लिलाओं की कथा भगवान श्री कृष्ण की बाल लिलाओं में माखन चोरी की लीला का तात्विक अर्थ बताते हुए मिश्र जी महाराज ने बताया की संतों का हृदय हीं माखन है क्यों कि माखन को जब आग की गर्मी लगती है यानी खुद को कष्ट होता है तब माखन पिघलता है।

परन्तु संत का हृदय तो माखन से भी कोमल होता है। क्योंकि संत का हृदय तो दूसरे का कष्ट देखकर ही पिघल जाता है और जिस जीवात्मा का हृदय माखन जैसा कोमल करुणा एवं दया से भरा हुआ होता है। उस मनुष्य का मन रुपी माखन का भगवान श्रीकृष्ण चोरी कर लेते हैं।

जीएसटी संग्रहण में बिहार अव्वल, 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज : विजय चौधरी

पटना, (हि.स.)। बिहार के वाणिज्य-कर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी संग्रहण संबंधित जारी किए गए आंकड़े से स्पष्ट है कि नवंबर महीने में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 28 प्रतिशत की वृद्धि बिहार राज्य के द्वारा दर्ज की गई है। जो पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ है। विजय चौधरी ने बताया कि यह वृद्धि उत्तर प्रदेश (9 प्रतिशत), महाराष्ट्र (16 प्रतिशत), कर्नाटक (13 प्रतिशत) तमिलनाडु (10 प्रतिशत) से काफी अधिक है। पिछले महीने जीएसटी मद तथा वैट एवं अन्य करों के मद में 21883.37 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया गया है। उन्होंने वाणिज्य-कर विभाग के पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना की तथा करदाताओं के भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विभाग को बड़े करदाताओं की विवरणी दाखिला के सतत अनुश्रवण के साथ विभिन्न सेवा सेक्टर यथा- रियल इस्टेट, टेलीकॉम, कोचिंग संस्थान, बैंकिंग, इंश्योरेंस आदि प्रक्षेत्रों में किए गए प्रयासों का ही यह नतीजा है। इसके अलावा विभाग के केंद्रीय एवं प्रमंडलीय अन्वेषण ब्यूरो की भी सक्रियता के कारण कर अपवंचकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की गई है। उन्होंने विभाग के पदाधिकारियों से इस चाल और रफ्तार को लगातार बनाए रखने की उम्मीद भी जतायी है, जिससे कि विभाग अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल हो सके। उन्होंने सरकारी तथा निजी क्षेत्र के व्यवसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों एवं संगठनों से भी अपील की कि विभागीय नियमों के अनुसार देय कर की अदायगी ससमय अवश्य करें, नहीं तो विभाग को मजबूरी में दंडात्मक कार्रवाई करनी पड़ती है।

केवीके ने किसानों के बीच वितरण किया गया मृदा कार्ड

नवादा, (हि.स.)। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर नवादा जिले के कौवाकोल प्रखंड के दरावां पंचायत के बरौन गांव में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा,नवादा के द्वारा किसानों के बीच मृदा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान समूह अग्रिम पंक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का भी वितरण किया गया। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के

उपयोग के तरीके के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। केवीके के वैज्ञानिक डॉ जयवंत कुमार सिंह एवं अनिल कुमार ने किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए अपनी खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने को कहा।उन्होंने कहा कि इसके लिए किसान कृषि विज्ञान केन्द्र से कम्पोस्ट,वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप कम्पोस्ट तथा अन्य जैविक उर्वरक पर नवीन तकनीकों पर प्रशिक्षण व तकनीकी सलाह लेकर अपनी मिट्टी का स्वास्थ्य सुधार सकते हैं।

संपादकीय

कांग्रेस के 'सेल्फ गोल'

अमरीका के राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन ने कहा है कि वह जी-20 के मंच पर अपने प्रिय मित्र प्रधानमंत्री मोदी को समर्थन करने और मिलने को उत्सुक हैं। दोनों देश जलवायु, ऊर्जा और खाद्य संकट जैसी साझा चुनौतियों से निपटने को तैयार हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने जी-20 की अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी कमोबेश ऐसी ही भावनाएं प्रकट की हैं। अन्य राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने भी भारत की अध्यक्षता को सकारात्मक माना होगा और जी-20 मंच की सार्थकता के लिए साझा प्रयासों की बात कही होगी। इसी 1 दिसंबर से भारत जी-20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। आगामी शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर, 2023 को तय किया गया है, जो राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस अवधि के दौरान देश के प्रमुख, ऐतिहासिक शहरों में, विभिन्न विषयों पर, जी-20 के सदस्य देशों की बैठकें होंगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के जी-20 एजेंडे का समर्थन किया है। आईएमएफ का मानना है कि भारत मौजूदा वैश्विक संकटों से जुड़े मुद्दों पर आम सहमति बनाने की योजना पर काम कर रहा है। भारत सशक्त भविष्य का सामूहिक एजेंडा देशों के सामने रखेगा, यह पूरी उम्मीद है। दरअसल यह सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी को नहीं, भारत राष्ट्र को मिला है। यह बारी-बारी से देशों के हिस्से आती है। भारत को भी इंडोनेशिया ने अध्यक्षता सौंपी है। यह वैश्विक जिम्मेदारी कूटनीतिक है, तो अहम मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश भी है। वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका, प्रतिष्ठा और लोकतांत्रिक भारतीयता को महत्वपूर्ण आंका गया है, लिहाजा जी-20 की अध्यक्षता करने का दुर्लभ अवसर मिला है। दुर्भाग्य है कि कांग्रेस ने इस आधार पर भी राजनीति करने की कुंठित कोशिश की है। दरअसल कांग्रेस को 'सेल्फ गोल' करने में महारत हासिल है। जब से उसका बिखराव शुरू हुआ है और देश ने राजनीतिक तौर पर 'अप्रासंगिक' मान लिया है, तब से कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी उसके प्रत्यक्ष निशाने पर हैं। बल्कि यह विरोध नफरत के स्तर का है। कांग्रेस की सबसे लंबे वक्त तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री से जुड़े फैसले, घटनाक्रम और उपलब्धियों का कांग्रेस ने घोर विरोध किया है। जी-20 ताजातरीन मामला है। भारत फिलहाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्यवाही की भी अध्यक्षता कर रहा है। भारत ब्रिक्स देशों के संगठन का भी नेतृत्व कर चुका है। ये सब अंतरराष्ट्रीय दायित्व रहे हैं। जी-20 समूह दुनिया के शक्तिशाली, समृद्ध, विकसित और विकासशील देशों का संगठन है। इसमें चीन और रूस भी शामिल हैं। भारत जी-20 और जी-7 देशों के समूह का हिस्सा होने का सपना भी नहीं देख पाया था, जी-20 की अध्यक्षता तो बहुत दूर की कौड़ी थी। भारत की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक हैसियत ही नहीं थी। आज़ादी के 75 साल बाद भारत को जी-20 देशों के सम्मेलन की अध्यक्षता का गौरवपूर्ण अवसर मिला है, तो कांग्रेस इसे क्यों नहीं समझती? इसमें कांग्रेस सरकारों के 55 सालों की हिस्सेदारी और उपादेयता भी शामिल है। कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी जयराम रमेश ने हाल ही में जो बयान दिया है, उससे ध्वनित होता है कि जी-20 सम्मेलन भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का कोई निजी आयोजन हो! हैरत हुई थी, जब कांग्रेस ने जी-20 के प्रतीक चिह्न 'कमल जैसी आकृति' पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी।

> भारत सशक्त भविष्य का सामूहिक एजेंडा देशों के सामने रखेगा, यह पूरी उम्मीद है। दरअसल यह सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी को हनीं, भारत राष्ट्र को मिला है। यह बारी-बारी से देशों के हस्सिे आती है। भारत को भी इंडोनेशिया ने अध्यक्षता सौंपी है। यह वैश्विक जिम्मेदारी कूटनीतिक है, तो अहम मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश भी है। वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका, प्रतिष्ठा और लोकतांत्रिक भारतीयता को हमत्वपूर्ण आंका गया है, हिलाजा जी-20 की अध्यक्षता करने का दुर्लभ अवसर मिला है।

कुछ अलग

ओपीएस के आगे दब गए असल मुद्दे

हिमाचल प्रदेश की कुल 68 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव एक ही मरहले में सम्पन्न हो गए। सूबे की सियासी हरारत कुछ हद तक शांत हुई है, लेकिन आठ दिसंबर 2022 को राज्य एक बार फिर देश-दुनिया की निगाहों का मरकज बनेगा, जब चुनावों में किस्मत आजमा रहे प्रदेश के 412 सियासी सितारों के मुकद्दर का फैसला ईवीएम की कैद से बाहर आएगा। चुनावी नतीजों के साथ ही पलकों से सियासी जज्बातों का सैलाब छलकेगा तो पहाड़ की शांत शबनम पर गिरने वाले अश्क भी सियासी होंगे। एक तरफ जीत का श्रेय लेने की होड़ मचेगी तो वहीं शिकस्त के लिए तोहमतों का दौर पुनः शुरू हो जाएगा। चुनाव प्रचार में कई बड़े सियासी चेहरों ने शिरकत की थी। मगर इस बार पहाड़ की फिजाओं का सियासी मिजाज़ भांपना सियासत के ज्योतिषाचार्यों के लिए भी मुश्किल साबित हो रहा है। सूबे की सियासत में वर्षों पुरानी सियासी रवायत बदलेगी या हुकूमत का तख्तोताज तब्दील होगा। मतदाताओं का खामोश फैसला आठ दिसंबर को सियासी तस्वीर साफ कर देगा। प्रत्याशियों को जम्हूरियत का हाकिम बनाने के लिए युवावर्ग से लेकर सौ वर्ष से अधिक उम्रदराज बुजुर्गों ने मतदान में दिलचस्पी दिखाई। पुरुषों की अपेक्षा महिला शक्ति ने अधिक भागीदारी दर्ज कराई, मगर चुनावी मैदान में केवल 24 महिला प्रत्याशी हिस्सा ले रही हैं। मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कई लोकलुभावन वादे किए गए लेकिन चुनाव में 'ओपीएस' का मुद्दा हावी होने से पहाड़ की समस्याओं के कई अन्य मुद्दे दब कर रह गए। सरकारी अहलकार सेवानिवृति के बाद ओपीएस बहाली की पुरजोर मांग कर रहे हैं। ओपीएस पर सियासी मरहम लगाने की कोशिश भी हो रही है मगर सरकारी इदारे कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं। लाखों डिग्रीधारक युवा रोजगार मांग रहे हैं। प्रदेश हजारों करोड़ रुपए के कर्ज में डूब चुका है। बेरोजगारी के सैलाब में मुब्तरिब हो चुके प्रजातंत्र की बुनियाद युवावर्ग को कोई साहिल नजर नहीं आ रहा। मगर सियासत मुफ्तखोरी के हसीन ख्वाब दिखा रही है। पर्वतीय प्रदेश में रोजगार के सीमित साधन होने के कारण पहाड़ के उच्च शिक्षित युवा रोजगार के लिए देश के दूसरे राज्यों में भटक रहे हैं। सैन्य पृष्ठभूमि का गढ़ रहे हिमाचल के युवाओं का ज्यादातर रुझान देशरक्षा के लिए सैन्य बलों में भर्ती होने को रहता है मगर कुछ वर्ष पूर्व मुल्क के मरकजी वजीरों ने प्रदेश के सैन्य भर्ती कोटे में कटौती करके पहाड़ की युवाशक्ति के अरमानों पर पानी फेर दिया है। सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ौतरी तथा राज्य के नाम पर 'हिमाचल रेजिमेंट' के गठन का मुद्दा चुनावों में किसी भी सियासी दल के एजेंडे में शामिल नहीं था। देश की सरहदों की हिफाजत में अपना पूरा यौवन न्योछावर करने वाले पूर्व सैनिकों को चिकित्सा सेवाओं के लिए चंडीगढ़ का रुख करना पड़ता है। सियासत में तब्दीली लाने की हैसियत रखने वाले लाखों सैन्य परिवारों की संख्या के मद्देनजर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ईसीएचएस तथा सीएसडी कैंटीन सुविधाओं का विस्तार होना चाहिए। हिमाचल में लगभग 90 प्रतिशत लोग अदब व तहजीब का केन्द्र गांवों में बसते हैं। सत्ता का रास्ता देश की करोड़ों आबादी को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के बीच से होकर ही गुजरता है। पशुपालन, कृषि व बागवानी का पुश्तैनी व्यवसाय वर्षों से गावों के अर्थतंत्र की बुनियाद रहा है, मगर प्रदेश की सडक़ों पर हजारों की तादाद में धूल फांक रहा बेसहारा गौधन किसानों के लिए सबसे बड़ा तशवीशनाक मसला बन चुका है। लावारिस पशुओं व बंदरों से फसलों को बचाने के लिए सरकारों ने कई योजनाएं चलाई मगर धरातल पर कोई भी हिकमत कामयाब नहीं हुई। नतीजन कई किसान खेती का पुश्तैनी व्यवसाय छोड़ कर मजदूर बनने को मजबूर हुए। बेसहारा पशुओं के कहर से कृषि क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा वीरानगी की जद में जा चुका है। चुनावी समर में किसान व कृषि से जुड़े मुद्दे भी नदारद रहे। सडक़ों पर गंभीर हादसों का कारण बनने वाले बेजुबान गोवंश को आश्रय देने की आवाजें भी खामोश हो गई।

> पुरुषों की अपेक्षा महिला शक्ति ने अधिक भागीदारी दर्ज कराई, मगर चुनावी मैदान में केवल 24 महिला प्रत्याशी हिस्सा ले रही हैं। मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कई लोकलुभावन वादे किए गए लेकिन चुनाव में 'ओपीएस' का मुद्दा हावी होने से पहाड़ की समस्याओं के कई अन्य मुद्दे दब कर रह गए।

बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों एवं कमजोर की अनदेखी कर देता है

सफल जीवन के लिये हम खुद को बदलें

ललित गर्ग

> जब हम अपने हस्सिे में से दूसरों को भी देना सीख जाते हैं और अपनी खुशियां दूसरों के साथ बांटना सीख जाते हैं तो जीवन एक प्रेरणा बन जाता ह ै। पारिवारिक एवं सामाजिक शांति के लिए सहष्णिुता के साथ विनय और वात्सल्य भी आवश्यक है। आज का पढ़ा लिखा आदमी विनम्रता को गुलामी समझता है। उसका हय चिंतन अहंकार को बढ़ा हरा है। विनय भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व हरा है। जिस परिवार एवं समाज में विनय की परंपरा हनीं होती, उसमें शांतिपूर्ण जीवन हनीं हो सकता। एक विनय करे और दूसरा वात्सल्य न दे तो विनय भी रूठ जाता है।

हर रिश्ते को संवेदना से जीने के लिये जरूरी है प्रेम एवं विश्वास। प्यार एवं विश्वास दिलों को जोड़ता है। इससे कड़वे जख्म भर जाते हैं। प्यार की ठंडक से भीतर का उबाल शांत होता है। हम दूसरों को माफ करना सीखते हैं। इनकी छत्रछाया में हम समूह और समुदाय में रहकर शांतिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। लेखिका रोंडा बायन कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके हर चीज, हर व्यक्ति से प्यार करें। ध्यान केवल प्यार पर रखें। पाएंगे कि जो प्यार आप दे रहे हैं, वह कई गुणा बढ़कर आप तक लौट रहा है। हम समाज में एक साथ तभी रह पाते हैं जब वास्तविक प्रेम एवं संवेदना को जीने का अभ्यास करते हैं। उसका अभ्यास सूत्र है-साथ-साथ रहो, तुम भी रहो और मैं भी रहूं। या 'तुम' या 'मैं' यह बिखराव एवं विघटन का विकल्प है। 'हम दोनों साथ नहीं रह सकते' यह नफरत एवं द्वेष का प्रयोग है। विरोध में सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। जो व्यक्ति दूसरे के साथ सामंजस्य स्थापित करना नहीं जानता, वह परिवार एवं समाज में रह कर शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी सकता। दूसरों के साथ हमारे रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार। यह बड़ी चतुराई से अपनी जगह बनाता है। अहंकारी अपने फायदे के लिए ही दूसरों के पीछे भागता है। बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों एवं कमजोर की अनदेखी कर देता है। प्रेम हंसाता है तो अहंकार चोट पहुंचाता रहता है। अहंकार गले लगाकर भी दूसरे को छोटा ही बनाए रखता है। यह केवल दूसरों से पाने की चाह रखता है। जब हम अपने हिस्से में से दूसरों को भी देना सीख जाते हैं और अपनी खुशियां दूसरों के साथ बांटना सीख जाते हैं तो जीवन एक प्रेरणा बन जाता है। पारिवारिक एवं सामाजिक शांति के लिए सहिष्णुता के साथ विनय और वात्सल्य भी आवश्यक है। आज का पढ़ा लिखा आदमी विनम्रता को गुलामी समझता है। उसका यह चिंतन अहंकार को बढ़ा रहा है। विनय भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व रहा है। जिस परिवार एवं समाज में विनय की परंपरा नहीं होती, उसमें शांतिपूर्ण जीवन नहीं हो सकता। एक विनय करे और दूसरा वात्सल्य न दे तो विनय भी रूठ जाता है। वात्सल्य मिलता रहे और विनय बढ़ता रहे तो पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में शांति का संचार बना रहता है। सामंजस्य, समझौता, व्यवस्था, सहिष्णुता, विनय और वात्सल्य इन्हें जीवन में उतारें तभी पारिवारिक एवं सामाजिक शांति बनी रहेगी। यह बड़ा सत्य है कि स्वार्थी एवं संकीर्ण समाज कभी सुखी नहीं बन सकता। इसलिए दूसरों का हित चिंतन करना भी आवश्यक होता है और उदार दृष्टिकोण भी जरूरी है। इसके लिए चेतना को बहुत उन्नत बनाना होता है। अपने हित के लिए तो चेतना स्वतः जागरूक बन जाती है, किन्तु दूसरों के हित चिंतन के लिए चेतना को उन्नत और प्रशस्त बनाना पड़ता है। लेकिन ऐसा नहीं होता। इसका कारण है मनुष्य की स्वार्थ चेतना। स्वार्थ की भावना बड़ी तीव्र गति से संक्रान्त होती है और जब संक्रान्त होती है तो समाज में भ्रष्टाचार, गैरजिम्मेदारी एवं लापरवाही बढ़ती है। हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अधिकार है। संसार में किसी के लिए भेदभाव नहीं है। जिस प्रगति में सहजता होती है, उसका परिणाम सुखद होता है। किसी को गिराकर या काटकर आगे बढ़ने का विचार कभी सुखद नहीं होता, काटने का प्रयास करने वाला स्वयं कट जाता है। प्रगतिशील समाज के लिये प्रतिस्पर्धा अच्छी बात है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा के साथ ईर्ष्या जुड़ जाती है तो वह अनर्थ का कारण बन जाती है। संस्कृत कोश में भी ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा में थोड़ा भेद किया गया है, पर वर्तमान जीवन में प्रतिस्पर्धा ईर्ष्या का पर्यायवाची बन गई है। उसके पीछे विभिन्न भाषाओं में होने वाला गलाकाट विशेषण का प्रयोग इसी तथ्य की ओर संकेत करता है। ईर्ष्यालु मनुष्य में सुख का भाव दुर्बल होता है। उसकी इस वृत्ति के कारण वह निरंतर मानसिक तनाव में जीता है। उसके संकीर्ण विचार और व्यवहार से पारिवारिक और सामाजिक जीवन में टकराव और बिखराव की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। आचार्य श्री तुलसी ने ईर्ष्या को असाध्य मानसिक व्याधि के रूप में प्ररूपित किया है, जिसका किसी भी मंत्र-तंत्र, जड़ी-बूटी व औषधि से चिकित्सा संभव नहीं है। ईर्ष्यालु मनुष्य स्वयं तो जलता ही है, दूसरों को जलाने का प्रयास भी करता है। स्वामी रामतीर्थ ने ब्लैकबोर्ड पर एक लकीर खींची तथा कक्षा में उपस्थित छात्रों से बिना स्पर्श किए उसे छोटी करने का निर्देश दिया अधिकतर विद्यार्थी उस निर्देश का मर्म नहीं समझ सके। एक विद्यार्थी की बुद्धि प्रखर थी। उसने तत्काल खड़े होकर उस लकीर के पास एक बड़ी लकीर खींच दी। स्वामी रामतीर्थ बहुत प्रसन्न हुए। उनके प्रश्न का सही समाधान हो गया। दूसरी लकीर अपने आप छोटी हो गई। उन्होंने उस विद्यार्थी की पीठ थपथपायी और उसे आशीर्वाद दिया। रहस्य समझाते हुए उन्होंने कहा-अपनी योग्यता और सकारात्मक सोच से विकास करते हुए बड़ा बनना चाहिए। किसी को काटकर आगे बढ़ने का विचार अनुचित और घातक है। तरक्की की यात्रा अकेले नहीं हो सकती। जरूरी है कि आप अपने साथ दूसरों को भी आगे ले जाएं। उनके जीवन पर अच्छा असर डालें। इसके लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं होती। कितनी ही बार आपकी एक हंसी, एक हामी, छोटी सी मदद दूसरे का दिन अच्छा बना देती है। अमेरिकी लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'जब हम खुशी से देते हैं और प्रसाद की तरह लेते हैं तो सब कुछ वरदान ही है।' सामुदायिक चेतना और सकारात्मकता का विकास हो, सबका प्रशस्त चिंतन हो, स्वयं और समाज के संदर्भ में तब कहीं जाकर समाज का वास्तविक विकास होता है। आज राष्ट्र का और पूरे विश्व का निरीक्षण करें, स्थिति पर दृष्टिपात करें तो साफ पता चल जाएगा कि लोगों में स्वार्थ की भावना बलवती हो रही है। जब तक आप दिमाग से संचालित होते हैं, आपको सच्चा प्रेम नहीं हो सकता। प्रेम का एहसास हो सकता है, लेकिन वह सच्चा प्रेम नहीं होता। मसलन- हममें से ज्यादातर लोगों ने अपने जीवन में महसूस किया होगा कि उन्हें प्यार हो गया है। लेकिन वास्तव में एक-दो लोग ही होते हैं, जो सचमुच प्यार में होते हैं। ज्यादातर लोगों में कुछ समय बाद ही प्यार का एहसास समाप्त हो जाता है। जरूरी है हम पहले अपनी मदद करना सीखें। दूसरों की मदद तभी कर पाएंगे। खुद को थामे रखे बिना दूसरों को पकड़ने की कोशिश निराशा ही देती है। यहां तक कि आप अपने लोगों पर ही बोझ बन जाते हैं। इसलिए दूसरों को बदलने से पहले हम खुद को भी बदलना सीख लें। हमारे दुश्मन दूसरे कम होते हैं, हम खुद ज्यादा होते हैं। और लेखिका आयरीन बटर कहती हैं, 'दुश्मन वो है, जिसके बारे में हमें पता नहीं।'

हिजाब मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना उचित नहीं

> भारत में फ़रवरी 2022 में कर्नाटक के उडुप्पी में एक कॉलेज छात्रा द्वारा हजिाब हपनने का विरोध किया गया जोकि आग की तहर फैल गया।कॉलेज में हजिाब हपनी छात्राओं को कक्षाओं में प्रवेश की अनुमति हनीं दी गयी थी ।5 फरवरी 2022 को कर्नाटक सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न कॉलेज में हजिाब हपनने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया। कर्नाटक के कई कॉलेज में हजिाब हपनने पर रोक लगाने के बाद कर्नाटक के उच्च न्यायालय में भी दो याचिकाएं दायर की गई हैं। बाद में हयी हजिाब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट भी हपुंच गया। अभी कर्नाटक के हजिाब का मामला ठंडा भी हनीं हुआ था कि अचानक हय आग ईरान में भी फैल गयी। ईरान में गत 16 सितंबर को हमसा अमीनी नामक एक क़ुर्द लड़की की पुलिस हरिासत में हुई मौत हो गयी। ख़बरों के अनुसार अपनी तेहरान यात्रा के दौरान अपने सिर को हजिाब से न ढकने के आरोप में 2 छ सुरक्षा कर्मियों द्वारा हमसा अमीनी को इतना मारा गया कि 22 साल की इस युवती की पुलिस हरिासत में मौत हो गई ।

विगत कई वर्षों से मुसलमानों के विभिन्न धार्मिक,सामाजिक व उनके शरई मामलों में दख़लअंदाज़ी करने की गोया एक अंतर्राष्ट्रीय मुहिम सी छिड़ी हुई है। कभी तीन तलाक़ को लेकर कभी दाढ़ी को लेकर कभी पसमांदा और अशरफ़ी मुसलमानों को लेकर कभी ईरान-अरब के मुस्लिम जगत पर कथित वर्चस्व आदि जैसे अनेक मुद्दों को लेकर दुनिया में कहीं न कहीं विरोध या अंतर्विरोध की ख़बरें आती ही रहती हैं। दुनिया के मुसलमानों को बदनाम करने में जो बची खुची कमी है वो अलक़ायदा, आई एस आई तालिबान जैसे अनेक अतिवादी व आतंकी संगठन समय समय पर अंजाम दी जाने वाली अपनी क्रूर कारगुज़ारियों से पूरी करते रहते हैं। मुस्लिम महिलाओं से जुड़ा ऐसा ही एक विवादित विषय है हिजाब या पर्दा। पिछले कुछ समय से हिजाब विवाद की गूँज भारत से लेकर ईरान तक सुनाई दे रही है । भारतीय अदालतों में भी इस विवाद ने दस्तक दे डाली। भारत में फ़रवरी 2022 में कर्नाटक के उडुप्पी में एक कॉलेज छात्रा द्वारा हिजाब पहनने का विरोध किया गया जोकि आग की तरह फैल गया। कॉलेज में हिजाब पहनी छात्राओं को कक्षाओं में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गयी थी ।5 फरवरी 2022 को कर्नाटक सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न कॉलेज में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया। कर्नाटक के कई कॉलेज में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के बाद कर्नाटक के उच्च न्यायालय में भी दो याचिकाएं दायर की गई हैं। बाद में यही हिजाब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया। अभी कर्नाटक के हिजाब का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अचानक यह आग ईरान में भी फैल गयी। ईरान में गत 16 सितंबर को महसा अमीनी नामक एक क़ुर्द लड़की की पुलिस हिरासत में हुई मौत हो गयी। ख़बरों के अनुसार अपनी तेहरान यात्रा के दौरान अपने सिर को हिजाब से न ढकने के आरोप में कुछ सुरक्षा कर्मियों द्वारा महसा अमीनी को इतना मारा गया कि 22 साल की इस युवती की पुलिस हिरासत में मौत हो गई ।इसके विरोध में चंद दिनों के भीतर ही लगभग पूरा ईरान हिजाब विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र बन गया। मामला चूंकि ईरान से जुड़ा था इसलिये पश्चिमी देश भी ईरान की हिजाब नीति के विरुद्ध मुखर होते दिखाई दिये। महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हुये हिजाब विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 300 से अधिक लोगों के मारे जाने की ख़बर है। यह मामला अब इतना तूल पकड़ चुका है कि ईरान के दो बार राष्ट्रपति रहे अली अकबर हाशमी रफ़संजानी की बेटी फ़ैज़ेह को हिजाब विरोधी दंगाइयों व प्रदर्शनकरियों को उकसाने के आरोप में उन्हें गिरफ़्तार किया जा चुका है। ईरान के अनेकानेक प्रगतिशील व उदारवादी लोग खुल कर हिजाब का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों क़तर में आयोजित फ़ीफ़ा फुटबाल मैच के दौरान ईरान की टीम ने तो हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों का पक्ष लेते हुये ईरानी राष्ट्रगान पढ़ने से इंकार कर दिया। इसके कितने गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं इसबात की भी ईरानी टीम ने परवाह नहीं की। इन सवालों के बीच हिजाब या मुस्लिम महिलाओं के परदे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बातों की अनदेखी करना भी इस विषय के साथ अन्याय करना होगा। सबसे पहला सवाल तो यह कि क्या महिलाओं को पर्दा करने का हुक्म ख़ुदा की तरफ़ से जारी किया गया है? दूसरा सवाल यह कि हिजाब या परदे अथवा नक़ाब का कौन सा तरीक़ा वास्तव में इस्लामी तरीक़ा स्वीकार किया जाना चाहिये ?अरब,ईरान,इराक़ भारत,पाकिस्तान मिस्र आदि अनेक देशों में मुस्लिम महिलायें अलग अलग क़िस्म के परदे या हिजाब अपनाती हैं। कहीं सिर ढका है और चेहरा खुला है। कहीं चेहरा और सिर दोनों ढका है। तो कहीं सिर से लेकर पैरों की एड़ियां तक सब कुछ परदे में हैं। और कहीं इन में से कुछ भी नहीं है फिर भी महिलायें गर्व से स्वयं को मुस्लिम समाज का सदस्य बताती हैं। अतः कौन सा पर्दा या हिजाब सही है यह कौन तय करेगा ? दूसरा मुख्य प्रश्न यह भी है कि किसी भी देश की मुस्लिम महिला को उस देश के प्रचलित दस्तूर के मुताबिक़ हिजाब या पर्दा धारण करने के लिये मजबूर करना, यह पुरूषों की पितृ सत्ता का स्पष्ट लक्षण है अथवा नहीं ? यदि इस विषय पर हम आम तौर पर तालिबानी और हाल में हो रहे ईरानी हालात पर नज़र डालें तो हिजाब या परदे को लेकर इस्लाम का अतिवादी नज़रिया होने का सीधा संकेत जाता है। केवल इतना कहने मात्र से इन आरोपों से पीछा नहीं छुड़ाया जा सकता कि 'यह सब इस्लाम विरोधी या पश्चिमी देशों की साज़िशों का नतीजा है'। न ही पश्चिमी देश न ही इस्लाम विरोधी ताक़तें अफ़ग़ानिस्तान में बेपर्दिगी के नाम पर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से बेरहमी से ज़ुल्म करने के लिये प्रेरित करती हैं न ही उन्होंने महसा अमीनी की हत्या के लिये ईरानी कट्टरपंथियों को उकसाया। बल्कि स्वयं इन जैसे देशों की धर्म के नाम पर की जाने वाली बर्बरता व हठधर्मिता ने इस्लाम विरोधी ताक़तों व पश्चिमी देशों को इस्लाम पर ऊँगली उठाने का मौक़ा दिया। ईरान हो या अफ़ग़ानिस्तान भारत या पाकिस्तान, मेरे विचार से कहीं भी परदे या हिजाब की व्यवस्था को महिलाओं पर जबरन थोपने की ज़रुरत नहीं है। कोई भी महिला अपनी स्वेच्छा से जैसा भी हिजाब पर्दा या बुर्क़ धारण करे यह उसी महिला पर छोड़ देना चाहिये। इसमें किसी तरह का जब्र या अनिवार्यता इस्लाम की उदारता को ही कटघरे में खड़ा करने का काम करेगी। जिस तरह दाढ़ी के स्वरूप को लेकर इस्लाम के विभिन्न वर्गों में मतैक्य नहीं है उसी तरह हिजाब व पर्दा भी हर देश में अलग अलग है। और जिस तरह लोगों का मानना है कि इस्लाम में दाढ़ी है, दाढ़ी में इस्लाम नहीं। उसी नज़रिये से हिजाब या परदे को भी देखना चाहिये । जब इसका अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ही तय नहीं तो किसी भी देश द्वारा इसकी अनिवार्यता कैसे निर्धारित की जा सकती है ? अतः दुनिया के किसी भी देश को हिजाब मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना क़तई उचित नहीं है। इसे कैसे कब और कहाँ धारण करना या नहीं करना है यह पूरी तरह मुस्लिम महिलाओं की इच्छा और उनके विवेक पर ही छोड़ दिया जाना चाहिये।

देश दुनीया से

उत्तर कोरिया को परमाणु महशक्ति बनाने में जुटे किम जोंग उन को हल्के में नहीं लेना चाहिए

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने दावा किया है कि उनका देश विश्व की सबसे शक्तिशाली परमाणु शक्ति बनना चाहता है। उनके इस ऐलान को अधिकतर लोगों ने गीदड़ भभकी के रूप में ही लिया है लेकिन इस सनकी शासक की हरकतों पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि इस ऐलान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उत्तर कोरिया ने अपना परमाणु कार्यक्रम तीन दशक पहले शुरू किया था। अब एक अनुमान के मुताबिक उसके पास 45 से 55 परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त विखंडनीय सामग्री है। इतनी सामग्री से बनने वाले परमाणु बम की क्षमता लगभग 15 से 20 किलोटन की होगी। यहां आपको हम बताना चाहेंगे कि 1945 में हिरोशिमा को नष्ट करने वाले बम की क्षमता 15 किलोटन की थी। 15 किलोटन के बम से हिरोशिमा को कितना नुकसान पहुँचा था इससे सब वाकिफ हैं इसलिए सोचिये कि 20 किलोटन का बम कितना नुकसान पहुँचा सकता है। हाल ही में इस प्रकार की भी रिपोर्टें आईं कि इस समय उत्तर कोरिया के पास पहले से दस गुना बड़े बम बनाने की क्षमता है। यही नहीं, उत्तर कोरिया की मिसाइल डिलीवरी प्रणाली भी बड़ी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा उत्तर कोरिया जिस तरह सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन करते हुए जापान के ऊपर से मिसाइलों का परीक्षण करता है, आतंक को भड़काता है और आकस्मिक युद्ध का जोखिम पैदा करता है, उसके प्रति दुनिया को सचेत रहने की जरूरत है। उत्तर कोरिया को दुनिया ने उसके लापरवाह और निरंकुश रवैये के कारण भले अलग-थलग कर रखा है लेकिन अब जरूरत है कि उसे हथियार नियंत्रण वार्ताओं और अंतर्राष्ट्रीय संवाद के मंचों पर लाया जाये। यदि ऐसा नहीं किया गया तो उस क्षेत्र में परमाणु हथियारों की दौड़ बढ़ने का अंदेशा बना रहेगा। लेकिन बातचीत के दौरान भी उत्तर कोरिया पर नजर बनाये रखनी होगी क्योंकि इस देश का इतिहास विश्व को धोखा देने का रहा है। हम आपको याद दिला दें कि उत्तर कोरिया ने 1985 में परमाणु हथियार अप्रसार (एनपीटी) संधि पर प्रतिबद्धता जताई थी। गौरतलब है कि इसके तहत सदस्य देशों में स्वतंत्र पर्यवेक्षक संधि के अनुपालन पर नजर रखते हैं साथ ही एनपीटी पर हस्ताक्षर करने वाले देश हथियारों पर नियंत्रण और कटौती के लिए भी प्रतिबद्ध होते हैं। लेकिन उत्तर कोरिया एनपीटी संधि पर सहमत होने के बावजूद दुनिया को धोखा देता रहा। सन-1993 से लेकर अब तक उत्तर कोरिया ने अमेरिकी राष्ट्रपतियों और विश्व समुदाय को गुमराह किया और धोखा दिया। उल्लेखनीय है कि परमाणु क्षमता हासिल करने के बाद उत्तर कोरिया साल 2003 में एनपीटी से बाहर आ गया था और 2006 में उसने पहला परमाणु विस्फोट कर दुनिया को चौंका दिया था। इस कदम के जरिये उत्तर कोरिया ने वैश्विक शक्ति संतुलन तो बिगाड़ा ही साथ ही दुनिया के लिए बड़ा खतरा भी पैदा कर दिया। हैरत की बात यह रही कि उत्तर कोरिया पर लगाम लगाने की विश्व समुदाय की कोई भी पहल कारगर नहीं हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया पर तमाम तरह के प्रतिबंध लगाते हुए फरमान जारी किये कि उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार और संबंधित मिसाइल डिलीवरी प्रणाली को विकसित करना बंद करना होगा। लेकिन उत्तर कोरिया नहीं माना। 2006 में परमाणु परीक्षण के बाद से उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों के नौ दौर चले लेकिन उत्तर कोरिया टस से मस नहीं हुआ। उत्तर कोरिया कैसे वर्षों से अमेरिकी राष्ट्रपतियों को धोखा देता रहा इसकी एक मिसाल डोनाल्ड ट्रंप भी बने। ट्रंप ने किम जोंग उन को सिंगापुर में वार्ता के लिए आमंत्रित किया और उत्तर कोरियाई अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने के लिए कई प्रस्ताव दिये, बदले में किम जोंग उन ने परमाणु कार्यक्रम से हटने का वादा किया लेकिन उल्टा उन्होंने परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिस तेजी से किम अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं उसको देखते हुए इस दशक के अंत तक, उत्तर कोरिया के पास 200 परमाणु बम हो सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो वाकई किम जोंग उन का उत्तर कोरिया को परमाणु महाशक्ति बनाने का सपना साकार हो जायेगा। यदि उत्तर कोरिया इसी रफ्तार से अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाता रहा तो जल्द ही उसके पास अमेरिका और रूस के पास मौजूद परमाणु बम भंडार से भी ज्यादा बड़ा भंडार होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और रूस के पास दुनिया के सभी परमाणु हथियारों का 90% हिस्सा है। इसके अलावा इस समय इज़राइल के पास 90, भारत के पास 160, पाकिस्तान के पास 165, ब्रिटेन के पास 225, फ्रांस के पास 300 से कुछ कम और चीन के पास 350 परमाणु बम होने का अनुमान है।

> उत्तर कोरिया कैसे वर्षों से अमेरिकी राष्ट्रपतियों को धोखा देता रहा इसकी एक मिसाल डोनाल्ड ट्रंप भी बने। ट्रंप ने किम जोंग उन को सिंगापुर में वार्ता के लिए आमंत्रित किया और उत्तर कोरियाई अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने के लिए कई प्रस्ताव दिये।

नागरिक बोध

तालिबान ने भारत से लगाई निवेश की गुहार,जल्द हो भारत अफगान का मददगार

अफगानिस्तान में तख्ता पलट के बाद अराजकता व्याप्त हो गई थी। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनीको जोर जबर्दस्ती सत्ता से हटाए जाने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति गंभीर बन गई थी। बन्दूक की नोंक पर सत्ता हथियाने के बाद आर्थिक संकट गहरा गया था। लोग सड़कों पर भीख मांग कर अपने पेट पाल रहे थे। तालिबान सरकार ने अनेक जतन किए। तालिबानियों ने अफगान पर जोर जबर्दस्ती कब्जा किये जाने के बाद अफगानिस्तान दुनिया से कट चुका है। दुनियाअफगानिस्तान को मान्यता नही दे रही है। शहरो और गांवो में इस कदर भुखमरी व्याप्त हो चुकी थी कि लोग अपने पेट की ज्वाला शांत करने के लिए अपनी जिगरी जान औलाद को दूसरे लोगो के हाथों बेचने के लिए मजबूर हो गए थे। आज भी अफगानिस्तान के हालात नही सुधरे है। भारत ने मानवीय मदद भी की थी। भारत के पडोसी देश अफगानिस्तान ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। हरबार की तरह इस बार भी अफगानिस्तान देश के हालात सुधारने के वास्ते भारत से मदद मांग रहा है। भारत हमेशा पडोसी देशों के साथ विन्रमता पूर्ण व्यवहार करता आ रहा है। भारत के साथ पाकिस्तान ने कई बार दुर्व्यवहार किया, लेकिन भारत ने हमेशा दोस्ती का हाथ ही बढ़ाया है। अफगानिस्तान ने भारत को अच्छे पड़ोसी देश होने की परिकल्पना को साकार करते हुए फिर से अफगानिस्तान की दोहरी पटरी को समतोल करने और लोगो को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मदद की गुहार लगाई है। अफगानिस्तान में वहां के राष्ट्रपति अशरफ गनी को जब सत्ता से हटाया था उस समय भारत पर भी तिरछी आंख की थी ।लेकिन भारत मे मजबूत सरकार होने के कारण तालिबान की पुंगी बन्द हो गई थी। भारत उभरता देश विश्व समुदाय के लिए चुनौती बनता जा रहा है। अफगानिस्तान की जर्जरता भारत के लिए आग्रह की गुहार है। अफगानिस्तान में मदद के लिए प्राचीन सिल्क रोड कारोबारी मार्गो को लिए चीन से बात कर रहा है। परंतु चीन से पूर्व भारत से आग्रह कर बन्द पड़ी करीब बीस परियोजनाओं को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। शहरी विकास और आवास मन्त्रालय ने दिल्ली की परियोजनाओं को फिर से शुरू करने की मांग की है। तालिबान ने बंदूक के जोर पर सत्ता हथियाने के बाद भारत ने इन परियोजनाओं को बंद कर दिया था। भारत के 25 हजार करोड़ का निवेश किया था। जिसका कोई वजूद नही था। लेंकिन भारत इस बात पर सहमत होता है तो डूबी रकम रिकवर हो सकती है। लेकिन दुनिया से अलग थलग पड़ा अफगानिस्तान की करंसी की कितनी अहमियत है। उसका पहलू सोचनीय है। भारत पर अफगानिस्तान की ही नजर नही है। पूरी दुनिया की नजर भारत पर है। जिसका दुनिया और अमेरिका लोहा मान रहा है ।वसुदेव कुटुम्बकम की इस भावना से ही भारत की तरफ दुनिया की नजर झुक गई है। भारत दुनिया मे आर्थिक स्वावलंबन में पांचवे पायदान पर ही क्यो नही है। दुनिया को साथ लेकर चलने की इस परोपकार की भावना से भारत को बड़ा बना दिया है। यह पहल मोदी ने की है। जिसका श्रेय मोदी को ही जाता है। तालिबान और पाकिस्तान के रिश्ते कड़वाहट भरे आज भले ही दिखते है, लेकिन पाकिस्तान पर संकट आने पर या भारत की बढ़ती दखलगिरी पर अफगानिस्तान पाकिस्तान का साथ ही देगा। यह बात गांठ बांधकर रख लेना। तहरीक ए तालिबान ने पाकिस्तान पर हमले तेज कर दिए है।

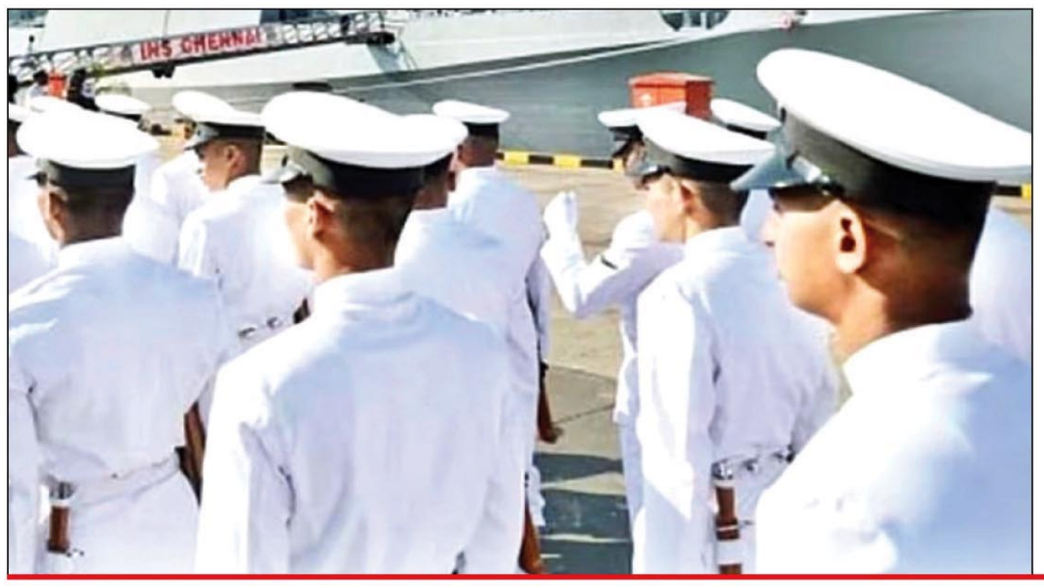

95 दिनों से कतर में कैद भारत के आठ पूर्व नौसैनिक : एक महीने और रहेंगे बंद, परिवार को आरोपों तक की जानकारी नहीं

दोहा ।
कतर में 90 दिनों से अधिक समय से कैद भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की रिहाई अधर में लटक गई है। बार-बार प्रयास के बादजूद भारत सरकार उन्हें कतर के गिरफ्त से नहीं निकाल पा रही है। लेकिन इन सब के बीच पीड़ितों के परिवारों ने एक और परेशान करने वाली खबर दी है। परिवार के मुताबिक कोर्ट में सुनवाई के बाद सभी पूर्व नौसैनिकों की कस्टडी एक महीने और के लिए बढ़ा दी गई है। यानी इन सभी की रिहाई की उम्मीद एक बार फिर से टूट गई है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि इन सभी को किस आरोप में हिरासत में लिया गया है, अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिली है।

कंपनी ने परिवार के सदस्यों को दी हिरासत बढ़ाने की जानकारी - परिवार के सदस्यों के साथ संवाद करने वाले कंपनी के
अधिकारियों के अनुसार, रविवार को तीन-न्यायाधीशों की बेंच ने सुनवाई की और पूर्व नौसैनिकों की हिरासत एक महीने और के लिए बढ़ा दी। उन्होंने परिवार को बताया कि वे सुनवाई के दौरान मौजूद थे, लेकिन पीड़ित पूर्व नौसैनिकों से बहुत कम बातचीत हुई। 30 दिन का विस्तार 1 दिसंबर से प्रभावी है। पारिवारिक सूत्रों ने कहा कि सुनवाई में पूर्व नौसैनिकों के खिलाफ आरोप सामने नहीं आए।

सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त की रात को हिरासत में लिया गया था - भारतीय नौसेना के सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त की रात को हिरासत में ले लिया गया था। तब से उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है, और उनके खिलाफ आरोपों की कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। उनके परिवार नई दिल्ली से उनकी शीघ्र रिहाई के लिए आग्रह कर रहे हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में कमांडर (सेवानिवृत्त) पूर्णेंदु तिवारी हैं, जो एक भारतीय प्रवासी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार पूर्णेंदु तिवारी भारतीय नौसेना में कई बड़े जहाजों की कमान संभाल चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेवानिवृत होने के बाद ये सभी नौसैनिक कतर की एक निजी कंपनी में काम कर रहे थे। यह कंपनी कतरी एमिरी नौसेना को ट्रेनिंग और अन्य सेवाएं प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

व्हिसलब्लोअर असांजे व स्नोडेन की माफी के पक्ष में 80.5प्रतिशत लोग, सेना की खुफिया जानकारी की थीं लीक

वाशिंगटन । अमेरिकी सेना व खुफिया विभाग की जानकारियों को लीक करने वाले दो व्हिसलब्लोअर की माफी के पक्ष में 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग हैं, तो वहीं 19.5 प्रतिशत लोग नहीं चाहते कि बाइडन सरकार द्वारा उन्हें माफी दी जाए। दरअसल, रविवार को एलन मस्क ने रविवार सुबह एक ट्विटर पोल आयोजित किया था। इसमें उन्होंने व्हिसलब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन और विकीलीक्स के सह-संस्थापक जूलियन असांजे को माफी दिए जाने को लेकर जनता की राय जाननी चाही थी। बता दें, दोनों ने अमेरिकी सेना व खुफिया विभाग की जानकारियों को लीक किया था, जिसके बाद से दोनों अमेरिका से निर्वासित हैं। एलन मस्क के ट्विटर पोल पर 24 घंटे में 33.16 लाख लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। इसमें 80.5 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि एडवर्ड स्नोडेन और विकीलीक्स के सह-संस्थापक जूलियन असांजे को बाइडन सरकार द्वारा माफ कर देना चाहिए। वहीं 19.5 प्रतिशत लोग इसके पक्ष में नहीं हैं। एलन मस्क ने इस पोल को आयोजित करते वक्त लिखा था कि , मैं कोई राय व्यक्त नहीं कर रहा हूं, लेकिन इस चुनाव को कराने का वादा किया था। क्या असांजे और स्नोडेन को माफ कर देना चाहिए अमेरिकी सेना खुफिया विभाग की जानकारियों को लीक करने के बाद एडवर्ड स्नोडेन ने अमेरिका छोड़ दिया था। अभियोजन से बचने के लिए वह रूस में रह रहे हैं। यहां तक कि रूसी राष्ट्रपति ने उन्हें वहां की नागरिकता भी प्रदान कर दी है। इसके अलावा विकीलीक्स के सह-संस्थापक जूलियन असांजे इन दिनों लंदन में हैं और अपने प्रत्यर्पण को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि असांजे ने गोपनीय राजनयिक केबल और सैन्य फाइल चुराने में अमेरिकी सेना के खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग की मदद की, जिन्हें बाद में विकीलीक्स ने प्रकाशित किया, जिससे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ गया।

सैमुअल रैपिले बेटमैन पर 20 लड़कियों से शादी करने का आरोप, इनमें नौ साल की सगी बेटी भी, खुद को मानता मसीहा

वाशिंगटन । अमेरिका में रहने वाले एक बहुविवाह पंथ नेता ने अपनी ही नौ साल की नाबालिग बेटी सहित 20 से अधिक महिलाओं से शादी करने का दावा कर दुनिया को चौंका दिया है। एफबीआई के दस्तावेजों के अनुसार, 46 वर्षीय सैमुअल रैपिले बेटमैन पर 15 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने का आरोप है। वह एक छोटे से बहुविवाहवादी मोरोन्स समूह के एक पंथ नेता था। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि 2019 में अनुयायियों के एक छोटे समूह का नियंत्रण संभालने के बाद बेटमैन ने खुद को भविष्यवक्ता के रूप में घोषित करना शुरू कर दिया। एफबीआई के दस्तावेजों में कहा गया है कि 46 वर्षीय ने 20 महिलाओं से शादी की जिनमें से कई नाबालिग हैं, ज्यादातर 15 साल से कम उम्र की हैं। कोलोराडो शहर में उनके दो घरों पर एफबीआई द्वारा छापे मारे जाने के बाद अब वह एरिजोना जेल में बंद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर के बाद से, संघीय एजेंटों ने नाबालिगों के विवाह और वयस्कों के बीच यौन संबंधों के सबूत एकत्र किए हैं। बेटमैन का पतन इस साल सितंबर में शुरू हुआ जब उसे पुलिस द्वारा लड़कियों को राज्य की सीमाओं के पार ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

2020 का चुनाव सबसे बड़ा धोखा था, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की अमेरिकी संविधान भंग करने की मांग

वाशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिन्होंने हाल ही में 2024 के चुनाव में उतरने की घोषणा की थी

अब एक बार फिर से 2020 के चुनाव का मामला उठा दिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में 2020 के चुनाव को बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करार देते हुए अमेरिकी संविधान को समाप्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी टेक कंपनियां डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ हो गई हैं। ट्रंप ने अपने सोशल नेटवर्क एप ट्रुथ पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 2020 के चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई थी जो कि संविधान में पाए गए सभी नियमों, विनियमों और लेखों को समाप्त करने की अनुमति देती है। ट्रंप ने बड़ी टेक कंपनियों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है।

ईरान ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र का शुरू किया निर्माण, दो अरब डॉलर की लागत से होगा तैयार

तेहरान ।
ईरान ने शनिवार को परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शुरू करने का एलान किया। ईरान के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक कारून नाम से 300 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता वाला संयंत्र आठ साल में दो अरब डॉलर की लागत से तैयार होगा। परमाणु समझौते से अमेरिका के हाथ खींचने के बाद लागू पाबंदियों के बीच इराक से लगी ईरान की पश्चिमी सीमा के पास तेल संपन्न खुजेस्तान प्रांत में बनने जा रहे संयंत्र की घोषणा ईरान ऐसे समय में की है, जब पूरा देश सरकार विरोधी प्रदर्शनों में घिरा है।

चिंता की बात

संयंत्र के शिलान्यास समारोह में ईरान के असैन्य परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने भाग लिया, जिन्होंने अप्रैल में कारून के निर्माण की योजनाओं बनाई थी। ईरान में बुशहर के दक्षिणी बंदरगाह पर भी एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, इसके अलावा कई भूमिगत परमाणु केंद्र भी हैं। ईरान ने दो सप्ताह पहले ही कहा था कि उसने देश के भूमिगत फोर्डो परमाणु केंद्र में 60 फीसदी शुद्धता पर समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन शुरू कर दिया है। इस कदम को देश के परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नजर रखने वाली संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के मुताबिक अगर 60 फीसदी शुद्धता के साथ यूरेनियम संवर्द्धन का दावा सही है, तो ईरान परमाणु हथियारों के लिए 90 फीसदी की शुद्धता हासिल करने से एक कदम दूर है। परमाणु अप्रसार विशेषज्ञों ने महीने भर पहले ही चेतावनी दी थी कि ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त ईंधन है।

ट्रंप ने तोड़ा समझौता

ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने समझौता किया था, जिसके तहत ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करना था, जिसके बदले में उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों से प्रतिबंधों में ढील दी जानी थी। लेकिन, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए अमेरिका को इस समझौते से हटा लिया, जिसके बाद ईरान ने तेजी से परमाणु कार्यक्रम को बहाल किया था।

रूस के कैस्पियन सागर तट पर मृत मिलीं 2500 सील, विशेषज्ञों को समुद्र तट से नहीं मिला प्रदूषक तत्व

मास्को । दक्षिणी रूस के कैस्पियन सागर तट पर लगभग 2500 सील मृत पाई गई हैं। रविवार को अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इनकी सामूहिक मौत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने शुरू में शनिवार को बताया कि तट पर 700 सील की मौत हो गई, लेकिन रूसी प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय के दागेस्तान डिवीजन ने बाद में आंकड़ा बढ़ाकर लगभग 2,500 कर दिया।

कैस्पियन पर्यावरण सुरक्षा सेंटर के प्रमुख जौर गैपिजोव ने कहा, कुछ हफ्ते पहले सील की मौत हो गई थी। इस बात के कोई संकेत नहीं है कि उन्हें मार दिया गया या मछली पकड़ने के जाल में फंस गए। वहीं विशेषज्ञों को अभी तक समुद्र तट से कोई प्रदूषक तत्व नहीं मिला है।

अफ्रीकी देश की संसद में कुर्सियां फेंकीः महिला सांसद को थप्पड़ मारने पर विवाद, लात-घूंसे चले

सेनेगल ।
अफ्रीकी देश सेनेगल की संसद में महिला सांसद को थप्पड़ मारने पर विवाद हुआ। घटना 2 दिसंबर की है। एक सांसद ने महिला सांसद को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद गुस्साई महिला मंत्री ने उन पर कुर्सी फेंक दी। इसके बाद दोनों सांसदों में मारपीट हो गई। संसद में बजट सेशन चल रहा था। कार्यवाही के दौरान रूलिंग पार्टी बेन्नो बोक्क याकार की महिला सांसद एमी नदिये गनीबी ने राष्ट्रपति मैकी सॉल के तीसरे कार्यकाल का विरोध करने वाले एक आध्यात्मिक नेता की आलोचना कर दी। विपक्षी पार्टी के सांसद मस्साता साम्ब को ये बात पसंद नहीं आई। वो अपनी जगह से उठे और गनीबी को थप्पड़ मार दिया। आध्यात्मिक नेता की आलोचना को लेकर सांसद मस्साता साम्ब ने कहा- एक सांसद ने स्पिरिचुअल लीडर की इंसल्ट की है। ये गलत है। इस बात को महिला सांसद ने गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने तंज मारते हुए इसे टाल दिया। ये साम्ब को पसंद नहीं आया और उन्होंने महिला को थप्पड़ मार दिया।

अमेरिकी संसद की स्पीकर ने फाड़ी थी ट्रंप की स्पीच

ये पहली बार नहीं है जब किसी देश की संसद में हंगामा हुआ हो। अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने 2020 में कार्यवाही के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की स्पीच फाड़ दी थी। पेलोसी ने ट्रम्प की स्पीच को अविश्वास का घोषणापत्र बताया था। डोनाल्ड ट्रंप ने इन सब विवादों के चलते पेलोसी को क्रेजी नैंसी भी कहा था।

घाना की संसद में हुई थी जूतम पैजार

घाना की संसद में एक बिल पर बहस के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि जम कर लात-घूंसे चले। इस जूतम-पैजार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जब सांसदों के बीच हाथापाई नहीं रुकी तो सिक्योरिटी में तैनात मार्शलों ने बीच में आकर हालात संभालने की कोशिश की। कुछ सांसदों ने भी बीच बचाव करने की कोशिश की थी।

नासा ने अंतरिक्ष स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया सोलर एरे, सात घंटे चली प्रक्रिया

वाशिंगटन ।
अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के अंतरिक्ष यात्रियों जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने रविवार को नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित किया। नासा ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, क्या हम इसे फिक्स कर सकते हैं हां, हम कर सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने अंतरिक्ष केंद्र के तारे की आकृति वाले बोर्ड पर यह नया सोलर एरे लगाया है। इस दौरान उन्होंने सोलर पैनल की 75 फीसदी की संचालन क्षमता बहाल करने के लिए एक केबल को काट कर अलग कर दिया। एक आईआरओएसए स्थापित करने के अलावा स्पेसवॉकर 1बी पावर चैनल को फिर से सक्रिय करने के लिए एक केबल को डिस्कनेक्ट करेगा, क्योंकि इसके इलेक्टिकल सिस्टम में पावर ट्रिप के कारण इसे बंद कर दिया गया था। नासा ने बताया कि केबल का डिस्कनेक्शन एरे के प्रभावित हिस्से को अलग कर देगा। स्टेशन पर एक नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने सुबह 12: 51 बजे स्पेसवॉक खत्म कर दिया। इस प्रक्रिया में अभियान 68 के क्रू मेंबर्स के सदस्यों को स्पेसवॉक के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के क्वेस्ट एयरलॉक से बाहर निकलने की तैयारी

7:25 (ईटी) पर शुरू हुई और लगभग सात घंटे तक चली। नासा ने कहा कि 4ए पावर चैनल पर एक आईआरओएसए स्थापित करने के लिए अगला यूएस स्पेसवॉक 19 दिसंबर, सोमवार को होगा। इंस्टॉलेशनों के लिए नियोजित कुल छह में से यह चौथा आईआरओएसए होगा। जो कि इसकी बिजली उत्पादन क्षमता में 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगा, इससे स्टेशन की कुल उपलब्ध बिजली 160 किलोवाट से 215 किलोवाट तक बढ़ जाएगी। कसाडा क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 1 (ईवी 1) के रूप में काम करेगा और रेड स्ट्रिप्स वाला सूट पहनेगा। रुबियो क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 2 (ईवी 2) के रूप में काम करेगा ।

एक बार फिर भूस्खलन की चपेट में कोलंबिया, तीन की मौत, 20 से ज्यादा लापता

बोगोटा । कोलंबिया से एक बार फिर से भूस्खलन की खबर है। यहां की एक सड़क को भूस्खलन ने अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 20 लोगों के फंसे होने की खबर है, जिन्हें निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव दल एक बस और एक मोटरसाइकिल सवार लोगों की तलाश में जुटा हुआ है, जिनकी भूस्खलन में फंसे होने की खबर है। इस बीच राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने जानकारी दी कि अभी तक नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जिसमें तीन की मौत हो गई। करीब 20 लोग लापता हैं। सिविल डिफेंस के एक अधिकारी के मुताबिक, बस में करीब 25 यात्री सवार थे। बता दें, अगस्त में शुरू हुई बारिश के कारण कोलंबिया बीते 40 वर्षों में सबसे खराब मौसम के दौर से गुजर रहा है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक 270 लोगों की मौत हो चुकी है।

नेपाली कांग्रेस गठबंधन को बढ़त अब दो सीटों पर मतगणना बाकी

काठमांडू ।
नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन रविवार को देश के संसदीय चुनाव में अपनी बढ़त बनाए हुए है। दरअसल सियांग्जा निर्वाचन क्षेत्र नंबर-2 सीट से उनके उम्मीदवार धनराज घुरुंग ने जीत हासिल की है।

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पार्टी भी नेपाली कांग्रेस हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा, धनराज गुरुंग ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीएन (यूएमएल) की पद्मा कुमारी आर्यल के खिलाफ 31,466 वोट हासिल किए। पद्मा कुमारी ने 25,839 वोट हासिल किए। इसके साथ ही प्रतिनिधि सभा में नेपाली कांग्रेस की संख्या बढ़कर 57 हो गई है, इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल है, जिसने अब तक 44 सीटें जीती हैं। सीपीएन-माओवादी सेंटर को 17 सीटें मिली हैं, जबकि सीपीएन-यूनिफाइट सोशलिस्ट को 10 सीटें मिली हैं।

अबतक 163 क्षेत्रों की मतगणना पूरी - अबतक 163 क्षेत्रों की मतगणना पूरी हो चुकी है और सिर्फ दो सीटों पर गिनती बाकी है। तीन निर्वाचन क्षेत्रों सिंयगजा -2, बजुरा और दोलखा के लिए मतगणना देर से शुरू हुई, क्योंकि विभिन्न समूहों के बीच विवाद के कारण इन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव स्थगित कर दिए गए थे।

165 प्रतिनिधि प्रत्यक्ष मतदान से चुने जाएंगे - 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 प्रत्यक्ष मतदान के जरिए चुने जाएंगे, जबकि शेष 110 आनुपातिक चुनाव प्रणाली के जरिए चुने जाएंगे। बहुमत की सरकार बनाने के लिए एक पार्टी को कम से कम 138 सीटों की जरूरत होती है।

पौडेल बोले, नेपाली कांग्रेस बनाएगी सरकार - इस बीच, नेपाली कांग्रेस नेता राम चंद्र पौडेल ने रविवार को कहा कि अब जो सरकार बनेगी वह राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और गांवों में विकास तथा रोजगार प्रदान करेगी। उन्होंने दलील दी कि मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन का लक्ष्य शांति स्थापित करना, सुशासन लाना और स्थिर सरकार प्रदान करना है।

इमरान ने पूर्व सेना प्रमुख बाजवा पर अपनी सरकार के खिलाफ डबल गेम खेलने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर उनकी सरकार के खिलाफ ''दोहरा खेल'' खेलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने 2019 में तत्कालीन सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाकर ''बड़ी गलती'' की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में यह टिप्पणियां कीं। उन्होंने तत्कालीन सेना प्रमुख बाजवा पर भरोसा करने के लिए खेद भी जताया। इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बेदखल किए गए 70 वर्षीय खान ने कहा कि मैं जनरल बाजवा की हर बात पर विश्वास करता था, क्योंकि हमारे हित एक ही थे कि हमें देश को बचाना था। खान ने यह भी दावा किया कि उन्हें खुफिया ब्यूरो (आईबी) से रिपोर्ट मिली थी कि उनकी सरकार के खिलाफ क्या खेल खेला जा रहा है। उन्होंने दावा कि तत्कालीन सैन्य प्रतिष्ठान उनकी सरकार को गिराने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ के संपर्क में थे और अक्तूबर 2021 में आईएसआई प्रमुख के पद से लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को हटाने के बाद उनके खिलाफ साजिश का पर्दाफाश हो गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया कि जनरल बाजवा दोहरा खेल, खेल रहे थे और मुझे बाद में यह

पता चला कि पीटीआई सदस्यों तक को अलग संदेश दिए जा रहे थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री खान द्वारा 2019 में तीन साल का विस्तार पाने के बाद 61 वर्षीय जनरल बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं। नवाज शरीफ, जो बाजवा के सेना प्रमुख बनने पर जेल भेज दिए गए थे, उन्होंने भी कई मौकों पर सार्वजनिक रैलियों में उनका नाम लेकर उनकी आलोचना की थी। पिछले हफ्ते अपने विदाई भाषण में जनरल बाजवा ने कहा था कि मेरा मानना है कि सैन्य प्रतिष्ठान को अराजनीतिक रखने का उनका फैसला तख्तापलट की आशंका वाले पाकिस्तान में राजनीतिक उतार-चढ़ाव के प्रभाव से सेना की रक्षा करेगा और सेना की शान में इजाफा करेगा।

पीएम शहबाज शरीफ ने इमरान पर साधा निशाना

खान की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कै द-ए-आजम (पीएमएल-क्यू) के मुनिश ईलाही ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि बाजवा ने उनसे अविश्वास प्रस्ताव पर खान के लिए वोट करने के लिए कहा था। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को खान पर निशाना साधा कि वह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे इसका नतीजा देश की नींव को कमजोर करना ही क्यों न हो। साक्षात्कार के दौरान खान ने यह भी कहा कि यदि सरकार मार्च के अंत तक चुनाव के लिए तैयार है, तो उनकी पार्टी विधानसभाओं को भंग नहीं करेगी। अन्यथा, हम खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब विधानसभाओं को भंग कर चुनाव कराना चाहते हैं। बता दें कि पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने खान, संसद में अविश्वास मत से बेदखल होने वाले एकमात्र पाकिस्तानी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि रूस, चीन और अफगानिस्तान पर उनकी स्वतंत्र विदेश नीति के निर्णयों के कारण उनके खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अमेरिकी नेतृत्व की साजिश का हिस्सा था। हालांकि, अमेरिका ने आरोपों से इनकार किया था।

जिनपिंग पश्चिमी देशों के टीकों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

वाशिंगटन । चीन के कई हिस्सों में कोविड-19 लॉकडाउन के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती माना जा रहा है। लेकिन अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस निदेशक एवरिल हाइन्स ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग कोविड-19 के पश्चिमी टीकों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है और विरोध के बावजूद भी कम्युनिस्ट पार्टी सरकार को कोई खतरा नहीं है। कैलिफोर्निया में वार्षिक रीगन नेशनल डिफेंस फोरम में बोलते हुए हाइन्स ने कहा कि वायरस के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव के बावजूद शी पश्चिम से एक बेहतर टीका लेने के लिए तैयार नहीं है, और वह ओमीक्रॉन के खिलाफ प्रभावी टीके पर भरोसा कर रहा हैं।

कबाड़ बेचकर उत्तर-पश्चिम रेलवे मालामाल, मिले 140.52 करोड़

जयपुर (हि.स.)। रेलवे में कबाड़ निस्तारण के लिए भंडार विभाग मिशन जीरो स्क्रैप अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, रेलखंड, डिपो, वर्कशॉप, शेड, तथा रेलवे परिसरों को कबाड़ मुक्त करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में नवंबर तक अनुपयोगी तथा व्यर्थ पड़े कबाड (स्क्रैप) को बेचकर 140.52 करोड़ रुपए अर्जित किए हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार भण्डार विभाग ने वित्तीय वर्ष में नवंबर तक उत्तर पश्चिम रेलवे पर 140.52 करोड़ रुपए के कबाड (स्क्रैप) का निस्तारण कर राजस्व प्राप्त किया, जो कि गत वर्ष की इसी अवधि के 125 करोड़ की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। उत्तर पश्चिम रेलवे को इस वर्ष कबाड (स्क्रैप) निस्तारण से 192 करोड़ की आय अर्जित करने का लक्ष्य दिया गया है। रेलवे द्वारा स्क्रैप में अनुपयोगी रेल, रेल पथ सामग्री, अनुपयोगी वैगन, कोच और लौह स्क्रैप सम्मिलित है। रेलवे द्वारा आईआरपीएस पोर्टल की ई-नीलामी के माध्यम से स्क्रैप की बिक्री से होने वाली आय का उपयोग बुनियादी ढांचे के विकास में किया जा रहा है।

पंजाबियत शर्मसार : चालक चीखता रहा, राहगीरों ने लूटी ट्रक से सेब की पेटियां

चंडीगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में जीटी रोड मुख्य मार्ग पर गांव राजेंद्रगढ़ के पास सेब की पेटियों से भरा एक ट्रक पलट गया। इससे सेब की पेटियां सड़क पर आ गईं। हादसे में ट्रक चालक भी घायल हुआ। उसका हालचाल जानने के बजाय लोग सेब लूटने में जुट गए। एक-एक करके राहगीर और स्थानीय लोग ट्रक से सेब की 1265 पेटियां लूट ले गए। इसमें कई कार वाले भी शामिल थे। हालात यह थे कि जिसने भी सेब की पेटी देखी, वह लेकर चलते बना। चालक ने लोगों को रोकने की कोशिश लेकिन किसी ने भी उसकी नहीं सुनी। इस दौरान किसी राहगीर ने पेटी लूटने का वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो के आधार पर फतेहगढ़ साहिब पुलिस ने मामला दर्जकर लिया है। वीडियो के आधार पर लोगों की शिनाख्त की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वीडियो में जो भी दिख रहे हैं, उनकी पहचान कर पुलिस को सूचित करें। अमृतसर निवासी ट्रक चालक कुलजिंदर सिंह ने बताया कि वह अपने क्लीनर गुरजोत सिंह के साथ जम्मू-कश्मीर से 1265 पेटी सेब लेकर ओडिशा व झारखंड जा रहा था। गांव राजेन्द्र गढ़ के पास ट्रक के आगे चल रही कार के

चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी, जिससे ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में उन्हें चोट आई तो राहगीरों ने उनको ऑटो में बैठाकर अस्पताल भेज दिया। वहां से वह मरहम पट्टी करवाकर वापस आया तो देखा कि लोग उसके ट्रक से सेब की पेटियां निकालकर भाग रहे हैं। सेब की पेटियां लूटने के दौरान ट्रक चालक कुलजिंदर सिंह चीखता रहा लेकिन उसकी किसी ने सुनीं। वह फोन पर किसी को कहता रहा कि क्या यही पंजाब है। पंजाब के लोग तो एक सेब भी चोरी का नहीं खाते, यहां पर ट्रक से 1265 पेटियां लोग उठाकर भाग गए। मैं कैसे किसी को रोक सकता हूं। इस दौरान वह रोने लगा और फोन पर उसने कहा कि पंजाबी ऐसे नहीं होते हैं ? लोगों ने एक भी पेटी नहीं छोड़ी। सब लूटकर ले गए। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया। कनाडा, यूके और अन्य देशों में भी लोगों ने इस वीडियो को खूब देखा। पंजाब में हुए इस शर्मनाक हादसे को देखकर पंजाबी समुदाय के लोगों में काफी रोष है। वैंकुवर से वरिष्ठ लेखक गुरप्रीत सिंह सहोता ने कहा कि इस वीडियो ने पंजाबी भाईचारे का सिर शर्म से झुका दिया है। पंजाबी तो लंगर लगाकर दूसरों की मदद करते हैं लेकिन यहां घायल चालक बैठा चीख रहा है और लोग सेब की पेटियां उठाकर भाग रहे हैं। वहीं, कई लोग ट्रक चालक की मदद के लिए आगे आए हैं। कनाडा से कुनाल ने कहा कि पंजाबी शर्मसार हो गए हैं। मैं और मेरे साथी इस पूरे ट्रक का खर्च वहन करने को तैयार हैं। कनाडा में पंजाबी समुदाय के लोगों में खासा रोष है। राजविंदर सिंह व गुरप्रीत सिंह ने भी ट्रक का पूरा खर्च वहन करने का ऐलान किया है। बस्सी पठाना स्टेशन के डीएसपी अमरप्रीत सिंह ने बताया कि ट्रक से लोग 90 फीसदी सेब उठाकर ले गए हैं। इनमें से कुछ लोगों की शिनाख्त हो गई है, जिनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस इस मामले में दबिश भी दे रही है। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे लोगों की सूचना तुरंत पुलिस थाने में दी जाए। यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है जिसमें ड्राइवर का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। चोरी करने वाले लोग बख्शे नहीं जाएंगे।

राइस मिल का ब्वायलर का हिस्सा धंसा, दो मजदूर दबे

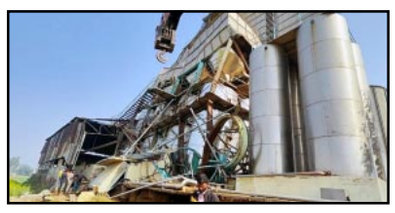

जींद (हि.स.)। सफीदों नगर के हाट रोड स्थित एक राईस मिल के ब्वायलर का एक हिस्सा देर रात अचानक धंस गया। जिससे इस ब्वायलर पर काम कर रहे 5 मजदूरों में से 2 मजूदर नीचे दब गए और 3 मजदूरों ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई। जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त राईस मिल में एक बड़ा बलास्ट हुआ। जैसे ही सुबह हुई तो मजदूरों के परिजनों में हादसे को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई और वह सुगबुगाहट किसी राहगीर ने सुन ली। जब जाकर उसे इस घटनाक्रम की सूचना सफीदों प्रशासन व पुलिस को दी। सूचना पाकर प्रशासन में हडकंप मच गया। तभी एसडीएम सत्यवान मान व सिटी थाना प्रभारी सुरेश कुमार जेसीबी मशीन व क्रेन लेकर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू चलाया। दब गए दोनों मजदूर बिहार के बताए गए है। रेस्क्यू के दौरान एक दबे मजदूर का शव तो बरामद हो गया। समाचार लिखे जाने तक दूसरे मजदूर की तलाश जारी थी। मिली जानकारी के अनुसार नगर के हाट रोड स्थित एटीएस राइस मील में रात को ब्लायलर पर काम चल रहा था। जिस पर 5 मजदूर काम कर रहे थे। अचानक ब्लास्ट के साथ ब्वायलर के पश्चिमी छोर की ड्राईल मशीन का हिस्सा नीचे धंस गया। हादसा होते ही 3 मजदूर तो कूदकर निकलने में कामयाब हो गए लेकिन सबसे ऊपर काम कर रहे दो मजूदर इसमें दब गए। दबे हुए मजदूरों की पहचान सूरज (24) निवासी कोरई बेगूसराय बिहार तथा नितिश (20) निवासी कपूरी चौंक समस्तीपुर बिहार के रूप हुई है। इस मामले की किसी को भी रात में जानकारी नहीं लगी। बच गए तीनों मजूदर भी सदमें में आ गए थे और वे किसी को कुछ बताने की स्थिति में नहीं रहे। सुबह तक जब उन्होंने होश संभाला और उन्होंने इसकी चर्चा मिल में काम करने वाले अन्य मजदूरों व परिवारों से की तो मामला उजागर हुआ।

दंपति को डंपर ने कुचला, मौत

जोधपुर (हि.स.)। जोधपुर के एक दंपती को पाली जिले रोहिट कस्बा क्षेत्र में डंपर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से जोधपुर के उनके पैतृक निवास पर शोक छा गया। पाली जिला पुलिस ने इस बारे में कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि हादसे में 65 साल के दूदाराम मेघवाल और उनकी 62 साल की पत्नी सोना देवी की मौत हो गई। दंपती जोधपुर के मंडोर में कीर्ति नगर के रहने वाले थे। दूदाराम के पुत्र रविंद्र ने बताया कि उसके पिता रातानाडा स्कूल से हेड मास्टर के पद से रिटायर हुए थे। उन्हें खेती का शौक था। इस कारण पाली के मादड़ी के पास जमीन खरीदी थी और तारामीरा की फसल कर रखी थी। माता-पिता सुबह मादड़ी के पास फार्म हाउस पर गए थे।

राज्यवर्धन राठौड़ ने राजस्थान डीजीपी पर साधा निशाना, कहा-

सीकर हत्याकांड में यूपी पुलिस की तरह करके दिखाते

राजस्थान में भाजपा मुख्यालय पर मीडिया से रूबरू होते हुए भाजपा प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सीकर हत्याकांड और 24 घंटे में अपराधियों के पकड़े जाने को लेकर बड़ी बात कही है। राज्यवर्धन सिंह ने कहा, पुलिस पर किसी प्रकार का कोई शक नहीं है। पुलिस की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। लेकिन पुलिस के मुखिया में अगर दम होता तो अपराधियों से उत्तर प्रदेश पुलिस की तरह निपटते। राठौड़ ने आगे कहा, पुलिस की क्षमता पर जरा सा भी संदेह नहीं किया जा सकता। लेकिन राजस्थान में पुलिस के हाथ बंधे हैं। पुलिस को जब तक खुली छूट नहीं मिलेगी, राजस्थान में अपराधियों का इकबाल इसी प्रकार बुलंद रहेगा। अपराधियों के अंदर डर लाने के लिए पुलिस को खुली छूट देनी होगी। अगर पुलिस को खुली छूट हो तो अपराधियों की हिम्मत नहीं कि वो किसी प्रकार का अपराध करना तो दूर उसके विषय में सोच भी सकें। राठौड़ ने जयराम रमेश के बयान पर भी कहा, देश में सिर्फ भाजपा और संघ ही है जो देश को जोड़ने, देश की अखंडता को बनाए रखने और देश की संस्कृति की रक्षा करने का काम कर रहा है। कांग्रेस ने तो हमेशा देश को तोड़ने और बांटने का काम किया है। राठौड़ ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए कहा, राहुल री-लांच हो रहे हैं। इस पर करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। देश के करोड़ो रुपए राहुल गांधी पर खराब किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा को देश के युवाओं और उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

राजस्थान में कोरोना के दो नए मामले

जयपुर (हि.स.)। कोरोना संक्रमण के लिहाज से सोमवार प्रदेशवासियों के लिए राहत भरा रहा। प्रदेश केवल दो मामलों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। जबकि नौ संक्रमित रिकवर हुए हैं। इसके बाद सक्रिय मामले कम होकर 59 रह गए। चिकित्सा विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार राजसमंद व अजमेर जिले में एक-एक नए मामले में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। प्रदेश में 742 सैम्पल की जांच की गई।

सोनीपत : दिव्यांगता दिवस पर जागरूकता सभा आयोजित

सोनीपत (हि.स.)। होली फैमिली आश्रम बड़ौत गन्नौर में प्रगति समाज सेवी संस्था करनाल व दिव्यांग कल्याण एकता सोसाइटी गन्नौर सोनीपत के संयुक्त सहयोग से गन्नौर में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस समारोह किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगो व उनके अभिभावकों के सुधारीकरण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सांस्कृतिक, खेलकूद, कर्तव्य, अधिकार व अन्य सामाजिक सामाजिक गातिविधियों से संबन्धित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम किया गया। गांवों से 55 दिव्यांगजन व उनके अभिभावक शामिल हुए। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुन्दर

जैन व डॉ. संजय जैन तथा गांव बडौत के पूर्व सरपंच सुखबीर जयपाल छिकारा, सतवीर दिव्यांग कल्याण एकता सोसायटी गन्नौर सोनीपत हरियाणा महासचिव विजय खोखर और विशेष दिव्यांगजन नरेश कुमार उमेद गढ़ ने आपने जीवन के सुखद संघर्षशील कामयाबी जीवन के अनुभव सभी के साथ सांझा किए। 25 गरम कंबल, 25 कॉपी और पेन दिए। संस्था दिव्यांगजन के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। दिव्यांगजन तक सरकारी योजनाएं जैसे दिव्यांग सहायता उपकरणों की खरीद, विकालांग लोन योजना, पैंशन योजना, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने में , स्वरोजगार दिलवाने में, आर्थिक सहायता देने में दिव्यांगजन तक पहुचाते हैं। मेहमानों ने तन मन धन से दिव्यांग जनों सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज आएंगी पुष्कर

अजमेर (हि.स.)। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार 6 दिसंबर को अजमेर आएंगी। वे यहां पूरे 23 साल बाद आ रही हैं। इससे पहले जब वे देश की पहली महिला रेलमंत्री बनी थी तब अजमेर आई थी। ममता बनर्जी यहां सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह जियारत करेंगी एवं तीर्थ राज पुष्कर में सरोवर पूजन एवं ब्रह्मा मंदिर के दर्शन करेंगी। एडीएम अजमेर भावना गर्ग ने बताया कि ममता बनर्जी किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उतरेंगी, जहां से वे सड़क मार्ग से अजमेर सर्किट हाउस जाएंगी। यहां से सीएम दरगाह के लिए रवाना होंगी। उनके द्वारा अजमेर एवं पुष्कर विजिट के उपरान्त सायं 6.30 बजे किशनगढ़ एयरपोर्ट से दिल्ली प्रस्थान का कार्यक्रम है। प. बंगाल के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने अजमेर जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह एवं पुष्कर तक का रूट रिहर्सल किया।

अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे विस्थापित कश्मीरी पंडित कर्मचारी

जम्मू। लक्षित हत्याओं के बाद घाटी से वापिस जम्मू पहुंचे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने जम्मू के सुरिक्षत वातावरण में अपने स्थानांतरण की मांग को लेकर राहत आयुक्त कार्यालय पर अपना विरोध जारी रखा। वे कनाल रोड स्थित राहत आयुक्त के कार्यालय में इकट्ठे हुए और जम्मू स्थानांतरित करने की अपनी मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए धरना दिया। घाटी में उनके पुनर्वास के एक हिस्से के रूप में लगभग 4,000 कश्मीरी पंडितों को पीएम के रोजगार पैकेज के तहत कश्मीर के विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त किया गया था। प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा कि हम सरकार से सभी पंडित कर्मचारियों को कश्मीर से जम्मू स्थानांतरित करने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि वहां का माहौल हम लोगों के अनुकूल नहीं है। हम बलि का बकरा नहीं बनना चाहते हैं और बंदूकधारी आतंकवादियों को हमें मारने और हमारे परिवारों को बर्बाद करने की अनुमति नहीं देना चाहते हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने इस पूरे मामले में उपराज्यपाल के हस्तक्षेप की उम्मीदत की थी, लेकिन उल्टा हमारा वेतन रोक दिया गया है।

कैथल : बार एसोसिएशन के चुनाव में 11 उम्मीदवार मैदान में

कैथल (हि.स)। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापस लेने के दिन केवल एक उम्मीदवार द्वारा नाम वापस लिया गया है। सचिव पद के उम्मीदवार गौरव वधवा ने इस चुनाव से अपना नाम वापिस ले लिया है। इस प्रकार अब 5 पदों प्रधान, उप प्रधान, सचिव, सह सचिव और कोषाध्यक्ष के लिए कुल 11 उम्मीदवार चुनावी दंगल में डटे हुए हैं। चुनाव अधिकारी रमेश सरदाना, उप चुनाव अधिकारी पुरुषोत्तम शर्मा, विजय शर्मा, सतीश धौंस और बलवान जोहर ने बताया कि आज नामांकन पत्रों की जांच में किसी भी नामांकन पत्र में कोई त्रुटि नहीं पाई गई। दोपहर बाद नाम वापस लेने का समय तय किया गया था जिसमें सचिव पद के उम्मीदवार गौरव वाधवा ने नाम वापस ले लिया है। अब प्रधान पद के लिए जितेंद्र शर्मा और वेद प्रकाश ढुल के बीच, उप प्रधान के लिए दीपक अरोड़ा, संजम रानी और सुल्तान बनवाला के बीच, सचिव पद पर मनदीप सिंह चहल और नितेश मंगला के बीच, सह सचिव पद पर जितेंद्र कुमार और सुमन ठाकुर के बीच तथा कोषाध्यक्ष पद पर रजनी गुप्ता और संदीप शर्मा के बीच मुकाबला होगा। उप प्रधान पद पर तिकोना मुकाबला है जबकि बाकी सभी पदों पर आमने-सामने की टक्कर है। सभी उम्मीदवारों ने जोर शोर से चुनाव प्रचार आरंभ कर दिया है। सभी उम्मीदवार वकीलों के चैंबरों और उनके निवास पर जाकर वोट की अपील कर रहे हैं। अगामी 16 दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए 1161 वकील मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदाताओं को फाइनल लिस्ट बार कौंसिल चंडीगढ़ को भेज दी गई है।

सालों का इंतजार हुआ खत्म, नागरिकता मिली तो छलके खुशी के आंसू

जयपुर (हि.स.)। जयपुर जिला कलक्ट्रेट में सोमवार को 49 वर्षीय गायत्री की आंखें उस वक्त छलक आईं, जब कई सालों के इंतजार के बाद उन्हें भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) मोहम्मद अबूबक्र ने नौ पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण-पत्र सौंपे। गायत्री के साथ ही 36 वर्षीय दर्शन लाल, 43 वर्षीय नसीबन, 66 वर्षीय वाटूमल, 59 वर्षीय डॉ. अशोक कुमार, 48 वर्षीय कन्हैयालाल, 40 वर्षीय जेवरलाल, 34 वर्षीय संगीता बाई और 40 वर्षीय ज्ञानचंद को भी भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र की सौगात मिली। नागरिकता प्रमाण-पत्र मिलने के बाद डॉ. अशोक कुमार ने जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। वहीं, दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले कन्हैयालाल ने कहा कि घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद ना केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) मोहम्मद अबूबक्र ने भारतीय नागरिकता हासिल करने वाले सभी पाक विस्थापितों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि जिला प्रशासन नागरिकता के आवेदनों पर प्राथमिकता से नियमानुसार कार्रवाई कर प्रमाण-पत्र जारी करता है ताकि आवेदक किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

जयपुर में पहला स्किन डोनेशन : आग में झुलसे लोगों को लगाई जा सकेगी नई त्वचा, मिलेगा नया जीवन

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में रक्तदान, अंगदान, नेत्रदान और देहदान के बाद अब स्किन का दान भी शुरू हो गया है। सोमवार को सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में बने स्किन बैंक में पहला स्किन डोनेशन हुआ है। चिकित्सकों का कहना है कि अनिता दुनिया से जाने के बाद चार लोगों को नई जिंदगी दे गई। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार जैन ने बताया कि रविवार देर रात एक बजे वैशाली नगर निवासी 60 वर्षीय महिला अनिता गोयल को कार्डियक अरेस्ट हुआ था। परिजन उसे पास के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद महिला के परिजन ने स्किन डोनेशन का निर्णय किया। डॉ. जैन ने बताया कि करीब सवा एक बजे उनके पास फोन आया।

इसके बाद वे डॉ. अनुप, डॉ. नरपत सिंह, डॉ. आशा और नर्सिंगकर्मी राजेश गोयल के साथ निजी अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने आइसीयू में महिला की पीठ और पैर की स्किन ली। इस प्रक्रिया में करीब दो घंटे का समय लगा। इसके बाद स्किन को बैंक में स्टोर किया गया। डॉ. जैन ने बताया कि कैडेवर मरीज की स्किन को सुरक्षित रखने के यहां पुख्ता इंतजाम है। उक्त महिला की स्किन को पांच वर्ष तक सुरक्षित रखा जा सकता है। ये स्किन आग से झुलसे चार से पांच व्यक्तियों को लगाई जा सकेगी। एसएमएस अस्पताल में प्रदेशभर से आग के हादसों में 35 से 50 फीसदी तक झुलसे कई मरीज आते हैं। ऐसे मरीजों के शरीर में प्रोटीन लॉस और इलेक्ट्रोलाइट फ्लूड की कमी के कारण संक्रमण का खतरा होता है। मजबूरन उन्हें उनकी ही स्किन लगाई जाती थी। जिससे उन्हें रिकवर होने में भी समय लगता था। अब ऐसा नहीं होगा। बैंक से उन्हें स्किन उपलब्ध हो जाएगी। जिससे उन्हें खतरे से बचाया जा सकेगा। हालांकि वर्तमान में इसके लिए वेटिंग जैसी बात नहीं है। स्किन डोनेशन के लिए लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

e-Tender No. Sil/02B/2022-23

TENDER NOTICE

E-tenders are hereby invited from reputed Govt registered Firm/Supplier for supply of the following items under SOPD scheme.The details of the bid documents will be available in e-procurement portal website www.assamtenders.gov.in. Tenders will be received by the undersigned on or before **20th December 2022 up to 2:00 PM (IST)** and will be opened in the same day at **2:30 PM (IST).**

The rates should be put including all taxes & levies

The intending tenderer shall quote the rate in rupees in figure & words.

Sl No.	Items	Specifications	Value (₹)
1	Digital camera 1 No.	NIKON Z5 Kit with NIKKOR Z 24-200 mm f/4-6.3 lens	4,87,500.00 *(Rupees Four Lakhs eighty-seven thousand five hundred) only*
2	Binoculars 2 Nos.	NIKON 7549 Monarch 7 10×42	
3	GPS Handset 2 Nos.	GARMIN GPS Map 78s	
4	Hygrothermometer 5 Nos.	Any Model	
5	Photostat Machine with Scanner 1 No.	Canon iR c3226	

-- Janasanyog /C/15385/22

Silviculturist, Assam
Basistha, Guwahati-29

लोन और एफडी के लिए अब भी सही वक्त, अब ज्यादा महंगा नहीं होगा कर्ज

नई दिल्ली।
लोन की दरें अब इसके बाद बढ़नी मुश्किल है या फिर बहुत कम बढ़ेंगी। जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की भी ब्याज दरें इस बार बढ़ने के बाद स्थिर हो सकती हैं या आगे चलकर थोड़ी-बहुत इसमें वृद्धि हो सकती है। दरअसल, बैंकों के कर्ज की वृद्धि अब सालाना स्तर पर 17 फीसदी के करीब हो गई है।

आरबीआई के हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 नवंबर को समाप्त हफ्ते में बैंकों की कुल उधारी 133.29 लाख करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले यह 113.96 लाख करोड़ रुपये थी। इसी समय में जमा की वृद्धि दर केवल 9.30 फीसदी रही है जो कि 177.15 लाख करोड़ रुपये रही थी। एक साल पहले यह 162 लाख करोड़ थी। यानी सीधे-सीधे बैंकों को अगर 17 फीसदी की उधारी की वृद्धि दर बनाए रखनी है तो उनको जमा पर ब्याज दर बढ़ाना ही होगा। क्योंकि जमा की तुलना में कर्ज की मांग दोगुना के करीब है।

एफडी में निवेश का है अच्छा मौका – इस बार भी आरबीआई की एमपीसी बैठक में दरों को बढ़ाने का फैसला लिया जाएगा। हालांकि, यह पहले की तुलना में कम होगी। ऐसी स्थिति में आगे भी एफडी या जमा पर ब्याज दरें बढ़ जाएंगी। निवेशकों को एक बेहतर ब्याज पर निवेश का मौका मिलेगा।

बात फिक्स्ड डिपॉजिट दर की – पिछले चार बार में रेपो दर में 1.90प्रतिशत की वृद्धि के बाद एफडी की दरें भी ऊपर चली गई हैं। छोटे बैंक इस समय 8 से 8.50प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। हालांकि निवेशक चाहें तो कुछ एनसीडी में दांव लगा सकते हैं जहां अभी पांच साल के निवेश पर सालाना 10प्रतिशत से ऊपर ब्याज मिल रहा है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के मुख्य अर्थशास्त्री सुवोदीप रक्षित कहते हैं कि आरबीआई रेपो दर में 0.35प्रतिशत की बढ़त कर सकता है। निर्णय सर्वसम्मति से होने की संभावना नहीं है। घरेलू मांग स्थिर बनी हुई है। हालांकि वैश्विक मांग में कमी का जोखिम बढ़ रहा है। इससे भारत की आर्थिक वृद्धि दर पर असर पड़ने का अनुमान है। बाहरी क्षेत्र की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई ज्यादा बनी हुई है। हालांकि, कमोडिटी की कीमतों में कमी आई है। कच्चे तेल की कीमतों में हालिया गिरावट भी उत्साहजनक है। हालांकि यह अनिश्चित है कि यह बनी रहेगी या नहीं। ये कारक आरबीआई को दर वृद्धि की गति को धीमा करने में कुछ विश्वास प्रदान करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पहले बड़ी मछलियों पर करें कार्रवाई, नशीले पदार्थों की तस्करी पर बोलीं वित्तमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को प्रवर्तन एजेंसियों से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल बड़ी मछलियों पर कार्रवाई करने को कहा और कहा कि उन्हें यह पता लगाने की जरूरत है कि देश में अवैध ड्रग्स का पहाड़ कौन भेज रहा है। मंत्री ने कहा कि राजस्व खुफिया अधिकारियों को प्रत्येक मामले को जल्द से जल्द तार्किक निष्कर्ष पर लाने का प्रयास करना चाहिए, यह कहते हुए कि तस्कर निश्चित रूप से कुछ संकेत या कार्यप्रणाली छोड़ देंगे और इसका उपयोग मुख्य संचालकों तक पहुंचने के लिए किया जाना चाहिए जो वास्तव में ऑपरेशन के पीछे हैं। सीतारमण ने कहा कि आप छोटे-छोटे फेरीवालों, तस्करों, खच्चरों को पकड़ रहे हैं। क्या यह पर्याप्त है जनता का विश्वास हासिल करने के लिए यह बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं है। क्या आप ऐसे मामलों के बड़े संचालकों को आमने-सामने लाने में सक्षम हैं जो पर्दे के पीछे हैं। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि डीआरआई अधिकारी अपराध के मुख्य अपराधियों तक पहुंचने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अधिक वैश्विक समन्वय के लिए अधिक पहुंच का निर्माण करें। सीतारमण ने कहा, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि तस्कर आपसे अधिक चालक न हों। हमें कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। नशीले पदार्थों के पाउच या एक किलोग्राम कोकीन के साथ किसी को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं है।

प्रवासी कामगारों ने भारत भेजा सबसे ज्यादा पैसा, पहली बार किसी देश का रेमिटेंस 100 अरब डॉलर

नई दिल्ली। भारत रेमिटेंस (प्रवासी द्वारा अपने मूल देश भेजा जाने वाला पैसा) अर्जित करने में अन्य देशों के मुकाबले सबसे आगे है। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में भारत का रेमिटेंस 100 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। पिछले साल की तुलना में यह 7.5 प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में 89.4 अरब डॉलर रेमिटेंस भारत आया था, जो 2022 में 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं, भारत के बाद रेमिटेंस अर्जित करने वाले देशों में मैक्सिको, चीन, फिलीपींस, मिस्र व पाकिस्तान के टॉप टेन में रहने की उम्मीद है। इसमें मैक्सिको का 60 अरब डॉलर, चीन का 51 अरब डॉलर, फिलीपींस का 38 अरब डॉलर, मिस्र का 32 अरब डॉलर और पाकिस्तान का 29 अरब डॉलर रेमिटेंस आने की उम्मीद जताई गई है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया में रेमिटेंस इस साल करीब 3.5 प्रतिशत बढ़कर 163 अरब डॉलर पहुंच गया है। हालांकि, सभी देशों के बीची बड़ी असमानता है।

भारत के सेवा क्षेत्र के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि, नवंबर में तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पहुंचा

नई दिल्ली। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के सेवा क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि नवंबर में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि अनुकूल मांग की स्थिति के बीच व्यापार प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस वृद्धि का संकेत तब मिला जब एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्तूबर में 55.1 से बढ़कर नवंबर में 56.4 हो गया। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोग नवीनतम विस्तार को मांग शक्ति, सफल विपणन और बिक्री में निरंतर वृद्धि से जोड़ते हैं। लगातार 16वें महीने, हेडलाइन का आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर था। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर के इंडेक्स का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय सेवा प्रदाताओं ने 2022 के पीएमआई डेटा के साथ नए कारोबार और आउटपुट में तेजी से वृद्धि दिखाते हुए मजबूत घरेलू मांग का लाभ उठाना जारी रखा।

बिनोमो दे रहा है भारतीयों को बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज जीतने का बहुत बड़ा मौका

नई दिल्ली ।
5 से 30 दिसंबर तक बिनोमो साल की सबसे ब्राइटेस्ट ट्रेडिंग इवेंट वर्ल्ड ट्रेडिंग कप: बैक इन टाइम को शुरू करने जा रहा है। सोचिए एक ऐसा इवेंट जहां पर सबसे बड़े पुरस्कारों को जीतने के लिए भारतीय ट्रेडर्स अन्य देशों के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे और इस इवेंट में बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज मुख्य पुरस्कार है। बिनोमो प्लेटफॉर्म स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है। प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर्ड सभी ट्रेडर चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। दूसरे लोगों को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए न्यूनतम राशि जमा करने की आवश्यकता होगी।

इस चैपियनशिप में बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज जीतना स्पष्ट रूप से प्रतिभागियों का मुख्य लक्ष्य होगा। इसके अलावा, यह भी जानना जरुरी है कि वर्ल्ड ट्रेडिंग कप प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 300,000 है। प्रत्येक प्रतिभागी बिना किसी शर्त के पुरस्कार और व्यक्तिगत साप्ताहिक रैफल दोनों का इंतजार करेगा। इसमें मुख्य पुरस्कार को छोड़कर अन्य पुरस्कारों के बारे में पहले से ही जानकारी होती है। जिसमें एप्पल डिवाइस, मूल्यवान प्रमाण पत्र, साथ ही विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार भी हैं। इन पुरस्कारों को परंपरागत रूप से 1 से 3 स्थान पर आने वाले को दिया जाता है। इस प्रतियोगिता में ट्राफियों की कुल संख्या 1,100 है।

ट्रेडर्स के मार्ग – बिनोमो का मिशन एक ऐसा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बनना है जो हर किसी के लिए असली भावनाएं लाता है और यह भी सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी इवेंट और अवसर भी सुलभ हों। इसी कारण

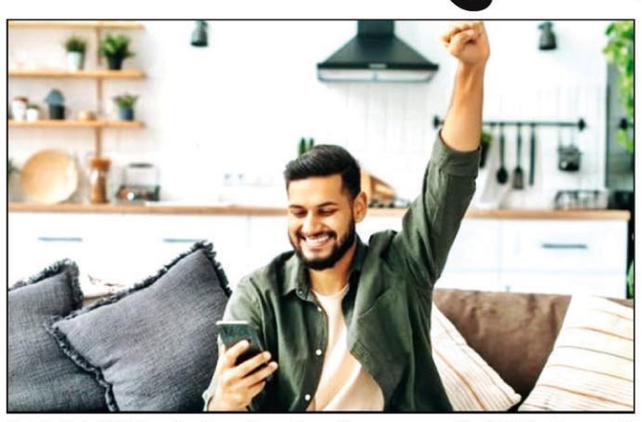

से, बिनोमो ने ट्रेडिंग की दुनिया में सबसे बेहतरीन आयोजन किया है और लोगों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। बिनोमो समझता है कि प्रतिस्पर्धी भावना और गेमिफिकेशन कई उपयोगकर्ताओं पर भारी पड़ता है। इसलिए इस बात को ध्यान में रखकर चैंपियनशिप को डिजाइन किया गया था। जिसमें व्यक्तिगत स्थान विजेताओं के साथ कई प्रतियोगिताओं का आविष्कार किया गया। चैंपियनशिप के भीतर व्यापारियों को मिलने वाले अंकों का एक एनालॉग भी बनाया गया था। यह बायन्स के बारे में है – यह अंक के एनालॉग का नाम है। चैंपियनशिप के भीतर प्रतियोगिताओं में से किसी एक की शर्तों के आधार पर व्यापारियों को एक निश्चित राशि प्राप्त होगी। सामान्य विचार यह है: जीत उनकी संख्या पर निर्भर करेगी।

प्रतियोगिताएं – वर्ल्ड ट्रेडिंग कप चैंपियनशिप में कई प्रतियोगिताएं होंगी। जिन्हें 50 डेली चैलेंज और स्प्रिंट्स एडवेंचर कहा जाता है। जिनकी अलग-अलग शर्तें और अलग-अलग पुरस्कार हैं। मगर इन सभी की तिथियां समान हैं: जो 5 से 24 दिसंबर तक चलेंगे। जीतने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए व्यापारी अपनी पसंद की किसी भी प्रतियोगिता को चुन सकते हैं या एक साथ भाग ले सकते हैं।

50 डेली चैलेंज – अधिक से अधिक ट्रेड्स का मतलब है ज्यादा से ज्यादा रिजल्ट। प्रत्येक दिन पहले 50 ट्रेडों को करने के लिए दिए जाते हैं। सभी ट्रेडों में प्रत्येक को 1 बायोन स्कोर मिलता है, और प्रत्येक सफल ट्रेड के लिए 2× बायॉन्स दिए जाते हैं। इस प्रतियोगिता में शीर्ष 3 ट्रेडर्स 2,300 के पुरस्कार पूल को आपस में बाटेंगे। सबसे अधिक बियॉन वाले 100 ट्रेडर .10,000 के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए फाइनल डेली में प्रवेश करते हैं। फाइनल डेली 26 से 30 दिसंबर तक होगा।

स्प्रिंट एडवेंचर – प्रत्येक स्प्रिंट के लिए अलग रजिस्ट्रेशन आवश्यक है। इसलिए आपके पास हर चीज के लिए पर्याप्त समय है, और कोई भी चीज छूटेगी नहीं। स्प्रिंट्स में, बियॉन्स की संख्या यूएसडी में ट्रेड राशि के बराबर होती है। ट्रेडों की संख्या की कोई सीमा नहीं है। हर ट्रेड के लिए बियॉन्स दिए जाते हैं।

हर सफल ट्रेड के लिए दिए जाते हैं – उदाहरण के लिए: .150 की एक ट्रेड राशि 150 अरब लाएगी, लेकिन एक सफल .150 ट्रेड 300 अरब लाएगा। गणना करने के लिए में ट्रेड स्वचालित रूप से में परिवर्तित हो जाएंगे। सबसे ज्यादा ट्रेडर्स जीतते हैं। वीआईपी उपयोगकर्ताओं के पास दोगुने बड़े पुरस्कारों के साथ अपने स्वयं के स्प्रिंट्स रोमांच होंगे। प्रत्येक स्प्रिंट में 20 विजेता स्वचालित रूप से फाइनल स्प्रिंट के लिए आगे बढ़ते हैं और उनके पास ग्रैंड पुरस्कार, बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज जीतने का सुनहरा अवसर होता है। साथ ही, प्रत्येक स्प्रिंट में 20 विजेता, मुख्य पुरस्कार के अलावा, .15,000 के अतिरिक्त बढ़े हुए पुरस्कार पूल के लिए प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। फाइनल स्प्रिंट 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक चलेगा और फाइनल में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को अलग से रजिस्ट्रेशन कराने की जरूरत नहीं है। प्रत्येक सोमवार, 12 दिसंबर से शुरू होकर, ट्रेडर रैंडम लाटरी के पुरस्कारों में से एक पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं। किसी एक मिशन के लिए रजिस्ट्रेशन होना और रियल खाते पर कम से कम 1 ट्रेड करना पर्याप्त है। कुल 3 रैफल होंगे, जिसके भीतर 150 ट्रेडर्स को उनके पुरस्कार प्राप्त होंगे। 50 डेली और स्प्रिंट्स प्रतियोगिताओं में ट्रेडर्स को 4 से 20 वें स्थान पर रखा गया है, उन्हें जोखिम मुक्त ट्रेड प्राप्त होंगे। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष 3 ट्रेडर्स के लिए पुरस्कार उनके वास्तविक बिनोमो खातों में जमा किए जाएंगे। डब्ल्यूटीसी में भाग लेने के लिए, व्यापारियों को अपने वास्तविक बिनोमो खातों का उपयोग करना चाहिए।

लगातार दूसरे दिन गिरावट में बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 33 अंक गिरकर 62,834 पर बंद हुआ, रिलायंस और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स

नई दिल्ली।
भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (5 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 33 अंकों की गिरावट के साथ 62,834 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में लगातार दूसरे दिन यह गिरावट आई है। वहीं निफ्टी 5 अंक बढ़कर 18,701 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 15 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं 15 शेयरों में ही तेजी रही।

रिलायंस-टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स – अपोलो हॉस्पिटल, रिलायंस, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, ब्रिटानिया, डॉ रेड्डी समेत निफ्टी के 23 शेयरों में गिरावट रही। वहीं हिंडाल्को, टाटा स्टील, कोल इंडिया, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड समेत निफ्टी के 27 शेयरों में तेजी देखने को मिली।

मेटल सेक्टर में 1.87प्रतिशत की तेजी रही एनएसई – 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में तेजी रही। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.87प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बैंक सेक्टर में 1.20प्रतिशत की तेजी रही। इन दोनों के अलावा बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी तेजी रही।

पिछले हफ्ते बाजार में रही थी तेजी – पिछले हफ्ते शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स पिछले पांच कारोबारी दिन में 482.24 अंक यानी 0.77प्रतिशत चढ़ा। निफ्टी में 176.50 अंक यानी 0.95प्रतिशत की तेजी रही थी। वहीं बाजार में पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (2 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 415 अंकों की गिरावट के साथ 62,868 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 116 अंक गिरकर 18,696 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार 8 दिनों की तेजी के बाद यह गिरावट आई थी।

बाजार ने 1 दिसंबर को ऑल टाइम हाई बनाया था – बाजार ने 1 दिसंबर को नया रिकॉर्ड बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,583.07 के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। इसके बाद यह 184 अंक की तेजी के साथ 63,284 के स्तर पर बंद हुआ था। इसके साथ ही सेंसेक्स ने अपना नया क्लोजिंग हाई भी बनाया था।

सोने में निवेश का अच्छा समय, बेहतर मुनाफा कमाने का मौका, 62000 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच सकता है सोना

नई दिल्ली।
वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में शादियों का सीजन शुरू हो गया है। 14 दिसंबर तक चलने वाले शादियों के सीजन में सोने की मांग बनी हुई है। मौजूदा वैश्विक और घरेलू हालातों की वजह से आगे भी इसमें तेजी रहने का अनुमान है। कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोने में निवेश करने का अच्छा मौका है क्योंकि अगले साल तक घरेलू बाजार में पीली धातु की कीमत 62,000 के स्तर पर पहुंच सकती है। अभी यह 54,000 के आसपास है। अमेरिका में खुदरा महंगाई दर में नरमी और नौकरियों के आंकड़ों में सुधार से वहां के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने आक्रामक रुख के बजाय ब्याज दरों में धीमी गति से बढ़ोतरी करने का संकेत दिया है। डॉलर सूचकांक 114 से गिरकर 104 के स्तर पर आ गया है। भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। मंदी की आशंका के बीच दुनियाभर में महंगाई लगातार बढ़ रही है। इन वजहों से सोने में तेजी दिख रही है और आगे भी बनी रहेगी। कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव से दुनियाभर के शेयर

बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। इससे सोने सहित अन्य जिंसों की कीमतों में तेजी आई और निवेशकों में सुरक्षित साधन के रूप में पीली धातु की मांग बढ़ी। यही वजह है कि बीते धनतेरस सिर्फ एक दिन में देश में 39 टन सोना बिका और यह मांग अब भी बनी हुई है। अनुमान है कि 14 दिसंबर तक चलने वाले शादियों के सीजन में 1.50 लाख करोड़ रुपये तक का सोना बिक सकता है। इस दौरान करीब 32 लाख शादियां होनी हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक, दुनियाभर के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं। इससे पीली धातु की मांग इस साल सितंबर तक 28प्रतिशत बढ़कर 1,181 टन पहुंच गई।

ओएनजीसी और ओआईएल के नए गैस उत्पादन पर 20 फीसदी प्रीमियम की सिफारिश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी और ओआईएल को पुराने क्षेत्रों से नई गैस के उत्पादन के लिए कीमतों पर 20 फीसदी प्रीमियम मिल सकता है। सरकार की ओर से किरीट पारिख की अगुवाई में नियुक्त गैस मूल्य समीक्षा समिति ने इसकी सिफारिश की गई है। समिति ने सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पुराने क्षेत्रों से निकलने वाली प्राकृतिक गैस पर पांच साल के लिए मूल्य सीमा लागू करने की सिफारिश भी की है। सीएनजी और रसोई गैस-पीएनजी की कीमतों में नरमी लाने के लिए ऐसा किया जाएगा। समिति ने पिछले सप्ताह पेट्रोलियम मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) के ओल्ड फील्ड से निकलने वाली गैस के लिए मूल्य सीमा तय करने की सिफारिश की गई है।

आरबीआई की बैठक: ब्याज दर बढ़ाने का हो सकता है ऐलान, इस साल अब तक 1.90प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा नीति की बैठक शुरू हो चुकी है जो 7 दिसंबर तक चलेगी। इसके खत्म होने के बाद आरबीआई 7 दिसंबर को क्रेडिट पॉलिसी का ऐलान करेगी। जानकारों के अनुसार आरबीआई मौद्रिक समीक्षा नीति की बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। उम्मीद है कि आरबीआई रेपो रेट में 0.35प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। फिलहाल रेपो रेट 5.90प्रतिशत है।

मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4प्रतिशत पर स्थिर रखा था, लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40प्रतिशत बढ़ाकर 4.40प्रतिशत कर दिया था।

22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50प्रतिशत इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40प्रतिशत से बढ़कर 4.90प्रतिशत हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50प्रतिशत बढ़ाया गया जिससे ये 5.40प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके बाद सितंबर में ब्याज दर बढ़ाकर 5.90प्रतिशत की गई। रेपो रेट वह दर है जिस परे आरबीआई द्वारा बैंकों को कर्ज दिया जाता है। बैंक इसी कर्ज से ग्राहकों को लोन देते हैं। रेपो रेट कम होने का अर्थ होता है कि बैंक से मिलने वाले कई तरह के लोन सस्ते हो जाएंगे, जबकि रिवर्स रेपो रेट, रेपो रेट से ठीक विपरीत होता है। रिवर्स रेट वह दर है, जिस पर बैंकों की ओर से जमा राशि पर आरबीआई से ब्याज मिलता है। रिवर्स रेपो रेट के जरिए बाजारों में लिक्विडिटी, यानी नगदी को नियंत्रित किया जाता है।

10 हजार नहीं, अब 20,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करेगी अमेजन

कंपनी के कई टॉप मैनेजर्स को भी निकाला जाएगा, 2023 तक जारी रहेगी छंटनी

नई दिल्ली।
दिग्गज टेक एंड ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन जल्द ही बड़े लेवल पर छंटनी कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन अगले कुछ महीनों में 10 हजार नहीं, बल्कि 20,000 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकालने का प्लान बना रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी अपने कई डिपार्टमेंट्स में से एम्प्लॉइज की संख्या कम करेगी और कई टॉप मैनेजर्स को भी निकालेगी।

इन 2 कारणों की वजह से कंपनी कर रही छंटनी – रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम्प्लॉइज की छंटनी में कंपनी के टेक्नोलॉजी, कॉरपोरेट, डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर समेत कई डिपार्टमेंट्स के एम्प्लॉइज शामिल होंगे। कंपनी यह छंटनी इस महीने के आखिरी या फिर न्यू

ईयर के बाद तक कर सकती है। छंटनी की वजह आर्थिक मंदी के कारण कॉस्ट कटिंग और कोविड में की गई ओवर हायरिंग को बताया जा रहा है।

कुछ दिनों पहले अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने भी खुलासा किया था कि कंपनी 2023 तक कर्मचारियों को निकालना जारी रखेगी। हालांकि, उन्होंने तब यह नहीं बताया था कि कंपनी कितनी संख्या में एम्प्लॉइज की छंटनी करेगी। वहीं इससे पहले मिड-नवंबर में कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया था कि अमेजन 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने का प्लान बना रही है। हालांकि, छंटनी की संख्या अब बढ़ गई है।

एम्प्लॉइज के परफॉर्मेंस का आंकलन कर रहे मैनेजर्स

सूत्रों के अनुसार, अमेजन के एम्प्लॉइज को लेवल-1 से लेवल-7 तक रैंक किया गया है और सभी लेवलों पर कर्मचारियों के प्रभावित होने की संभावना है। कंपनी ने मैनेजर्स को एम्प्लॉइज के परफॉर्मेंस का आंकलन करने के लिए कहा है। इसके बाद छंटनी की प्रोसेस शुरू की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 हजार एम्प्लॉइज कंपनी के कॉर्पोरेट स्टाफ के करीब 6प्रतिशत और टोटल 1.5 मिलियन वर्कफोर्स के लगभग 1.3प्रतिशत के बराबर है।

छंटनी की खबर से कर्मचारियों में डर का माहौल

सूत्रों के मुताबिक, कॉर्पोरेट एम्प्लॉइज को बताया गया है कि कर्मचारियों को कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट्स के अनुसार 24 घंटे का नोटिस और सेवरेंस पे दिया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि छंटनी की खबर सामने आने के बाद कंपनी के कर्मचारियों में डर का माहौल है।

अमेजन के पास 31 दिसंबर 2021 के आंकड़े के मुताबिक, 15 लाख से ज्यादा फुल टाइम और पार्ट टाइम एम्प्लॉइज हैं। इसमें से 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी अमेजन के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी।

श्रीराम ग्रुप की इन दो कंपनियों का विलय, जुगल किशोर महापात्रा चेयरमैन चुने गए

नई दिल्ली । श्रीराम ग्रुप की दो कंपनियों श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी और श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस का विलय पूरा हो गया है। दोनों कंपनियों के विलय की घोषणा पिछले वर्ष की गई थी। सोमवार को श्रीराम फाइनेंस की ओर से मर्जर प्रक्रिया पूरा कर लेने की जानकारी दी गई। मर्जर के बाद कंपनी को श्रीराम फाइनेंस के रूप में जाना जाएगा और कंपनी का नेट वर्थ करीब 40,900 करोड़ रुपये का होगा। कंपनी की ओर से कहा गया है कि इस विलय के बाद कंपनी का एयूएम करीब 1,17,000 करोड़ रुपये का होगा। कंपनी फिलहाल भारत में 6.7 मिलियन (67 लाख) उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं मुहैया करा रही है। मर्जर की प्रक्रिया पूरी करने की घोषणा के दौरान कंपनी के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन उमेश रेवांकर, एमडी व सीईओ वाईएस चक्रवर्ती, व कंपनी के सीएफओ पराग शर्मा मौजूद थे।

बाक्स आफिस पर अजेय साबित हुई दृश्यम 2 भेड़िया और एन एक्शन हीरो काफी पीछे छूटीं

मुंबई (ईएमएस)। अजय देवगन स्टारर दृश्यम-2 रिलीज हुए 15 दिन पूरे हो चुके हैं और इतने दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में जबरदस्त कमाई की है। फिल्म ने पहले हफ्ते में जहां 100 करोड़ से ज्यादा कमाए थे वहीं दूसरे हफ्ते में यह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर चौथी सबसे बड़ी ग्रॉसर बन गई है। आलम ये है कि इसकी सेहत पर हालिया रिलीज फिल्मों से भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। डायरेक्टर अभिषेक पाठक की दृश्यम 2 का जलवा रिलीज के 15 दिन बाद भी कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म ने 15.38 करोड़ से घरेलू बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था तो यह रफ्तार अभी तक रुकने का नाम नहीं ले रही है। दृश्यम 2 का पहले हफ्ते में कुल कलेक्शन 104.66 करोड़ रहा। तो दूसरे हफ्ते में फिल्म 58.82 करोड़ के साथ ही इंडियन बॉक्स ऑफिस पर दूसरे हफ्ते में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी फिल्म बन गई है। दृश्यम 2 ने रिलीज के 15वें दिन वर्ल्ड वाइड 240 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। तो वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 4.20 करोड़ के करीब की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 167.68 करोड़ के लगभग पहुंच गया है। अगल ओवरसीज की बात करें तो फिल्म ने लगभग 42.15 करोड़ इस मार्केट से कमाए हैं। दृश्यम 2 अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है और इसके लिए राहत की बात ये है कि 25 नवंबर को रिलीज हुई वरुण धवन की भेड़िया और इसी शुक्रवार को आयुष्मान खुराना की एन एक्शन हीरो दोनों मिलकर भी अजय देवगन की फिल्म का कुछ नहीं बिगाड़ पा रहीं। दृश्यम 2 अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अजेय बनी हुई है।

उर्फी ने शेयर किया अपना एक नया वीडियो

-टॉपलेस आ रही हैं नजर

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अपने कपड़ों के साथ एक्सपेरिमेंट करने के चलते हमेशा सुर्खियों में छाई रहती हैं। उर्फी ने अपना एक नया वीडियो शेयर किया है जिसमें वह टॉपलेस नजर आ रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए उर्फी ने ट्रोल्स पर भी निशाना साधा है। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर किया है जिसमें वह एक बोर्ड पर कुछ लिखती नजर आ रही हैं। वीडियो में उर्फी एक ब्लैक एंड व्हाइट पैंट में दिखाई दे रही हैं। जिसमें हाथों के प्रिंट हैं। उर्फी ने कैमरे की ओर पीठ की हुई है और अचानक से मुड़ती हैं। कैमरा जैसे ही बोर्ड पर फोकस करता है जिसमें लिखा होता है- वह पागल हैं और अब भी बेनाम हैं। उर्फी जावेद वीडियो में केनवास की ओर मुंह किए दिखाई दे रही हैं। उर्फी जावेद ने किंग के वायरल गाने मान मेरी जान के साथ अपना वीडियो शेयर किया जो बैकग्राउंड में चल रहा है। उर्फी के वीडियो की उनके सेलिब्रिटी फ्रेंड्स ने जमकर तारीफ की है। भारत की पहली ट्रांसजेंडर अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी क्वीन नाज जोशी ने भी उर्फी के पैंट की तारीफ की है। उर्फी के पोस्ट से साफ है कि उन्होंने सीधे तौर पर ट्रोल्स पर तंज कसा है। उर्फी ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- उस बोर्ड पर क्या लिखा है? वीडियो पर कई यूजर्स ने रिएक्शन दिए हैं। कविता कौशिक ने भी उर्फी के वीडियो पर रिएक्शन दिया है और उनसे उनके पैंट की डिमांड की है। वीडियो में उर्फी का अंदाज यूजर्स को बिलकुल पसंद नहीं आ रहा है। कई ने उनके हाफ नेकेड लुक को लेकर उन पर निशाना साधा है और एक बार फिर अभिनेत्री को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि वैसे तो सभी सितारे अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करते दिखाई दे जाते हैं लेकिन जब बात उर्फी जावेद की आती है तो हर कोई उनके लुक्स से अब वाकिफ हो चुका है। उनके अजब-गजब लुक वायरल होते रहते हैं। इस बीच अभिनेत्री ने एक बार फिर अपने नए अवतार से हर किसी को हैरान कर दिया है।

सनी लियोनी ने की ड्रेस की तारीफ तो उर्फी जावेद ने कहा मुझे टक्कर दे सकती हो कपड़ों को नहीं - अभिनेत्री उर्फी जावेद उस समय स्प्लिट्सविला 14 में नजर आ रही हैं। इसमें वह न सिर्फ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपने बॉन्ड के कारण चर्चा में हैं बल्कि उनके आउटफिट भी हर किसी का ध्यान खींच रहे हैं। स्प्लिट्सविला 14 की होस्ट और एक्ट्रेस सनी लियोनी भी उर्फी के ड्रेसिंग स्टाइल की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सकीं। उर्फी ने जो कपड़े पहने थे उन्हें देख अर्जुन बिजलानी भी चलो इश्क लड़ाएं सॉन्ग गाने लगे। सनी लियोनी ने उर्फी जावेद से कहा उर्फी आपका आउटफिट बहुत सुंदर है और बीचवेयर के लिए एकदम परफेक्ट है। तुम जिस तरह के कपड़े चुनती हो वह मुझे बहुत अच्छा लगता है और यह वाला तो कमाल का है। उर्फी जावेद ने कहा मैं अपने यूनीक ड्रेसिंग सेंस के लिए जानी जाती हूं। आप मुझे टक्कर दे सकती हैं लेकिन मेरे आउटफिट को टक्कर नहीं दे सकतीं। मेरे कपड़े ऐसे होते हैं जिनके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। स्प्लिट्सविला 14 में उर्फी जावेद की को-कंटेस्टेंट कशिश ठाकुर के साथ दोस्ती की चर्चा है। उर्फी ने हाल ही इंस्टाग्राम पर फैंस संग बातचीत के दौरान कशिश की तारीफ की थी। उर्फी जावेद ने कहा था कि उन्हें कशिश ठाकुर बहुत पसंद हैं और वह उनके दिल के बेहद करीब हैं। हालांकि उन्होंने कशिश ठाकुर को सिर्फ दोस्त बताया। उर्फी जावेद हाल ही चेतन भगत संग बहस को लेकर भी चर्चा में रहीं। लेखक चेतन भगत ने हाल ही एक साहित्यिक महोत्सव में उर्फी जावेद का नाम घसीटा था जिसे लेकर दोनों के बीच खूब कहा-सुनी हुई थी।

रेड कार्पेट पर वापस लौटीं न्यू मॉम सोनम कपूर ड्रामाटिक गाउन में उड़ाए सबके होश

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में मां बनी बालीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर अपने बेटे वायु को जन्म देने के तीन महीने बाद फैशन गेम में वापस आ गई हैं। अपने पहले बच्चे को जन्म देने के बाद सोनम अपनी पहली रेड-कार्पेट प्रेजेंस के लिए सुर्खियां बटोर रही है। सोनम ने अपने शानदार लुक के साथ लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए सऊदी अरब के लिए उड़ान भरी जिससे उनके पति आनंद आहूजा सहित सभी लोग उनके दीवाने हो गए। 2 दिसंबर 2022 को सोनम कपूर आहूजा ने अपने आईजी को संभाला और ड्रैमेटिक रेड गाउन में खुद का एक वीडियो शेयर किया। सोनम ने रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में जबर्दस्त एल्ट्री मारी और लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अपने बालों को एक स्लीक बन में बांधकर सोनम ने रेड कार्पेट पर ग्लैम मेकअप चुना। वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा आफ्टर ए व्हाईल। इस बीच सोनम कपूर ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल में वैनिटी फेयर डिनर में पीले रंग का फ्लेयर्ड गाउन पहना। उनके भव्य पहनावे में नेकलाइन पर एक ड्रैमेटिक पैटर्न दिखाई दिया। हैवी ज्वेलरी के साथ सोनम ने लंबे झुमकों की एक जोड़ी के साथ अपने लुक को पूरा किया और काफी स्टनिंग दिखीं। वाकई सोनम का लुक देखने लायक था! सिर्फ हमे ही नहीं सोनम कपूर ने अपनी बहन रिया कपूर और पति आनंद आहूजा को भी हैरान कर दिया है। अपनी आईजी स्टोरीज को शेयर करते हुए रिया ने पीले गाउन में सजी सोनम की एक शानदार तस्वीर साझा की और इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे न्यू मॉम अपने फैशन गेम को शानदार ढंग से पेश कर रही हैं। आनंद ने अपने आईजी हैंडल पर रिया की कहानी को फिर से शेयर किया और अपनी प्यारी पत्नी सोनम की हौसला अफजाई की। तस्वीर शेयर करते हुए रिया ने लिखा फीडिंग ट्रेडिंग एंड ओवरऑल ममाइंग व्हाईल अलसो डूइंग दिस! बॉलीवुड की फैशनिस्टा के रूप में जानी जाने वाली सोनम कपूर हमेशा ग्लैमर की दुनिया में अपने शानदार लुक से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रही हैं।

पठान की शूटिंग की गई 8 देशों में

बालीवुड एक्टर शाहरुख खान की अपकमिंग एक्शन फिल्म पठान की शूटिंग दुनिया के आठ देशों में की गई है। यह कहना है निर्देशक सिद्धार्थ आनंद का। आनंद के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग स्पेन यूएई तुर्की रूस और साइबेरिया इटली फ्रांस भारत और अफगानिस्तान में की गई है ताकि एक शानदार एक्शन थ्रिलर पेश किया जा सके। सिद्धार्थ कहते हैं लोकेशन हमेशा मेरी फिल्मों में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं और वे पठान के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं क्योंकि हम दर्शकों के लिए एक ऐसा एक्शन तमाशा पेश करना चाहते हैं जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा हो। द्रश्यों में उस पैमाने और विविधता को हासिल करने के लिए हमने फिल्म और इसके भव्य एक्शन द्रश्यों की शूटिंग के लिए आठ देशों के चक्कर लगाए। उन्होने आगे कहा-हमने दुनिया के कुछ सबसे दूरस्थ और सबसे उत्कृष्ट स्थानों में शूटिंग की है जिसने हमें एक ऐसा द्रश्य अनुभव बनाने में मदद की है जो इमर्सिव और आउटलैंडिश है।

जेटशेन लामा की परफॉर्मेंस देखकर हैरान हो गई अभिनेत्री हेमा

छोटे परदे का मशहूर रियलिटी शो सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स में 1974 में आई फिल्म हाथ की सफाई के गाने तू क्या जाने ओ बेवफा में प्रतियोगी जेटशेन लामा की परफॉर्मेंस देखकर अभिनेत्री हेमा मालिनी दंग रह गईं। 9 साल की कंटेस्टेंट की परफॉर्मेंस के बाद हेमा ने कहा आप सच में अविश्वसनीय हैं मैं सोच भी नहीं सकती थी कि कैमरे के पीछे इतनी शांत रहने वाली उसके जैसी लड़की इस तरह गा सकती है। उन्होंने प्रतियोगी की सराहना करते हुए कहा मुझे लगा कि एक छोटी सी शमीली लड़की मंच पर आई है लेकिन आपके प्रदर्शन को देखने के बाद मैं कह सकती हूं कि मूल गीत भी ऐसा नहीं था जिस तरह से आपने इसे गाया था। बहुत सुंदर। सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स को नीति मोहन शंकर महादेवन और अनु मलिक जज कर रहे हैं। यह जी टीवी पर प्रसारित होता है। मालूम हो कि हेमा एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना हैं और उन्होंने जॉनी मेरा नाम सीता और गीता राजा जानी दर्द कुदरत अंदाज हम दोनों प्रेम नगर जुगनू अन्य जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया है। उन्होंने राजेश खन्ना धर्मेंद्र अमिताभ बच्चन और अन्य जैसे कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया है।

नोरा ने भारतीय झंडे को उल्टा पकडा हुई आलोचना

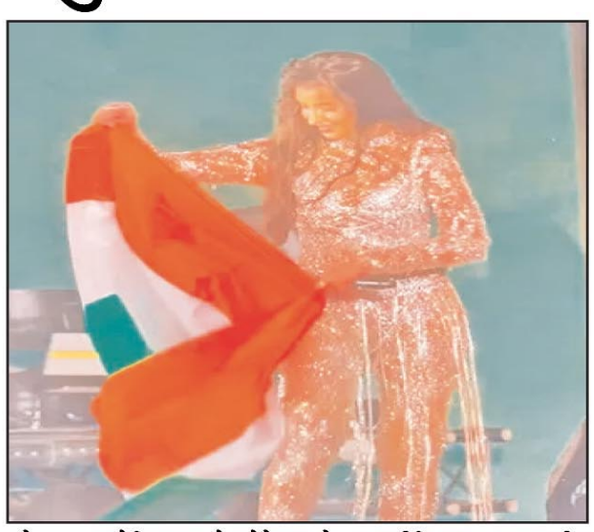

बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने फीफा फैन फेस्ट में परफॉर्म में भारतीय झंडे को उल्टा पकड़ लिया इसके बाद उनकी जमकर आलोचना हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में नोरा को भारतीय ध्वज लहराते हुए और अंतरराष्ट्रीय मंच पर जय हिंद कहते हुए एक झिलमिलाती पोशाक पहने देखा जा सकता है। तिरंगा थामे एक्ट्रेस कह रही हैं जय हिंद!! जोर से जोर से जय हिंद। वह कहती हैं भारत फीफा विश्व कप का हिस्सा नहीं है लेकिन अब हम अपने संगीत और नृत्य के माध्यम से जोश में हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने देखा कि उसने राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा पकड़ रखा है। नोरा ने मंच पर पड़े भारतीय ध्वज को उठाया फिर उसे लहराया लेकिन हवा के झोंके के कारण झंडा उल्टा हो गया। अनजाने में उसने झंडे को अपनी हथेलियों में पकड़ लिया। पूरे सोशल मीडिया पर भारतीय नाखुश थे और नोरा की भारतीय ध्वज का अपमान करने के लिए आलोचना की।

धीरज ने आबाद में आमना के साथ काम के अनुभव किया साझा

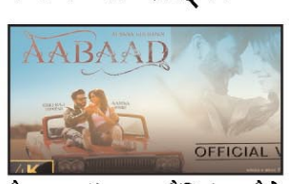

टीवी अभिनेता धीरज धूपर ने नवीनतम ट्रैक आबाद में आमना शरीफ के साथ अपने काम किया और इस के अनुभव के बारे में बात की। धीरज कहते हैं इस तरह के प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा था। मुझे खुशी है कि मैं इस संगीत वीडियो का हिस्सा हूं और मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। गीत दिल को छू लेने वाला है और मुझे विश्वास है कि यह इस साल का सबसे अच्छा प्रेम गीत होने जा रहा है। धीरज ससुराल सिमर का कुछ तो लोग कहेंगे के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने सा रे गा मा पा डीआईडीः बैटल ऑफ द चैंपियंस जैसे रियलिटी शो की भी मेजबानी की और हाल ही में झलक दिखला जा 10 और शेरदिल शेरगिल में नजर आए। वहीं आमना शरीफ को भी कही तो होगा कुमकुम कसौटी जिंदगी की 2 समेत अन्य में देखा गया था। निमार्ता अफसाना खेरानी का कहना है टीवी इंडस्ट्री के दो चेहरों के बीच की केमिस्ट्री इसे एक परफेक्ट रोमांटिक ट्रैक बनाती है।

सामने आई हंसिका मोटवानी की संगीत एवं हल्दी सेरेमनी की झलक

हिंदी एवं साउथ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हंसिका मोटवानी 4 दिसंबर यानी आज अपने बॉयफ्रेंड सोहेल कथुरिया के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इस बीच उनकी संगीत एवं हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें व वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को हंसिका-सोहेल की संगीत का ग्रैंड फंक्शन रखा गया। संगीत सेरेमनी के दौरान हंसिका ने पिंक कलर कैरी किया और सोहेल ब्लैक शेरवानी में बेहद स्टाइलिश नजर आए। वीडियो में हंसिका होने वाले पति सोहेल के साथ रोमांटिक अंदाज में डांस करती नजर आईं। रविवार की सुबह अभिनेत्री की हल्दी सेरेमनी भी धूमधाम से सेलिब्रेट हुई, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा हंसिका मोटवानी व्हाइट एंड यैलो कलर के शरारे में नजर आ रही है। साथ ही बैकग्राउंड में बड़े-बड़े सूरजमुखी के फूलों का सेट बना हुआ था। हंसिका मोटवानी और सोहेल आज जयपुर के शाही महल मुंडोता फोर्ट में शादी रचाएंगे। शादी में आने वाले मेहमानों का स्वागत ठेठ राजस्थानी अंदाज में किया जाएगा। शादी की रस्मों के दौरान खास मेहमानों के लिए राजस्थानी ड्रेस सिलवाई गई हैं।

सूडोकु नवताल- 6540

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6539 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 7604

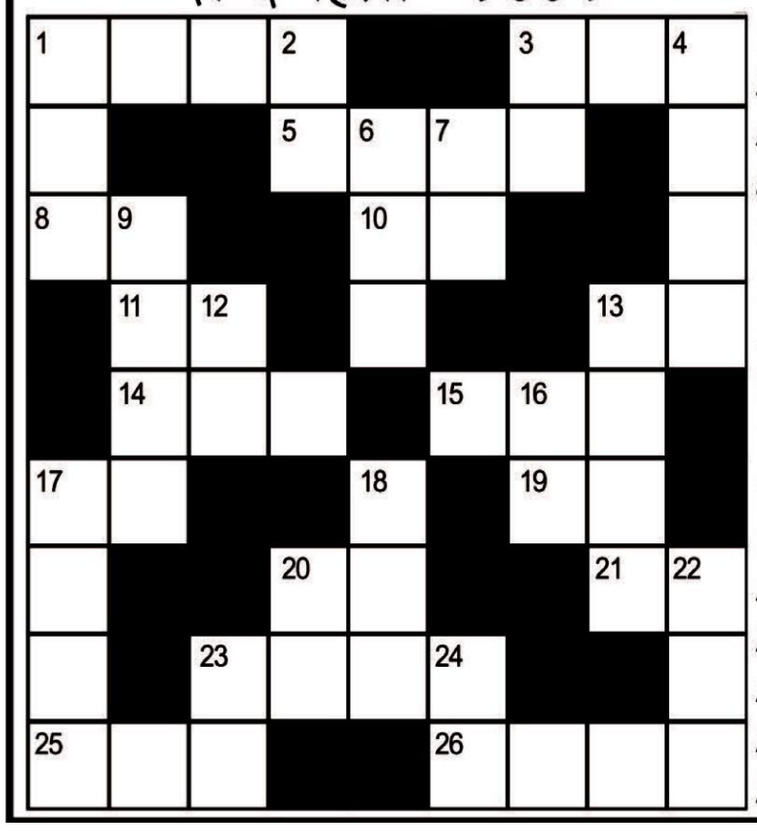

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 7603 का हल

फि	त	र	त	■	स	ला	म	त
रं	■	त	ल	ब	गा	र	■	मी
गी	ला	■	■	द	■	■	ह	ज
■	ल	■	क	न	क	■	म	■
ध	कि	या	ना	■	या	या	व	र
■	ता	■	त	म	स	■	त	■
ऐ	ब	■	■	ना	■	■	न	न
न	■	ख	ल	ना	य	क	■	क
क	र	त	ब	■	म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय फुटबॉल संघ ने 2027 एशिया कप की मेजबानी छोड़ी, सऊदी अरब का मेजबान बनना तय

नई दिल्ली ।
भारत ने 2027 एएफसी एशिया कप की मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि इस समय बड़े टिकट वाले इवेंट की मेजबानी करना उसकी प्राथमिकताओं में नहीं है। भारत ने पहले 2027 एशिया कप की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की थी, लेकिन अब भारत ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में सऊदी अरब इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए एकमात्र दावेदार है। सऊदी अरब को पहले ईरान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों ने भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी में रुचि दिखाई थी, लेकिन ये दोनों देश भी अक्तूबर में मेजबानी की रेस से बाहर हो गए थे। इसके बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए बोली लगाने वाले देशों में भारत और सऊदी अरब ही बचे थे। प्रफुल्ल पटेल के एआईएफएफ अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने 2020 में बहुत धूमधाम के साथ इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए बोली लगाई थी। हालांकि, एआईएफएफ के नए अध्यक्ष कल्याण चौबे की अगुआई वाले मौजूदा बोर्ड का मानना है कि जमीनी स्तर पर फुटबॉल संरचना की नींव बनाना और युवा खिलाड़ियों का विकास बड़े आयोजनों की मेजबानी से अधिक महत्वपूर्ण है। एआईएफएफ ने अपनी कार्यकारी समिति के हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा, महासंघ के रणनीतिक रोडमैप के अनुसार एआईएफएफ प्रबंधन को लगता है कि बड़े आयोजनों की मेजबानी करना महासंघ की रणनीतिक प्राथमिकताओं में फिट नहीं बैठता है। हमारा वर्तमान ध्यान एएफसी एशियन कप जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी करने से पहले उचित फुटबॉल संरचना की नींव बनाने पर है। एआईएफएफ के रणनीतिक रोडमैप का एलान इस महीने के अंत में किया जाएगा। चौबे ने कहा कि भारत हमेशा बड़े टूर्नामेंटों के लिए एक अद्भुत और कुशल मेजबान रहा है, जैसे हाल ही में संपन्न फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप, लेकिन अब ध्यान देश के फुटबॉल को जमीनी स्तर से लेकर युवा विकास तक हर स्तर पर मजबूत करने पर केंद्रित होगा। ईसी ने फैसला किया है कि महासंघ की समग्र रणनीति वर्तमान में जमीनी स्तर से लेकर युवा विकास तक हर स्तर पर हमारे फुटबॉल को मजबूत करने के मौलिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने पर बनी हुई है। साथ ही, हमें अपने हितधारकों, विशेष रूप से राज्य संघों को भी मजबूत करना चाहिए और घरेलू स्तर पर फुटबॉल के हर पहलू में बदलाव लाने के लिए क्लबों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। इस महीने रोडमैप की घोषणा होने पर ऐसे सभी पहलुओं को सही मायने में लागू किया जाएगा। एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, हमारी रणनीति बहुत सरल है। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की योजना बनाने से पहले हमें प्राथमिकता के आधार पर खेल को विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप के बहाने इस्लाम का प्रचार कर रहा कतर! टूर्नामेंट के दौरान क्यों भाषण दे रहे धर्मगुरु

दोहा । फीफा विश्व कप का मेजबान देश इस्लाम का प्रचार करने के लिए इस टूर्नामेंट का फायदा उठा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कतर पहुंच फुटबॉल के लाखों फैंस को धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए अलग-अलग तरकीबें अपनाई जा रही हैं। कतर पहला मुस्लिम देश है, जिसे फीफा विश्व कप की मेजबानी का मौका मिला है। गैस से संपन्न यह देश अपनी खास मस्जिद के जरिए फुटबॉल फैंस को इस्लाम की तरफ आकर्षित कर रहा है। कनाडा के डोरिनेल और क्लारा पोपा ने दोहा में तुर्क-शैली की मस्जिद में अजान में शामिल होने की बात सुनी। दीवारों पर नीले और बैंगनी रंग की टाइलों के शानदार मोजेक के कारण इसे दोहा की नीली मस्जिद के रूप में जाना जाता है। एक गाइड कनाडा के जोड़े को घुमाने ले गया, जहां एक विशाल झूमर और शानदार इंटीरियर ने उन्हें अपनी तरफ आकर्षित किया। 54 वर्षीय एकाउंटेंट डोरिनेल पोपा ने कहा कि यह जोड़ा इस्लाम पर नजर डाल रहा था। उन्होंने कहा दूसरों के संपर्क में कमी के कारण हमारी संस्कृति को लेकर लोग पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। 52 वर्षीय डॉक्टर और उनकी पत्नी ने कहा, हमारे दिमाग में कुछ विचार हैं और अब शायद उनमें से कुछ बदल जाएंगे। कतर गेस्ट सेंटर, जो ब्लू मस्जिद की देखरेख करता है, ने टूर्नामेंट के लिए दुनिया भर से दर्जनों मुस्लिम प्रचारकों को कतर लाया है। मस्जिद के बाहर अरबी कॉफी और खजूर के साथ इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद की व्याख्या करने वाली विभिन्न भाषाओं में किताबें हैं। सीरियाई स्वयंसेवक जियाद फतेह ने कहा कि विश्व कप लाखों लोगों को इस्लाम से परिचित कराने एक धर्म के बारे में गलत धारणाओं को बदलने का एक अवसर है जिसे पश्चिम में कई लोग कट्टरपंथ से जोड़ते हैं। हम लोगों को नैतिकता, परिवार के बंधन के महत्व और पड़ोसियों और गैर-मुस्लिमों के प्रति सम्मान के बारे में अधिक समझाते हैं।

विश्व कप खेल रहे इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी के घर में लूट, टीम का साथ छोड़ परिवार के पास लौटा

दोहा । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक रहीम स्टर्लिन टीम का साथ छोड़ घर लौट रहे हैं। रहीम के घर में कुछ हथियारबंद लोगों ने घुसपैठ की थी। इसके बाद उन्होंने टीम का साथ छोड़ कतर से घर लौटने का फैसला किया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी टीम का मुकाबला मजबूत फ्रांस के साथ है और इस अहम मैच में स्टर्लिंग के उपलब्ध रहने पर संदेह है। वह इस अहम मैच से बाहर रह सकते हैं। यह मैच शनिवार को होना है। इस लिहाज से स्टर्लिन के पास घर जाकर लौटने का भी समय रहेगा। इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने बताय कि चेल्सी के फॉरवर्ड को पारिवारिक मामले से निपटने के लिए समय दिया गया है। इसी वजह से वह सेनेगल के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे। हालांकि, उनकी टीम ने यह मैच 3-0 से अपने नाम किया था। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, स्टर्लिंग के घर को हथियारबंद घुसपैठियों ने तोड़ दिया, जबकि उनका परिवार शनिवार की रात वहीं था। इंग्लैंड के प्रबंधक गैरेथ साउथगेट ने कहा, फिलहाल स्पष्ट रूप से प्राथमिकता उनके लिए अपने परिवार के साथ रहना है।

वनडे टीम की कप्तानी करना बिल्कुल पसंद करूंगा : न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के मध्य क्रम के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने कहा कि वह एक दिन सीनियर वनडे टीम की कप्तानी करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि मैच में विशेषता के दौरान उन्हें नेतृत्व करने में आनंद मिलता है। वर्तमान में, न्यूजीलैंड के पास केन विलियमसन उनके सभी प्रारूप में कप्तान हैं। 'द रन होम' शो में फिलिप्स ने कहा, मैं निश्चित रूप से इसे पसंद करूंगा। मैंने इसे युवा क्रिकेट में कुछ वर्षों तक किया है और नेतृत्व समूह काफी विस्तृत है और मुझे वहां अपने तरीके से काम करना अच्छा लगेगा। मुझे वास्तव में लोगों के आसपास रहने और पुश करने की कोशिश करने में मजा आता है।'' 25 वर्षीय फिलिप्स एक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं, जो सीमित ओवरों के क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए प्रभावशाली रहे हैं। वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी के कुछ ओवर भी कर सकते हैं, जिसका मतलब है कि वह भविष्य में न्यूजीलैंड के लिए वास्तव में एक ऑल-राउंड विकल्प हो सकते हैं।

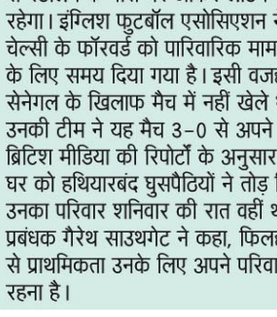

वर्ल्ड कप से कतर के पर्यटन में बूम

पड़ोसी देशों में 200प्रतिशत तक बढ़ा, 2030 तक हर साल 60 लाख पर्यटक आएंगे

दुबई।
20 नवंबर से शुरू हुआ फीफा वर्ल्ड कप आधा पड़ाव पार कर चुका है। अंतिम 16 टीमें चुन ली गई हैं। कतर को उम्मीद थी कि 18 दिसंबर को फाइनल तक 15 लाख विदेशी पर्यटक आएंगे। हालांकि उम्मीद से अधिक रिस्पॉन्स मिलने से कतर समेत आसपास के खाड़ी देशों की बांछें खिल उठी हैं। फर्स्ट राउंड के मैच तक ही 8 लाख से अधिक पर्यटक कतर पहुंच चुके हैं। 28.9 लाख टिकट बिक चुके हैं। ऐसे में रिकॉर्ड संख्या में फैंस पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

कतर भले ही वर्ल्ड कप की दौड़ से बाहर हो गया, लेकिन उसने दुनियाभर के फैंस का दिल जीत लिया है। दरअसल, पर्यटकों को लुभाने के लिए कतर ने ऐसी पहल की, जो पहले किसी देश ने नहीं की थी। कतर ने विदेशी पर्यटकों के लिए वीसा की जरूरत ही खत्म कर दी। वर्ल्ड कप से पहले कतर की शराब नीति और समलैंगिक राइट्स पर सवाल उठाए गए, लेकिन उसने साबित कर दिया कि इच्छाशक्ति हो तो सब कुछ संभव है। 48 मैच हो जाने के बाद भी न कोई बवाल हुआ, न मारपीट हुई।

19 वर्षीय स्पोर्ट्स एक्टिविस्ट एली मिल्सन के हवाले से लिखा है, 'जब मैं इंग्लैंड से कतर आ रही थी, तो संरक्षक के रूप में पिता को साथ लिया। मैंने सोचा था कि मैंने अंग प्रदर्शन किया तो गिरफ्तार हो जाऊंगी या प्रताड़ित किया जाएगा, लेकिन यहां तो सब बदला हुआ है। न कोई बदतमीजी दिखी, न लड़कियों पर नस्लभेदी टिप्पणी। मैं ब्रिटेन में बुरे अनुभव से गुजर चुकी हूं। मैं चाहती हूं कि ऐसा खूबसूरत माहौल

ब्रिटेन में भी हो।

मेजबान देश आयोजन सफल बनाने के लिए कसर नहीं छोड़ते। यह कतर में भी साबित हो रहा है। फीफा ने सदस्य महासंघों से कहा है कि उसने कतर से चार साल की डील में 60,750 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड रेवेन्यू हासिल किया है। यह रूस में 2018 में हुए वर्ल्ड कप की आय से 8,100 करोड़ रु. अधिक है। पर्यटकों का सैलाब देखते हुए कतर को उम्मीद है कि 2030 तक हर साल यहां 60 लाख पर्यटक आएंगे।

कतर की होटलों में 45 हजार कमरे हैं, जहां 5 लाख लोग रुक सकते हैं। इसलिए कई पर्यटक नजदीकी देशों दुबई, रियाद, ओमान, मस्कट में रुके हैं। यहां से फैंस 60 से 90 मिनट की शटल फ्लाइट लेकर कतर पहुंचते हैं और मैच देखकर 24 घंटों में लौट जाते हैं। एनालिटिक्स फर्म फॉरवर्डकीज के मुताबिक, फीफा के चलते अरब देशों से ओमान आने वाले पर्यटकों की संख्या 200प्रतिशत बढ़ी है।

अल हिंद ट्रेवल के मैनेजर सलमान अहमद बताते हैं, 'हमने कतर में कभी इतने विदेशी एक साथ नहीं देखे।' दोहा में रहने वाले और पेशे से इंजीनियर उन्नीकृष्णनन बताते हैं, 'मैं यहां 10 साल से नौकरी कर रहा हूं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हम भीड़ को लेकर थोड़े चिंतित थे, लेकिन चीजें इतनी व्यवस्थित हैं कि लग ही नहीं रहा कि 10 लाख फुटबॉल फैंस इस देश में टहल रहे हैं।

कतरा-कतरा कोशिश से बनी बात - पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग के लिए ओलिंपिक और नेशनल फुटबॉल लीग में भेजा। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस समेत 13 देशों की पुलिस की मदद ली है।

शराब को लेकर रणनीति बनाने के लिए 2019 में फीफा क्लब वर्ल्ड कप कराया। एल्कोहल पर बैन इसी से लिया सबक था।

टूर्नामेंट चलने तक सभी दफ्तर महज 4 घंटे खुल रहे हैं। 80प्रतिशत स्टाफ घर से काम कर रहा है। शिक्षा-सत्र एक महीने आगे बढ़ा दिया गया है।

मेसी-एमबापे वर्ल्डकप इतिहास में सबसे ज्यादा 9 गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ी

सक्रिय यानी जो अभी रिटायर नहीं हुए और उनकी टीमें इस वर्ल्डकप से बाहर नहीं हुई हैं। सुपर-16 में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। मेसी ने 1 गोल किया। दूसरी ओर, फ्रांस ने पोलैंड को 3-1 से हराया। 2 गोल एमबापे ने किए। इसी के साथ मेसी और एमबापे के वर्ल्डकप इतिहास में 9-9 गोल हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों के पास पेले (12 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है।

एम्बापे ने तोड़ा पेले का 60 साल पुराना रिकॉर्ड, मेसी की बराबरी की, रोनाल्डो भी पीछे छूटे

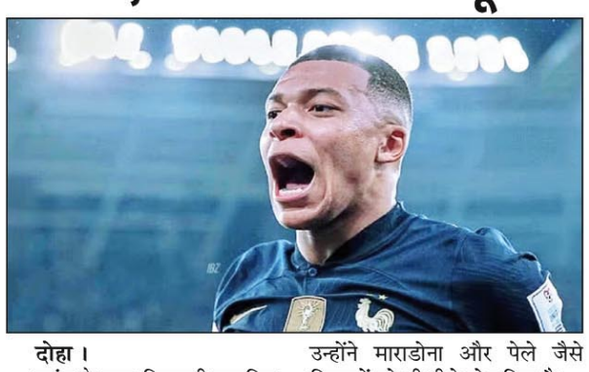

दोहा ।
फ्रांस के स्टार खिलाड़ी काइलिन एम्बापे शानदार फॉर्म में हैं और हर मैच में नए कीर्तिमान हासिल कर रहे हैं। फीफा विश्व कप 2022 के प्री क्वार्टर फाइनल मैच में उन्होंने पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और अपनी टीम को 3-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ फ्रांस की टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और एम्बापे ने एक साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने फीफा विश्व कप में गोल करने के मामले में रोनाल्डो को पीछे छोड़ मेसी की बराबरी कर ली। इसके अलावा एम्बापे ने पेले का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप में कुल 20 मैच खेले हैं और आठ गोल दागे हैं। वहीं, एम्बापे सिर्फ 11 मैच खेलकर ही फीफा विश्व कप में नौ गोल कर चुके हैं। मेसी ने 23 मैच में नौ गोल किए हैं। 23 साल के एम्बापे अभी से ही कई दिग्गजों को पीछे छोड़ चुके हैं। वह इस विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं और दिग्गज पेले का 60 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ चुके हैं। वह 24 साल की उम्र तक फीफा में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने माराडोना और पेले जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया है।

फीफा विश्व कप में एम्बापे ने गोल करने के मामले में भले ही मेसी की बराबरी कर ली हो, लेकिन पांचवां विश्व कप खेल रहे मेसी की तुलना में यह एम्बापे का सिर्फ दूसरा विश्व कप है।

एम्बापे से जुड़े कुछ तथ्य - एम्बापे ने पिछली बार 2018 में फ्रांस को विश्वकप जिताने में मदद की थी। तब वह 19 साल की उम्र में फाइनल (बनाम क्रोएशिया) में गोल करने वाले दिग्गज पेले के बाद दूसरे सबसे युवा फुटबालर भी बने। ब्राजील के पेले ने 1958 में स्वीडन के खिलाफ फाइनल में 17 साल की उम्र में गोल किया था। गोल्डन बूट की रेस में शामिल एम्बापे को दरअसल शूज बचपन से ही बड़ा प्यार है। उन्होंने कहा था कि बचपन में मुझे नया जूता खिलौना सा लगता था। कई बार अपनी पसंद की जूतों के लिए मां के सामने जिद भी की। एक बार किसी साथी ने पहले हाफ में पहनने के लिए मांगे तो उन्होंने साफ इन्कार कर दिया। पेरिस से 11 किलोमीटर बोंडी उपनगर में उनका जन्म हुआ। बचपन में लोग उनकी तुलना फ्रांस के थियरे हेनरी से करने लगे थे।

13 राज्यों का सफर तय करेगी वर्ल्ड कप ट्रॉफी, सीएम ने ट्राफी टूर का किया आगाज

भुवनेश्वर।
हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी 2023 ट्राफी टूर का औपचारिक रूप से भुवनेश्वर में आगाज हो गया। सीएम नवीन पटनायक द्वारा ट्राफी टूर का आगाज किया गया। यह ट्राफी वर्ल्ड कप से पहले 13 राज्यों का सफर तय करेगी। सीएम नवीन पटनायक ने ट्राफी भारतीय हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हाथ में ट्राफी सौंपकर आगामी वर्ल्ड कप ट्राफी टूर की शुरूआत की।

भुवनेश्वर, राउरकेला में होंगे मैच, 16 टीम लेंगी हिस्सा - ट्राफी टूर कार्यक्रम का आगाज करते हुए सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि हॉकी वर्ल्ड कप 2023 भारत में हॉकी के प्रति युवाओं में रोमांच पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि 16 टीम इस वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी और मैच भुवनेश्वर और राउरकेला शहर में खेले जाएंगे। सीएम ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह वर्ल्ड कप यादगार रहेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ल्ड कप में हॉकी फैंस भी काफी रोमांचित होंगे। सीएम ने अपने संबोधन में जानकारी देते हुए बताया कि हॉकी वर्ल्ड कप ट्राफी 13 राज्यों और एक यूटी का सफर तय करेगी। इसके बाद 25 दिसंबर को ओड़िसा वापस लौटेगी। उन्होंने कहा कि अगले 21 दिनों में ट्राफी पश्चिम बंगाल, मनीपुर, असम, झारखंड, उत्तरप्रदेश,

पंजाब, हरियाणा, नई दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ का सफर तय करेगी। ओड़िसा वापस आने के बाद ट्राफी ओड़िसा के सभी जिलों का सफर तय करेगी।

ट्रॉफी हॉकी का गढ़ कहे जाने वाले सुंदरगढ़ के 17 ब्लॉक में भी जाएगी। इस ट्राफी का दीदार यहां के लोग भी कर सकेंगे। ट्राफी टूर दौरे का आखिरी पड़ाव राउरकेला में होगा और अंत में भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में वापसी होगी जहां फाइनल 29 जनवरी 2023 को खेला जाएगा। इस मौके पर खेल एवं युवा सेवा मंत्री तुषारकांति बेहरा, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, आयुक्त सह सचिव आर. विनील कृष्णा, कार्यकारी निदेशक हॉकी इंडिया श्रीवास्तव सहित अधिकारी एवं हॉकी खिलाड़ी मौजूद रहे।

अगर कमिंस तीन या चार दिनों में गेंदबाजी करने आते हैं तो आश्चर्य होगा : ओकीफ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑफ स्पिनर स्टीव ओकीफ का मानना है कि अगर कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस एडिलेड ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में गेंदबाजी करने के लिए आते हैं तो उन्हें वास्तव में आश्चर्य होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 164 रन की जीत में, कमिंस चोट के कारण चौथे दिन मैदान पर नहीं उतरे, जिससे स्टीव स्मिथ ने टीम की कप्तानी की। उन्होंने पहली पारी में 20.2 ओवरों में 3/34 विकेट लिए और 200 टेस्ट विकेट भी हासिल किए थे। आखिरकार, उन्होंने दूसरी पारी में बिल्कुल भी गेंदबाजी नहीं की क्योंकि ऑफ स्पिनर नाथन लियोन के 42.5 ओवर में 6/128 ने ऑस्ट्रेलिया को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिला दी। 8 दिसंबर से एडिलेड टेस्ट के साथ, कमिंस की समय पर ठीक होने की संभावना है।

पहली बार हो रहा है विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप: बीसीसीआई ने किया टीम इंडिया का ऐलान, शेफाली वर्मा को कप्तानी सौंपी

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। उसने सीनियर टीम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हरियाणा की शेफाली वर्मा को टीम का कप्तान चुना गया है। दुनिया में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पहली बार महिलाओं के अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन करने जा रही है। यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 29 जनवरी के बीच साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप खेलने से पहले टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से यह सीरीज अहम मानी जा रही है। ऐसे में बोर्ड ने सीरीज के लिए अलग से टीम घोषित की है। टी-20 सीरीज की शुरुआत 27 दिसंबर से होगा। जबकि आखिरी मुकाबला 4 जनवरी 2023 को खेला जाएगा।

पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी 16 टीमें - इसमें 16 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम को मेजबान देश साउथ अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप से टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी। सुपर सिक्स में टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल 27 जनवरी को एक ही ग्राउंड पर खेला जाएगा। उसके बाद 29 जनवरी को फाइनल खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के लिए अंडर-19 टीम - शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्ले गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी।

क्रिकेट इंडियन, फॉर्मूला अंग्रेजी

9 नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले, 6 बॉलिंग ऑप्शन...पंत की जगह राहुल फिट

मुंबई।
भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे मैच में जिस प्लेइंग-11 के साथ उतरी, उस पर इंग्लैंड की व्हाइट बॉल फिलॉसफी की छाप देखी जा सकती है। भारत ने मल्टीपल स्किलसेट वाले खिलाड़ियों को इस मैच में ज्यादा मौका देने की कोशिश की। इंग्लैंड ने इसी फॉर्मूले को अपनाते हुए पिछले कुछ सालों में वनडे और टी-20 क्रिकेट में जमकर कामयाबी हासिल की है और दोनों फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियन बन गई है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वैसे तो मेडिकल रीजन बताते हुए वनडे सीरीज से अचानक बाहर कर दिया गया, लेकिन जब आप भारत की ताजा प्लेइंग-11 और इसके पीछे की संभावित सोच को जानेंगे तो पंत से जुड़े सवाल का जवाब भी मिलने लगेगा।

पहले देखते हैं भारत की प्लेइंग-11 की खासियत - भारत की ओर से इस मैच में उतरी टीम की बैटिंग लाइनअप काफी डीप थी। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ओपनिंग की तो विराट कोहली नंबर-3 पर आए। इसके बाद श्रेयस अय्यर, केएल राहुल आए। नंबर-6 से लेकर नंबर-9 पर वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, शार्दूल ठाकुर और दीपक चाहर उतरे। इन चारों की प्राथमिक भूमिका वैसे तो गेंदबाजी है, लेकिन ये बल्लेबाजी भी अच्छी कर लेते हैं। टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट

पर अगर नजर डालें तो सुंदर, शाहबाज, शार्दूल और दीपक के साथ कुलदीप सेन और मोहम्मद सिराज मौजूद थे। यानी भारत ने ऐसी प्लेइंग-11 चुनी, जिसमें बल्लेबाजी के लिए 9 और गेंदबाजी के लिए 6 ऑप्शन मौजूद थे।

इंग्लैंड भी इसी फॉर्मूले के साथ खेलता है - वनडे और टी-20 में इंग्लैंड की टीम भी इसी फॉर्मूले के साथ उतरती है। इंग्लिश टीम की प्लेइंग-11 में अक्सर 9 से 10 खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बल्लेबाजी कर सकते हों। साथ ही 6 से 7 खिलाड़ी गेंदबाजी करने में सक्षम होते हैं। इसको बेहतर तरीके से समझने के लिए हाल ही में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में उतरी इंग्लैंड की प्लेइंग-11 को देखिए उसमें जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने ओपनिंग की। फिल साल्ट, बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक नंबर-3 से नंबर-5 तक आए। इसके बाद मोइन अली और लियाम लिविंगस्टन आए।

इंग्लिश प्लेइंग-11 के आखिरी चार खिलाड़ियों सैम करन, क्रिस वोक्स, क्रिस जॉर्डन और आदिल राशिद में करन और वोक्स अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं। इस प्लेइंग-11 में सात खिलाड़ी ऐसे थे जो गेंदबाजी कर सकते थे। इनमें स्टोक्स, मोइन, लिविंगस्टन, करन, वोक्स, जॉर्डन और राशिद शामिल थे। यानी इस टीम में बल्लेबाजी कर सकने वाले 9 खिलाड़ी और गेंदबाजी कर सकने वाले 7 खिलाड़ी शामिल थे।

फिर ये फॉर्मूला पंत के बाहर होने की वजह कैसे - ऋषभ पंत भी मल्टिपल स्किल सेट वाले खिलाड़ी हैं। वे बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग भी कर लेते हैं। फिर उन्हें क्यों बाहर किया गया इसका जवाब यह है कि इन 2 इन 1 स्किल के साथ टीम में एक खिलाड़ी पहले से मौजूद था। उसका नाम है केएल राहुल। विकेटकीपिंग इनमें से एक को ही करनी थी तो उस स्लॉट के लिए दो खिलाड़ियों को क्यों शामिल करना।

पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए भारत पर लगा जुर्माना

ढाका। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे में भारत पर स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच रेफरी के आईसीसी एलीट पैनल के रंजन मदुगले ने समय को ध्यान में रखते हुए भारत के लक्ष्य से चार ओवर कम होने का फैसला सुनाए जाने के बाद प्रतिबंध लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट मामलों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है, जो आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहता है।

जब चाहें तब बुनें मनचाहा स्वैटर

नवम्बर का महीना आते ही ऊन और सलाइयां हाथों में दिखाई देने लगते हैं. कल्पना में तरहतरह के स्वैटरों के डिजाइन आते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम अपनी कल्पना के डिजाइन को मूर्त रूप नहीं दे पाते. आइए, हम आप की इस समस्या का हल करते हैं. बुनाई बहुत अच्छी थेरैपी है, जो चिंता को दूर कर एकाग्रता लाती है. बुनाई की इतनी विविधताएं हैं कि सही ज्ञान के अभाव में हम वही डिजाइन थोड़ाबहुत इधरउधर कर बना देते हैं. जैसे ड्रैस में डिजाइन का कोई अंत नहीं उसी तरह स्वैटर भी तरहतरह के डिजाइन के बनाए जा सकते हैं. यहां हम आप के लिए ले आए हैं कुछ उपयोगी जानकारी जिस पर अमल कर के आप बुनाई कला में पारंगत हो जाएंगी. हाथ के बने स्वैटर बुटीक में महंगे मिलते हैं. इसलिए क्यों न थोड़ी सी मेहनत कर के कम खर्च में घर पर ही स्वैटर बनाएं.

हमेशा वर्धमान, ओस्वाल आदि किसी अच्छी कंपनी का ऊन इस्तेमाल करें. बच्चों के लिए बेबी वूल लें ताकि स्वैटर नरम बनें. सस्ते के चक्कर में न पड़ें वरना मेहनत व्यर्थ हो जाएगी.

- ऊन हमेशा स्वैटर से ज्यादा लें. एक व्यक्ति के हाथों से बुनाई हो तो अच्छा रहता है. कई हाथों में जाने से कसावट में फर्क आ जाने से स्वैटर की सुंदरता बिगड़ जाती है.
- डिजाइन के अलावा आप केबल, साबूदाना पैटर्न, जिगजैग डिजाइन डाल कर स्वैटर को सुंदर बना सकती हैं.
- 5-6 तरह के स्वैटर खुद आसानी से बना सकती हैं. बस, थोड़े ध्यान और जानकारी की जरूरत है.
- स्वैटर पर अगर मोती, स्टोंस और नग लगा कर बनाएं तो स्वैटर बाजार के स्वक्टर जैसा लुक देगा. आप इस स्वैटर को किसी भी पार्टी में पहन कर जा सकती हैं.
- स्वैटर पर मोती लगाते समय हमेशा बारीक सूई का इस्तेमाल करें.
- नग या मोती लगाने के लिए स्वैटर के रंग का धागा इस्तेमाल करें.
- जब भी मोती या नग टांकें तो टांकने के बाद स्वैटर के अंदर की तरफ से धागे से अलग से बांध दें ताकि मोती खुलने न पाएं.
- आप इसी प्रकार डिजाइन में भी मोती, स्टोंस, सीपियां लगा कर स्वैटर को अलग रूप दे सकती हैं.
- ग्राफ वाला स्वैटर बनाते समय
- ग्राफ के द्वारा भी स्वैटर को सुंदर रूप दिया जा सकता है
- स्वैटर पर जिन रंगों का ऊन लगा रही हों, ग्राफ के डिजाइन में वहांवहां उसी रंग का इस्तेमाल करें. इस से स्वैटर बनाने में आसानी रहती है.

फेशियल रिजुवेनेशन तकनीकों से दिखें युवा

उम्र बढने के साथ चेहरे पर उम्र के निशान दिखने लगते हैं, हम चाहते हैं कि समय रुक जाए। समय तो नहीं रुक सकता लेकिन अनेक आधुनिक तकनीकों की मदद से हम इन उम्र के निशानों को दूर रख सकते हैं। फेशियल रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट यानी चेहरे का कायाकल्प युवा दिखने और त्वचा पर बढ़ती उम्र के संकेतों को टालने के लिए किया जाता है। चेहरे के रिजुवेनेशन ट्रीटमेंट में प्रमुख रूप से कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट, टॉपिकल ट्रीटमेंट, सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट शामिल हैं।

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट चेहरे के फेशियल रिजुवेनेशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन इसके साथ ही इसमें साधारण सनस्क्रीन लगाना भी बहुत मदद करता है। चेहरे को उम्रदराजी से बचाने के लिए उचित यूवीए और यूवीबी सनस्क्रीन का उपयोग करने की सलाह भी दी जाती है क्योंकि इसका रेडिएशन टाइप 1 प्रोकोलेजन को कम कर देता है। इसके अलावा चेहरे पर हार्श डिटर्जेंट और साबुन और ज्यादा गर्म पानी के उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा ड्राई हो सकती है। कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट के बाद रोजमर्रा में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल त्वचा को युवा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

टॉपिकल ट्रीटमेंट

फेशियल रिजुवेनेशन के लिए टॉपिकल एजेंट्स की पूरी सिरीज़ उपलब्ध है लेकिन इसका असर त्वचा पर दिखे, इससे पहले आपको काफी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इनमें विटामिन सी, ट्रेटीनोइंस, अल्फा हाइड्रॉक्सिल एसिड और विभिन्न एंटीजिंग रसायनों जैसे एजेंट होते हैं।

सिस्टमेटिक एंड प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

सिस्टमिक एजेंट मूल रूप से वे होते हैं जो एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं और त्वचा को सूर्य से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इनमें विटामिन सी, विटामिन ई, कोनेजाइम क्यू, ग्रीन टीए मेलाटोनिन और सेलेनियम जैसे विभिन्न एजेंट शामिल हैं। टेस्टोस्टेरॉन और एस्ट्रोजेन जैसे हॉर्मोन भी त्वचा को जवां रखने वाले तत्व कोलेजन को बरकरार रखने में मदद करते हैं।

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट

थेरेप्यूटिक प्रॉसीजरल ट्रीटमेंट की पूरी सिरीज़ है जिसमें आपकी स्किन को देखकर तय किया जाता है, कि कौन सा उपचार आपके लिए सही रहेगा। इसमें केमिकल पील्स, माइक्रोडर्माब्रेज़न, अंडर्मोलोजी, बोट्यूलिनम टॉक्सिन, ह्यूलूरोनिक एसिड फिलर्स, सॉफ्ट टिश्यू ऑग्मेंटेशन, लेजर, इंटेंस पल्स लाइटए नॉन एब्लेटिव आरएफए फ्रेक्शनल फोटोथर्मोलिसिस, एलईडी फोटोमोड्यूलेशन शामिल हैं।

केमीकल्स पील्स

पील त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक तकनीक है, जिसके जरिए धब्बेदार और सूरज से क्षतिग्रस्त त्वचा को सुधारा जाता है। इसमें बिना सर्जरी और दर्द के त्वचा की बाहरी परत से डेड स्किन को हटाया जाता है। यह प्रक्रिया त्वचा को एक समान रंगत देती है तथा दाग-धब्बों को कम करती है। त्वचा के विश्लेषण के आधार पर सही पील का चयन किया जाता है। आजकल ज्यादातर पील जेल के रूप में उपलब्ध हैं, इसलिए इनके दुष्प्रभाव की आशंका कम होती है। इंस्टा स्कल्प्ट की कॉस्मेटिक फिजीशियन डॉ. मंजरी पुराणिक का कहना है कि डर्मा पील के जरिए त्वचा की सामान्य समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, जैसे कि- मुहांसे, पिगमेंटेशन, काले घेरे, झुर्रियां, टैनिंग, त्वचा की असमान रंगत और बनावट, इत्यादि। इस प्रक्रिया में लगभग 20 से 30 मिनट का समय लगता है जो त्वचा की संवेदनशीलता पर निर्भर है और इस प्रक्रिया को पूरा होने में 8 से 12 दिनों का समय लगता है। त्वचा और जरूरत के आधार पर पील्स मूल रूप से तीन तरह की होती हैं-

सुपरफीशियल पील्स

यह त्वचा की ऊपरी परत पर काम करता है और इसका निचली परतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इससे त्वचा तुरंत मुलायम और चमकदार हो जाती है। कुछ सुपरफीशियल पील त्वचा की निचली परत पर भी असर कर सकते हैं। सुपरफीशियल पील का उपयोग मुहांसों को कम करने, फोटो एजिंग, हाइपर पिगमेंटेशन रिजुवेनेशन (दमकती त्वचा) के लिए किया जाता है।

रोजमर्रा की ऐसी आदतें कि 40 की उम्र पर पछताना न पड़े

20 वर्ष की आयु वह आयु है, जब आप पढ़ाई के अंतिम सालों में होते हैं। ऐसे में सामने आपका करियर या तो अच्छी तरह से बना-बनाया दिखाई देता है या फिर कुछ समझ नहीं आ रहा होता है कि आगे करें तो क्या करें.... ऐसे में पेश हैं कुछ ऐसे सुझाव, ताकि आपका करियर तो अच्छा बने ही, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आप ठीक रहें, ताकि जब आपकी उम्र 40 की हो जाए, तब आप यह न सोचें कि काश 20 की उम्र से हमने ऐसा किया होता........

जल्दी उठने की आदत

सूर्योदय से पहले यानी सुबह 5 बजे उठना स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी तरह से सोने का सही समय है रात को 10.30 बजे का। ऐसा करने से आप पूरे दिन में अपने टाइम को इफेक्टिवली मैनेज कर सकते हैं। ऐसे में आपके पास पूरे दिन की तैयारी का भी खासा समय रहेगा।

प्रार्थना

प्रार्थना यानी प्रेयर किसी भी लक्ष्य के प्रति आपके निश्चय को बढ़ावा देती है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप सिर्फ प्रार्थना ही करते रहें। आप अपने लक्ष्य के अलावा अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं।

व्यायाम

रोजाना करीब 15 मिनट का व्यायाम करना आपके स्वास्थ्य को सही बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। व्यायाम का मतलब हैवी जिम नहीं है, लेकिन आपको सिंपल स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज या सुबह-सुबह जॉगिंग करना चाहिए। इसके बाद कुछ देर आपको ऐसी जगह मॉर्निंग वॉक करनी चाहिए जहां काफी पेड़-पौधे हों, क्योंकि इससे ऑक्सीजन की कमी से संबंधित समस्याएं कम होंगी।

सोशल मीडिया से दूरी

सीरियसली, अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हैं तो आपको फेसबुक, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया से दूरी बनानी होगी। यह सभी साइट्स इस तरह से बनाई जाती हैं, ताकि यह लोगों को अपनी ओर खींच सकें। और यह कुछ और नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के युवाओं को उनके लक्ष्य से दूर करके डिप्रेशन पैदा करने का काम कर रही हैं।

स्टडी और टाइम मैनेजमेंट

अपने क्षेत्र की पढ़ाई के लिए आपको रोजाना कम से कम चार घंटे का समय रखना चाहिए। अगर आप चार घंटे पढ़ाई नहीं कर सकते तो रोज कम से कम 2 घंटे की पढ़ाई तो बनती ही है, अगर आप नहीं चाहते कि 40 की उम्र पर जाकर आपको पछताना पड़े।

गालियां न दें

कुछ भी हो जाए, किसी को गाली न दें। इस बात का पूरा ध्यान रखें, आप अपने अंदर एक नया इंसान पाएंगे।

दूसरों की सलाह लें

हमेशा दूसरों से सलाह लें, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप उससे सहमत भी हों और उसे मानें। कोई सलाह दे रहा हो तो उससे बहस न करें। सिर्फ वही करें जो आपको सही लगता हो।

सभी का आदर करें

अगर आप दूसरों का आदर करेंगे तभी आपको भी आदर मिलेगा। अपने से बड़ों की, अपने पैरेंट्स की रेस्पेक्ट तो सभी करते हैं, आप अपने से छोटों की भी रेस्पेक्ट करें।

ध्यान से सुनें

जब आप किसी व्यक्ति की बात सुन रहे हों तो कभी भी उसका स्टेटस देखकर उसके बारे में राय न बनाएं। वो जो कह रहा है, उसे सुनें।

तांबे के बर्तनों से एक नहीं अनेक हैं फायदे

धातुओं में सोना, चांदी के बाद तीसरे स्थान पर तांबा आता है। मगर गुणों में तांबा नंबर एक है। भले ही आज स्टील का बोलवाला है। चम्मच, कटोरी, गिलास, थाली, कलछी, पतीला, ट्रे आदि बर्तन रसोई घर की शान हैं। ये चमचमाते बर्तन दुकानों पर हाथों-हाथ बिकते हैं। दीवाली के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। उस रोज बर्तनों की दुकानों पर भारी भीड़ होती है। आज से 60-70 वर्ष पूर्व रसोई में तांबे के बर्तन प्रयोग में लाए जाते थे। उन दिनों आज की अपेक्षा व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता था। वास्तव में तांबा स्वास्थ्य के लिए रामबाण है।

- विदेशों में हुए शोध से यह बात सामने आई है कि तांबा पेट के रोगों की अचूक दवा है।
- तांबे के बर्तन में पका खाना और तांबे के लोटे में रात्रि को रखा पानी प्रात- उठकर पीने से पेट के कृमि समाप्त हो जाते हैं तथा पेट से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं।
- तांबा ऊष्मा का सुचालक है। इस धातु के पात्र में भोजन जल्दी पकता है और ईंधन की भी बचत होती है अर्थात् आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत यहां चरितार्थ होती है।
- तांबे के पात्र में पकाए भोजन में तांबे का कुछ भाग हमारे पेट में जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
- तांबे के पात्र में रखे भोजन को हर ओर से समान ताप मिलता है। इससे भोजन का स्वाद बढ़ जाता है तथा यह अधपका नहीं रहता।
- इस धातु के पात्रों की अन्य धातुओं के पात्रों से अधिक मजबूती की गारंटी रहती है। इन बर्तनों का कई वर्षों तक उपयोग किया जा सकता है।
- तांबे के पात्रों में एसिड वाले पदार्थ पकाने से भोजन का जायका खराब हो जाता है। इसलिए अमलीय पदार्थों को तांबे के पात्र में नहीं पकाना चाहिए। कसैला स्वाद आपके भोजन का मजा किरकिरा कर सकता है।

इन जगहों के मजेदार खाने के साथ लें घूमने का मजा

आप घूमने फिरने की शौकीन हैं, जब भी मौका मिलता है अपने परिवार के साथ मनपसंद जगहों की सैर पर निकल पड़ती हैं। घूमने के साथ-साथ आपको जिस जगह जहां जा रही हैं, वहां पर मिलने वाले खास भोजन खान अच्छा लगता है, लेकिन चाह कर भी आप वहां के स्थानीय भोजन का स्वाद नहीं ले पाती हैं, इसका कारण जानकारी का अभाव है। आप जहां जा रही हैं, वहां पर कौन-से खास भोजन मिलते हैं और उन्हें कहां से खाना चाहिए की जानकारी इकट्ठी करके जायें, तो आपके घूमने का मजा दुगुना हो जायेगा आप खूबसूरत जगहों की सैर करने के साथ-साथ वहां के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद भी ले सकती हैं।

मुंबई का वड़ा-पाव

इस मौसम में समुद्री जगहों पर घूमने का आनंद ही कुछ और होता है वहां पर मैदानी इलाकों की तरह कंपकंपाती सर्दी और कुहरे का सामना नहीं करना पड़ता है। अगर आप अपने परिवार के साथ मुंबई घूमने जा रही हैं, तो फिर वहां के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना न लें। भले ही आपको हर जगह भेलपूरी मिल जाती है, लेकिन मुंबई बीच पर मिलने वाली भेल का स्वाद ही कुछ अलग होता है। भेल के साथ-साथ वड़ा-पाव, उसल पाव, बॉम्बिल फाई, सैंडविच, फलूदा फैंकीस का मजा लेना न भूलें। मुंबई के बीच के पास स्थित ढाबे और होटल में मिलने वाले सी फूड का स्वाद ही अलग होता है। आप बड़े-बड़े होटलों के बजाये छोटे रेस्टोरेंट और ढाबे पर खायें यहां मिलने वाले खाने का स्वाद ज्यादा अच्छा होता है।

बनारस की चाट

बनारस के घाट का पवित्र वातावरण, बनारसी साडि?ां, कांच की रंग-बिरंगी चूडि?ों के साथ वहां मिलने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद अनायास ही पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। आप अपने परिवार के साथ बनारस घूमने गई हैं, तो वहां से बनारसी साडि?ां खरीदने के साथ-साथ गंगा घाट और आस-पास मिलने वाले चाट और गोलगप्पे का स्वाद लेना न भूलें। जैसे गोलगप्पे यहां मिलते हैं और कहीं पर भी नहीं मिलते हैं। जाड़े में यहां पर दूध जलाकर राबड़ी बनाई जाती है, जिसे जलेबी के साथ परोसा जाता है अगर आप मीठा खाने के शौकीन हैं, तो सुबहे बनारस रेस्टोरेंट में इसे खाना न भूलें। नॉनवेजिटेरियन लोगों के लिए यहां पर होटल ललन, मदनपूरा में खासतौर पर चिकन टिक्का और अचारी मुर्ग मिलता है, जिसका स्वाद अद्भुत होता है।

दिल्ली का लाजवाब स्वाद

दिल्ली में घूमने की खूबसूरत ऐतिहासिक जगहों के साथ-साथ यहां का खाना भी लाजवाब है। दिल्ली में आपको कम से कम दाम में खाने की बेहतरीन चीजें मिल जायेंगी। चांदनी चौक के परांठे वाली गली में मिलने वाले परांठे बेहद मसहूर हैं। दुनिया भर से आने वाले पर्यटक इसका स्वाद लेना नहीं भूलते यहां पर आपको वेज और नॉनवेज परांठों की ढेरों वेरायटी मिलेगी। रमजान के मौके पर यहां पर खासतौर से नहारी या हलीम और कबाब का स्वाद लाजवाब होता है। दिल्ली के छोले-भठूरे और चाट, टिक्की, दही भल्ले, आलू की चटपटी चाट बेहद मसहूर है। ये सारी चीजें आपको हर जगह मिल जायेंगी दिल्ली घूमने आई हैं, तो इन सारी चीजों का स्वाद लेना ना भूलें।

अरुणाचल प्रदेश की तिब्बती डिश

अगर आप घूमने-फिरने के साथ-साथ अलग-अलग तरह के खाने की शौकीन हैं, तो फिर एक बार अपने परिवार के साथ अरुणाचल प्रदेश की सैर पर निकल जाईये यहां मिलने वाले खाने का स्वाद अद्भुत स्वाद होता है। यहां पर चावल से बनने वाली बीयर अपांग खास है। इसके अलावा तिब्बती डिश थुकपा यहां पर मिलने वाला खास व्यंजन है। यहां आपको मीट और मछली के साथ चावल ही खाने को मिलेगा। यहां बनने वाले व्यंजनों में चावल का इस्तेमाल खासतौर पर होता है।

नहीं भूलेंगे हैदराबादी बिरयानी

हैदराबाद में बनने वाले नॉन वेजिटेरियन व्यंजनों की अलग-अलग वेरायटी मसलन मुगलई, तुर्कीस और अरैबिक मिलती है। यहां मिलने वाले व्यंजनों का स्वाद मुंह में घुल जाने वाला होता है। हैदराबादी बिरयानी की धूम हर जगह है भले ही यह आपको हर जगह खाने को मिल जाये, लेकिन हैदराबाद में मिलने वाली, चिकन और मटन बिरयानी का स्वाद ही अलग है। बिरयानी के साथ-साथ यहां के खास व्यंजनों में हलीम पाया, हैदराबादी मरग है। यहां मिलने वाली कच्चे गोस्त की बिरियानी खास है।

आनंद की नगरी कोलकाता

खाने की जितनी वेरायटी आपको सिटी और ज्वॉय के नाम से मसहूर में मिलेगी अन्य कहीं मिलना मुस्किल है। फिर चाहे स्ट्रीट फूड हो स्वीट मीट हो या फिर अन्य व्यंजन यहां पर इसकी ढेरों वेरायटी मिलती है। ऐसा नहीं है कि यहां पर स्थानीय फूड की बहुतायत है यहां पर आपको चाइनीज, मुगलई, इटेलियन सभी तरह के व्यंजन रिजनेबल दाम में मिल जायेंगे। तिरेता बाजार में मिलने वाले तिब्बती फूड और चाइनीज फूड का स्वाद अद्भुत होता है। अगर आप कोलकाता की सैर पर निकली हैं, तो फिर विवेकानंद पार्क में मिलने वाले आलू फुचका और मित्रा कैफे में मिलने वाले कबीरजी कटलेट जरूर खायें। यहां पर अलग-अलग तरह के भरवां परांठे भी मिलते हैं, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं। सरसो में बनी कोलकाता की हिल्सा मछली और भेंटुकी फाई का स्वाद लेना न भूलें।

रेसिपी

बटाटा वड़ा

सामग्री

250 ग्राम आलू उबले, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच राई, 5-6 करीपत्ते, 2 बड़े चम्मच प्याज बारीक कतरा, 1 छोटा चम्मच अदरक व हरीमिर्च बारीक कटी, 1/4 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1 बड़ा चम्मच नीबू का रस ,1/2 छोटा चम्मच चाटमसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर ,2 छोटे चम्मच रिफाइंड औयल , 1 कप वड़ा पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनियापत्ती बारीक कटी, 1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच तिल ,बटाटा फ्राई करने के लिए पर्याप्त रिफाइंड औयल , नमक स्वादानुसार

विधि

आलुओं को मोटामोटा फोड़ लें. एक नौनस्टिक कड़ाही में तेल गरम कर के जीरा, राई व करीपत्ते डालें. फिर प्याज, अदरक व हरीमिर्च डाल कर पारदर्शी होने तक भूनें. फिर हलदी पाउडर डाल कर आलुओं को भून लें. इस में नमक, मिर्च व नीबू का रस डालें. ठंडा कर के नीबू से थोड़े बड़े गोले बना लें. वड़ा पाउडर में पानी डाल कर गाढ़ा घोल बनाएं. इस में तिल और धनियापत्ती मिक्स करें. गरम तेल में प्रत्येक गोले को वड़ा पाउडर के घोल में लपेट कर गरम तेल में डीप फाई करें. बटाटा वड़े तैयार हैं.

लौकी- मटर शोरबा

सामग्री

लौकी 1 किलो, फोजन मटर 1 कप, टमाटर (छिले) 3-4, बटर 2 बड़े चम्मच, दालचीनी 2 इंच, धनिया पाउडर 1 बड़ा चम्मच, सौंफ पाउडर ½ छोटा चम्मच, ताजी धनिया पत्तियां (कटी) पुदीने की पत्तियां (कटी) 1 छोटा चम्मच, कालीमिर्च पाउडर ‰ छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार,क्रीम ½ कप।

विधि

प्रेशर कुकर में बटर गरम करें। इसमें दालचीनी डालें जब इसकी खुशबू आने लगे तब इसमें लौकी और मटर डालकर 2 मिनट तक भूनें। अब सारी सामग्री (सिर्फ क्रीम छोड़कर) को एक-एक करके 2 मिनट के लिए भून लें। इसमें एक कप पानी डालकर कुकर को बंद करें और एक सीटी आने तक पकाएं। अब कुकर को ठंडा होने दें और सारी सामग्री बाहर निकालें। अब इसे छान लें और सूप निकाल लें ‰ इसमें क्रीम डालें और पुदीने की ताजी पत्ती के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**